Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-211

जम्मू कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक का दावा

जम्मू कश्मीर में घुसे 600 पाकिस्तानी कमांडो

जम्मू, 29 जुलाई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर, खासकर जम्मू में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच, प्रदेश के पूर्व पुलिस प्रमुख शेषपाल वैद ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना के एसएसजी कमांडो बड़ी संख्या में जम्मू कश्मीर के इस हिस्से में घुसपैठ कर चुके हैं और अन्य भी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक स्थानीय न्यूज एजेंसी से बात करते हुए एसपी वैद ने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना के 600 से अधिक एसएसजी कमांडो को चिन्हित किया गया है और उनमें से बड़ी संख्या में जम्मू कश्मीर में घुसपैठ कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस कृत्य के पीछे मकसद भारतीय सेना की 15वीं और 16वीं कोर को पूरी तरह से युद्ध में

लीड कर रहा पाकिस्तानी सेना का कर्नल शाहिद सलीम

उलझाना था। वैद कहते हैं कि यह युद्ध की कार्रवाई है और इसके लिए हमारी सेना को अत्यधिक सतर्क रहना होगा। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में जमीनी हालात को बिगाड़ने की कोशिशें जारी हैं।

पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने खुलासा किया कि पाकिस्तान सेना के एसए-सजी कमांडो के जीओसी आदिल रहमानी जम्मू कश्मीर में घुसपैठियों को संगठित और निर्देशित कर रहे हैं। वैद ने दावा किया कि पाक सेना का एक लेफ्टिनेंट कर्नल शाहिद सलीम है जिसके जम्मू कश्मीर में घुस आने की खबरें मिल रही हैं। उसने सभी स्लीपर सेल सक्रिय कर दिए हैं। वैद के अनुसार, जम्मू कश्मीर के इस हिस्से में घुसने के लिए दो और बटालियन तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ये हमले जिस सटीकता से हो रहे हैं। यह युद्ध की कार्रवाई है और भारत को उसी के अनुसार जवाब देने की जरूरत है।

लोकसभा में फिर अमर्यादित आचरण पर उतरे राहुल गांधी

पॉकेट में संविधान संसद में अपमान

राहुल गांधी और ओम बिरला के बीच हुई तीखी बहस

राहुल गांधी के बेजा व्यवहार पर पूरी संसद हुई नाराज

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज फिर लोकसभा में बदतमीजी पर उतर आए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बार-बार मना करने के बावजूद राहुल गांधी अमर्यादित व्यवहार करते रहे। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण का पुरजोर विरोध किया, लेकिन इससे राहुल पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

प्रतिपक्ष के नेता के संवैधानिक पद पर मनोनीत होने के बावजूद राहुल गांधी संसद में संविधान का सम्मान नहीं रखते, लेकिन पॉकेट में रखा संविधान राजनीति की रोटी सेंकने के वक्त जरूर दिखाते रहते हैं। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि अभिमन्यु को छह लोगों ने मारा था, उनके नाम कर्ण, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कृतवर्मा, अश्वत्थामा और शकुनि थे। ▶10पर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, भारत-चीन के संबंध अच्छे नहीं

पर समाधान हमें ही मिलकर निकालना है

चीन के विदेश मंत्री से भारत के विदेश मंत्री की दो टूक

तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप किसी भी स्थिति में मंजूर नहीं

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा मुद्दे पर कहा है कि चीन के साथ हमारा एक मुद्दा है और इसका समाधान हम दोनों को ही निकालना है। हम भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।

विदेश मंत्री ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है।

टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। ▶10पर

आरक्षण बढ़ाने का बिहार सरकार का फैसला रद्द ही रहेगा

सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का निर्णय बहाल रखा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने झटका दिया है। आरक्षण बढ़ाने का बिहार सरकार का फैसला फिलहाल रद्द ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का निर्णय बहाल रखा है। पटना हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले ही बिहार सरकार के नौकरी और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को बढ़ाने के फैसले पर रोक लगा दी थी। अब इस फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने भी इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सितंबर में सुनवाई करेगा।

20 जून को पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग का आरक्षण 65 फीसदी तक बढ़ाने वाले कानून को रद्द कर दिया था। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, ▶10पर

दिल्ली सरकार का शराब घोटाला

केजरीवाल और अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट दिल्ली में आरोप-पत्र दाखिल किया है।दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दी थी। इस मामले में आठ अगस्त को सुनवाई होनी है। ▶10पर

तमिलनाडु में भाजपा कार्यकर्ता की निर्मम हत्या

24 घंटे में तीन अलग-अलग दलों के नेताओं की हत्या

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में भारतीय जनता पार्टी के जिला सचिव सेल्वाकुमार की निर्मम हत्या कर दी गई। शनिवार को भाजपा कार्यकर्ता को सड़क पर घेरकर अज्ञात लोगों ने मौत के घाट उतार दिया। अब भाजपा ने इस हत्या के लिए डीएमके पर निशाना साधा है और राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। जबकि इलाके के सांसद कार्ति पी चिदंबरम का कहना है कि इस हत्या का कोई राजनीतिक कारण नहीं था। जैसे कि उन्हें पता हो कि भाजपा नेता की हत्या किन कारणों से हुई। सेल्वाकुमार शनिवार (27 जुलाई 2024) को अपने ईंट भट्टे से मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और उन पर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए। राहगीरों ने सेल्वाकुमार को खून से लथपथ देखा और अधिकारियों को सूचित किया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सेल्वाकुमार को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

हत्या की खबर सुनने के बाद भाजपा कार्यकर्ता समेत सेल्वाकुमार के समर्थक और ग्रामीण सड़कों पर आ गए। सबकी मांग थी कि आरोपितों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए इलाके में पुलिस बल को तैनात किया है। राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने तमिलनाडु में बिगड़ते कानून व्यवस्था की ओर ध्यान दिलाते हुए इसे हत्याओं की राजधानी कहा। उन्होंने कहा, असामाजिक तत्वों को सरकार या पुलिस का कोई डर नहीं है। मुख्यमंत्री, जिनके नियंत्रण में पुलिस है, एक राजनीतिक नाटक चला रहे हैं। उन्होंने एमके स्टालिन से यह भी कहा कि वे आत्मचिंतन करें कि क्या उन्हें राज्य के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का अधिकार है। उन्होंने मृतक के परिजनों को आश्वासन दिया है कि भाजपा उन्हें हर तरह से सपोर्ट करेगी। तमिलनाडु में 24 घंटे से भी कम समय में तीन ▶10पर

सोपोर विस्फोट में चार लोगों की मौत

जम्मू, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सोमवार दोपहर को रहस्यमयी विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शायर कॉलोनी सोपोर में एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक जख्मी को एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया, ▶10पर

बलूचों को अगवा कर उन्हें मार रही पाकिस्तानी सेना

ग्वादर को बनाया बंधक, इंटरनेट बंद

ग्वादर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना नस्लीय नरसंहार को अंजाम दे रही है। आज पूरा ग्वादर अशांत है। हर तरफ संगीनों का साया है। बलूचियों को देखते ही गोली मार दी जा रही है, विरोध करने वालों को अगवा कर गायब कर दिया जा रहा है। हजारों बलूची नागरिक गलत तरीके से डिटेन कर लिए गए हैं। हाल ही में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की भी मौत हो गई, तो दर्जनों लोग घायल हो गए। यही नहीं, अब प्रशासन ने बलूच नेताओं को खुलेआम सफाए की धमकी भी दी है,

बलूच में प्रदर्शनकारी

जिसके खिलाफ लोगों ने आवाज उठाई है। अब इस मामले में ग्वादर के मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच ने आवाज उठाई है और ग्वादर में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों को दुनिया के सामने रखा है। महरंग ने बताया है कि ग्वादर को पूरी तरह से कैद कर लिया गया है, जिसकी वजह से न कोई शह में आ सकता है और न ही बाहर जा सकता है। ▶10पर

पाकिस्तानी ईसाई फराज को दी सिर तन से जुदा करने की धमकी

इस्लामाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड में लंबे समय से रह रहे पाकिस्तानी ईसाई कार्यकर्ता को कट्टरपंथी संगठनों से सर तन से जुदा करने की धमकी मिली है। फराज ने बताया कि अल्लामा मुहम्मद राशिद मदनी हमदी जामिया दारुल उलूम हमदिया नामक देवबंदी संगठन ने उनकी हत्या करने वाले को 20,000 डॉलर (1674450 रुपए) का इनाम देने की घोषणा की है। कट्टर संगठनों का आरोप है कि फराज परवेज ने पैगंबर मोहम्मद की तस्वीर बनाकर ईशनिंदा की है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 24^0

कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबने से तीन छात्रों की मौत का मामला

दिल्ली सरकार जेल में है और सिस्टम सड़ चुका है..!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में भारी बारिश के बाद लोकप्रिय राव आईएएस कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ जब लाइब्रेरी में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई कर रहे थे। आनन-फानन में सभी छात्र बाहर निकलने लगे। कुछ छात्रों ने तो अपने आपको बचा लिया, लेकिन तीन छात्र सरकारी सिस्टम और कोचिंग सेंटर की नाकामी के कारण अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठे। तीनों छात्र सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। मृतक छात्रों की पहचान तानिया सोनी (तेलंगाना), श्रेया यादव (यूपी) और नेविन डालविन (केरल) के तौर पर हुई है। अन्य छात्रों ने इस दर्दनाक घटना के लिए एमसीडी और कोचिंग संस्थान दोनों को दोषी ठहराया है।

यही नहीं हादसे के बाद दिल्ली सरकार का कोई भी प्रतिनिधि छात्रों से मिलने तक नहीं पहुंचा। इस हादसे को लेकर अखिल

छात्रों का दावा : कम से कम 8 से 10 छात्र मरे

भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आज (28 जुलाई 2024) दिल्ली एमसीडी मेयर शैली ओबेरॉय के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। एबीवीपी ने बिना सुरक्षा मानकों के चल रहे कोचिंग संस्थानों को बंद करने की मांग की। साथ ही इसी सप्ताह पटेल नगर में यूपीएससी छात्र की करंट लगने से मौत जैसे मामलों में दिल्ली सरकार और एमसीडी द्वारा कोई सबक नहीं लेने की निंदा की। शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के मुखिया तिहाड़ से दिल्ली की सरकार चला रहे हैं। उनका कोई नुमाइंदा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आएगा और घड़ियाली आंसू बहाकर किसी और पर दोष मढ़कर चलता बनेगा। जबकि दिल्ली में एमसीडी में भी आम आदमी पार्टी नेतृत्व कर रही है। दिल्ली के सड़ चुके सिस्टम को लोग भी दो-तीन दिन बाद भूल जाएंगे।

स्थानीय लोगों और भाजपा ने एमसीडी की लापरवाही को हादसे का कारण बताया है। उनका कहना है कि बीते कई वर्षों से जलभराव की समस्या है। एमसीडी को भी पता है कि मानसून में जलभराव होता है। इसके बावजूद एमसीडी ने नालों की सफाई नहीं करवाई और न ही मानसून में बारिश से निपटने की कोई तैयारी की गई। नाले की सफाई न होने के कारण इमारत अत्यधिक पानी का दबाव नहीं सह पाई, जिससे पानी अचानक बेसमेंट में भर गया और हादसे में तीनों छात्रों की मौत हो गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद बांसुरी स्वराज का कहना है कि पिछले 10 दिनों से नालों ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

सीक्रेट सर्विस की महिला एजेंट्स के बचाव में आए डोनाल्ड ट्रंप, कहा- मुझे बचाते हुए वह कुचली तक गई थी

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एक कहावत है 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय' यह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उस समय बिल्कुल सटीक साबित हुई थी, जब पेंसिल्वेनिया में उनपर जानलेवा हमला किया गया था। एक गोली उन्हें छूते हुए निकल गई थी। हालांकि, इस पूरे मामले के बाद सीक्रेट सर्विस की महिला एजेंटों की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। किसी के कद पर तो किसी के हथियार नहीं संभाल पाने को लेकर निशाना साधा गया। हालांकि, अब पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप खुद इनके बचाव में उतर आए हैं। उन्होंने हमले के दौरान उनकी रक्षा करने के लिए महिला एजेंटों की सराहना की है।

रैली के दौरान हुआ था हमला- बता दें, ट्रंप पर 13 जुलाई को एक रैली के दौरान हमला किया गया था। उस समय उनके साथ मंच पर मौजूद सीक्रेट सर्विस की महिला एजेंटों की अपने से बड़े और लंबे कद के शख्स की उचित तरीके से रक्षा नहीं करने और पेशेवर तरीके से काम नहीं करने को लेकर आलोचना की गई थी।

बस उनकी लंबाई काफी नहीं थी इसलिए- एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मिनेसोटा की एक रैली में अपने समर्थकों से कहा, वह एक सुंदर इंसान है। वह मेरी ढाल बन रही थी, वह जो कुछ भी कर सकती थी सब कर रही थी। यहां तक कि वह कुचली तक गई थी। बस उनकी लंबाई काफी नहीं थी इसलिए फर्जी खबरों ने उनकी आलोचना की।

वह मुझे हर चीज से बचा रही थी- उन्होंने आगे कहा, ठीक है, आप जानते हैं उनकी लंबाई काफी नहीं थी। इसलिए क्योंकि मैं लंबा हूं और वह उतनी लंबी नहीं थीं। उनकी आलोचना की गई। वह बहुत बहादुर थी। वह मुझे हर चीज से बचा रही थी। वहां गोलीबारी हो रही थी और यहां तक कि वह गोली खाने तक को तैयार थी।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महिला एजेंट को बहादुर बताया और कहा कि वह उनके लिए गोली खाना चाहती थीं।

20 साल के क्रुक्स ने किया था हमला- एक चुनावी रैली में रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में पूर्व राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए। इस पूरी घटना के पीछे जिस शख्स की पहचान हुई वो महज 20 साल का थॉमस मैथ्यू क्रुक्स था। उसे गोलीबारी के तुरंत बाद ही एक स्नाइपर ने मार गिराया था।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरी न्यूयॉर्क के पार्क में सामूहिक गोलीबारी, एक की मौत छह घायल

वॉशिंगटन। उत्तरी न्यूयॉर्क के एक पार्क में हुई सामूहिक गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह घटना एक स्थानीय कार्यक्रम के दौरान हुई, जब अचानक गोलियों की आवाज से पार्क गूंज उठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पार्क में चल रहे कार्यक्रम के बीच में ही अज्ञात हमलावर ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस भयावह घटना के चलते वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे इस घटना की जांच कर रहे हैं और हमलावर की तलाश में जुटे हैं। उन्होंने जनता से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी हो तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। अब तक हमलावर के बारे में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। इस घटना ने स्थानीय समुदाय में डर और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ाने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आश्वासन दिया है। स्थानीय निवासियों ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

कनाडा में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ जहर उगल रहे खालिस्तानी

कैलगरी। कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रहीं। अब यहां के कैलगरी में खालिस्तान पर जनमत संग्रह का तमाशा देखने को मिला। इसमें हिस्सा लेने के लिए कनाडा में रह रहे हजारों सिख कैलगरी के म्यूनिसिपल प्लाजा पहुंचे। यह प्लाजा स्थानीय संयुक्त राज्य राजनयिक मिशन के सामने है। एक चैनल ने इस बारे में विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, इसका आयोजन खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) समूह ने किया। समूह ने इसका आयोजन अल्बर्टा प्रांत के सिखों की राय जानने के लिए किया। अनुमानतः 10 लाख सिख कनाडा और लगभग एक लाख कैलगरी में रहते हैं। हरदीप सिंह निज्जर के परिवार ने जनमत संग्रह के लिए सबसे पहले मतदान किया। खालिस्तान परिषद के अध्यक्ष डॉ. बख्शीश सिंह संधू ने मतदान की शुरुआत में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जहर उगला।

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 10 दिन बाद बहाल

ढाका। बांग्लादेश में देशव्यापी हिंसा और आगजनी के चलते 10 दिनों से बंद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बहाल

कर दी गईं। ज्ञात रहे कि पड़ोसी बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द पूरे देश में हिंसा में तब्दील हो गई। सरकार ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। खबर के अनुसार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक ने संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि सेवाएं बहाल होने के बाद तीन दिन तक सभी उपयोगकर्ताओं को 5 जीबी इंटरनेट मुफ्त दिया जाएगा। स्थानीय समयानुसार अपराह्न लगभग तीन बजे मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को फिर से शुरू कर दिया गया। खबर के अनुसार, ढाका में रॉबी, ग्रामीणफोन, बांग्लालिंक और अन्य ऑपरेटर के उपयोगकर्ताओं ने कहा कि वे अपराह्न तीन बजे के आसपास अपने मोबाइल फोन पर इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार ने 18 जुलाई को देशभर में हिंसा बढ़ने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया था। ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्रों ने 1971 में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया था, जिसने हिंसक रूप ले लिया था। खबरों के अनुसार, हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, मौतों के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाने का आदेश देने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि लोगों के जीवन और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए। बांग्लादेश में हालांकि बुधवार को स्थिति सामान्य हो गई।

चार देशों के समूह क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर बोले

स्थिरता, सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि के लिए भरोसेमंद भागीदारों की जरूरत

टोक्यो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। **चार देशों के समूह क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में सबसे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कई मुद्दों पर बात रखी। उसके बाद अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने भी अपनी बात रखी। आइए जानते हैं किसने क्या कहा।**

क्या बोले जयशंकर?

जापान के टोक्यो में क्वाड विदेश मामलों के मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'क्वाड और हमारे संबंधित द्विपक्षीय या यहां तक कि त्रिपक्षीय संबंधों के बीच एक मजबूत बातचीत है। एक मोर्चे पर प्रगति दूसरे को मजबूत करती है और इस तरह क्वाड के महत्व को बढ़ाती है। ये चुनौतीपूर्ण समय हैं। चाहे वह स्थिरता और सुरक्षा हो या प्रगति और समृद्धि, अच्छी चीजें अपने आप नहीं होती हैं। उन्हें भरोसेमंद भागीदारों की जरूरत है, उन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। क्वाड दोनों का एक बेहतरीन समकालीन उदाहरण है।'

उन्होंने आगे कहा, जब मैंने विशेष उदाहरण दिए हैं तो यह जरूरी है कि हम सभी बिंदुओं को जोड़ें। कुल मिलाकर संदेश यह है कि हमारे चार देश एक स्वतंत्र हिंद-प्रशांत के लिए, नियम-आधारित व्यवस्था और वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, जो अपने आप में एक अनिश्चित और अस्थिर दुनिया में एक शक्तिशाली स्थिर कारक है।

यह कोई चर्चा की दुकान नहीं

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, यह कोई बातचीत की दुकान नहीं है, बल्कि एक ऐसा मंच है जो व्यावहारिक परिणाम देता है। उदाहरण के लिए, हमारी एचएडीआर बातचीत हमारी नौसेनाओं के बीच समझ और एसओपी में दिखाई देती है। क्वाड से निकली इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस पहल आज सूचना संलयन केंद्रों को जोड़ती है। हमने जिसके बारे में बहुत बात की है वो है ओपन आरएएन नेटवर्क, जिसे पलाऊ में तैनात किया जा रहा है। मॉरीशस में जल्द ही एक अंतरिक्ष-आधारित जलवायु चेतावनी प्रणाली शुरू की जाएगी। कोविड के दौरान, हमने इस क्षेत्र के देशों को टीके पहुंचाने के लिए सहयोग किया। क्वाड स्ञ्जश्वरू फेलोशिप का पहला समूह पास आउट हो रहा है और दूसरा भी आसियान को कवर करेगा।

उन्होंने कहा, हम विश्वसनीय दूरसंचार प्रौद्योगिकी और समुद्र के नीचे केबल कनेक्टिविटी से लेकर मानवीय और आपदा राहत, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकी, साइबर और स्वास्थ्य सुरक्षा, जलवायु कार्रवाई, बुनियादी ढांचे, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण, समुद्री डोमेन जागरूकता, एसटीईएम शिक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने तक काम कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, एक मंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर, जो क्वाड से सबसे लंबे समय से जुड़ा हुआ है, मुझे जो सच में संतुष्टि मिलती है वह यह है कि यह हमारी विदेश नीतियों में कितनी गहराई से और व्यवस्थित रूप से अंतर्निहित है। हमारी सरकार की विभिन्न एजेंसियां और उनके अलावा अन्य हितधारक अब नियमित रूप से मिलते हैं। इसका विस्तार होता रहता है। हमारे नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से क्वाड के विकास का नेतृत्व किया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने जो विस्तृत एजेंडा बनाया है, उसकी मैं सराहना करता हूं।

हम एक विश्वास के साथ जुड़े हुए-एंटनी ब्लिंकन

विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन भी बैठक में बोले। उन्होंने कहा, यह हमारे चार देशों के बीच शानदार रणनीतिक बैठक का पल है। हमारे चार देश हैं जो एक मुक्त और खुले, जुड़े, समृद्ध और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक साझा दृष्टिकोण से एकजुट हैं। हम एक विश्वास के साथ भी जुड़े हुए हैं कि हम एक साथ भविष्य को इस तरह से आकार देने में मदद कर सकते हैं जो हमारे और पूरे क्षेत्र के कई अन्य लोगों को लाभ पहुंचाएगा।

नियमों को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग ने कहा, हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां हमारी दुनिया और हमारे क्षेत्र को नया रूप दिया जा रहा है। संघर्षों से लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है और जान की कीमत चुकानी पड़ रही है। लंबे समय से चले आ रहे नियमों को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। देशों को एकजुट व्यापार उपायों, अस्थिर ऋण, राजनीतिक हस्तक्षेप और गलत सूचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वाड साझेदारी इस बात पर केंद्रीय है कि हम इन परिस्थितियों का कैसे जवाब दे सकते हैं।

भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नयी रणनीति विकसित की जा सके। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री क्षेत्र पर दावे करते हैं।

पाकिस्तान में भड़की भयानक हिंसा

36 लोगों की मौत सैकड़ों हुए घायल

इस्लामाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। आतंक को पालने वाले देश पाकिस्तान का अब खुद ही बुरा हाल होता जा रहा है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में दो कबाइली समूहों के बीच बड़ी हिंसा हुई है। इस हिंसा में अब तक 36 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, सैकड़ों लोग घाल भी हुए हैं। अधिकारियों ने बताया है कि दो समूहों के बीच पांच दिन पहले भीषण झड़पें शुरू हो गई थीं। इस झड़प में हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया था।

कैसे भड़की हिंसा?

पाकिस्तान के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में जमीन के एक टुकड़े के लिए दो कबाइली समूहों के बीच ये सशस्त्र संघर्ष शुरू हुआ है। हिंसा में 36 लोग मारे गए और 162 घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया है कि इस गांव में पहले भी जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच घातक संघर्ष के साथ-साथ सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हो चुके हैं।

पुलिस ने क्या बताया?

पूरी हिंसा के बारे में पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में बीते पांच दिनों में हुई जनजातीय हिंसा में 36 लोग मारे गए और 162 अन्य घायल हुए हैं। ये घटना ऊपरी कुर्रम जिले के बोशेरा गांव में हुई है।

गोलीबारी अभी भी जारी

अधिकारियों ने बताया है कि आदिवासी बुजुर्गों, सैन्य नेतृत्व, पुलिस और जिला प्रशासन की मदद से कुछ समय पहले बोशेरा, मलिकेल और डंडार इलाकों में शिया तथा सुन्नी जनजातियों के बीच समझौता कराया गया है। हालांकि, जिले के कुछ अन्य हिस्सों में गोलीबारी अभी भी जारी है। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि शेष क्षेत्रों में भी संघर्षविराम के प्रयास किए जा रहे हैं।

निकोलस तीसरी बार चुने गए वेनेजुएला के राष्ट्रपति, विपक्ष ने लगाए धांधली के आरोप

कराकास, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वेनेजुएला में हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी हुई है और वह लगातार तीसरी बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुने गए हैं। हालांकि विपक्ष ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए नतीजों पर सवाल उठाए हैं। वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रविवार को मतदान हुआ था। देश के विभिन्न मतदान केंद्रों पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई थी और करीब दो करोड़ पंजीकृत मतदाताओं ने राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया था।

विपक्ष अपनी जीत को लेकर था आश्वस्त- वेनेजुएला के चुनाव आयोग नेशनल इलेक्टोरल काउंसिल के प्रमुख एल्विस एमोरोसो ने बताया कि निकोलस मादुरो को 51 प्रतिशत वोट मिले। वहीं विपक्ष के नेता एडमुंडो गोंजालेज को 44 प्रतिशत मत मिले। विपक्ष अपनी जीत को लेकर इतना सुनिश्चित था कि चुनाव नतीजे आने से पहले ही विपक्ष के नेताओं ने सोशल मीडिया पर जीत के दावे करना और जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया था। एग्जिट पोल्स के नतीजों में भी गोंजालेज को बड़े अंतर से जीतता हुआ बताया गया था, जिससे विपक्ष के हौसले बुलंद थे। हालांकि जैसे ही नतीजे सामने आए तो विपक्ष हैरान रह गया। विपक्ष चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहा है।

मौजूदा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को इस चुनाव में एकजुट विपक्ष से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। विपक्ष ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि वे बीते एक दशक से जारी आर्थिक संकट को दूर करेंगे। वेनेजुएला में आर्थिक संकट के चलते करीब 70 लाख लोग देश छोड़कर अन्य देशों में बस चुके हैं। 74 वर्षीय एडमुंडो गोंजालेज युरुशिया के नेतृत्व में विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि वह बीते 11 वर्षों से सत्ता पर काबिज निकोलस मादुरो को मात नहीं दे सके। वेनेजुएला में दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं और कभी लैटिन अमेरिका की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था थी, लेकिन मादुरो के सत्ता में आने के बाद देश में आर्थिक गिरावट का दौर शुरू हुआ। यूएस के आर्थिक प्रतिबंधों ने भी स्थिति को और खराब किया। विपक्ष ने देश में व्याप्त विशाल असमानताओं पर ध्यान केंद्रित करने और बेहतर नौकरी की संभावनाएं देने का वादा किया था।

अमेरिका ने उठाए मादुरो की जीत पर सवाल, राष्ट्रपति बोले- धोखाधड़ी का रोना फिर शुरू, ये नई बात नहीं

कराकास, 29 जुलाई (एजेंसियां)। वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए निकोलस मादुरो ने कहा कि 'विपक्ष ने नतीजों के बाद फिर से चुनाव में धोखाधड़ी का रोना शुरू कर दिया है।' मादुरो ने कहा कि 'हम पहले भी कई बार इस फिल्म को देख चुके हैं।' वहीं अमेरिका की सरकार ने वेनेजुएला के चुनाव नतीजों को लेकर चिंता जाहिर की है और कहा है कि ये नतीजे वेनेजुएला के लोगों की इच्छा को प्रदर्शित नहीं करते हैं।

मादुरो ने विपक्ष पर लगाए आरोप

राजधानी कराकास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए निकोलस मादुरो ने कहा कि 'मैं 20 साल पहले राजनीति में आया था, उस वक्त आपमें से कई पैदा भी नहीं हुए होंगे और वे तब से ही चुनाव के नतीजों में धांधली का आरोप लगा रहे हैं। वे (विपक्षी) सब बुरे चेहरे वाले लोग हैं और आप (समर्थक) जो यहां हैं, वो समझदार और शानदार लोग हैं। मादुरो ने कहा कि उनका फिर से राष्ट्रपति पद पर चुना जाना शांति और स्थिरता लेकर आएगा।'

मादुरो ने 900 से ज्यादा चुनाव सर्वेक्षकों की भी तारीफ की और कहा कि अगले 24 घंटे में हम ऐसे सबूत देंगे,, जिससे यह पक्का हो जाएगा कि चुनाव नतीजे पूरी तरह से सही हैं। गौरतलब है कि निकोलस मादुरो की तीसरी बार सत्ता में वापसी हो रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद के चुनाव नतीजों में मादुरो को सबसे ज्यादा 51 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। वहीं विपक्षी नेता गोंजालेज को 44 फीसदी लोगों ने समर्थन दिया।

अमेरिका ने मादुरो की जीत पर उठाए सवाल

अमेरिका की सरकार ने वेनेजुएला के चुनाव नतीजों पर चिंता जाहिर की है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के चुनाव नतीजों को लेकर चिंतित है। ब्लिंकन ने कहा कि नतीजों में निकोलस मादुरो को विजेता घोषित किया गया है, लेकिन हमें चिंता है कि ये चुनाव नतीजे सही नहीं हैं। घोषित चुनाव नतीजे वेनेजुएला के लोगों के इच्छा को प्रदर्शित नहीं करते हैं। चुनाव नतीजे जारी होने से पहले भी ब्लिंकन ने कहा था कि वेनेजुएला में चुनाव नतीजे निष्पक्ष और पारदर्शी होने चाहिए।

बता दें कि वेनेजुएला में विपक्ष ने चुनाव नतीजों में धांधली के गंभीर आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि एग्जिट पोल्स के नतीजों में विपक्ष को बहुमत मिलने का दावा किया गया था, जिसके बाद विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों ने जीत का जश्न भी मनाना शुरू कर दिया था, लेकिन अब चुनाव नतीजों से उन्हें तगड़ा झटका लगा है।

रुश्दी ने एक वर्चुअल कार्यक्रम 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' में चर्चा करते हुए कहा

कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की सशक्त उम्मीदवार, उनके न जीतने की कोई वजह नहीं

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में जन्मे लेखक सलमान रुश्दी ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि हैरिस ही एक वह शख्स हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देश को अधिनायकवाद की ओर खींचने से रोक सकती हैं।

रुश्दी ने एक वर्चुअल 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस के प्रति अपना समर्थन जताया। इस दौरान सांसद, लेखक, नीति विशेषज्ञ, उद्यमी और प्रवासी संगठनों सहित भारतीय-अमेरिकी समुदाय के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। लेखक ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण पल है। मैं मुंबई का लड़का हूं और एक भारतीय महिला को व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ते देखना बहुत अच्छा है। मेरी पत्नी अफ्रीकी-अमेरिकी हैं, इसलिए हमें यह तथ्य पसंद आया कि एक अश्वेत और भारतीय महिला व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ रही है।

बाइडन चुनावी दौड़ से बाहर

गौरतलब है, कुछ दिन पहले यानी 21 जुलाई को 81 साल के जो बाइडन ने चुनावी दौड़ से बाहर होने का एलान कर सबको चौंका दिया था। हालांकि, राष्ट्रपति बाइडन ने 59 साल की कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया था। वहीं, 26 जुलाई को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनका समर्थन किया है। अगले महीने डेमोक्रेट्स उन्हें आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित कर सकती हैं।

हेली के लिए नहीं होता ऐसे कोई इकट्ठा

77 वर्षीय ब्रिटिश-अमेरिकी

उपन्यासकार ने यह भी कहा कि जातीयता अपने आप में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस की भारतीय-अमेरिकी पत्नी और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर भारतीय-अमेरिकी का जिक्र करते हुए कहा, हम इस तरह से उषा वैंस या निक्की हेली के लिए इकट्ठा नहीं होते।

हैरिस की उम्मीदवारी से बदली बातचीत

रुश्दी ने जोर देकर कहा कि सियासी गलियारे में हलचल इसलिए तेज हुई है क्योंकि केवल एक सप्ताह के भीतर बहुत कुछ बदला है। कमला हैरिस की उम्मीदवारी के साथ ही बातचीत पूरी तरह से बदल गई है और यह सबसे खुशी, आशावाद और सकारात्मक, दूरगामी सोच का एक तरीका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समुदाय को यह काम करना होगा क्योंकि हम विकल्प को लाने नहीं दे सकते।

ट्रंप पर किया हमला

उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि एक भी अच्छा गुण नहीं रखने वाला यह खोखला शख्स इस देश को अधिनायकवाद की ओर खींचने की कोशिश कर रहा है। ऐसा नहीं होने दिया जा सकता है। उन्होंने आगे विश्वास जताते हुए कहा कि हैरिस ही एक ऐसी शख्स है, जो इसे रोक सकती है। इसलिए मैं उनके लिए साथ 1,000 प्रतिशत खड़ा हूं।

रुश्दी ने पूर्व राष्ट्रपति की लोकप्रियता को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ठीक है, अभी वह स्टार की तरह नहीं दिखते हैं। वह बूढ़े, मोटे आदमी की तरह दिखते हैं। कमला सुपरस्टार की तरह दिखती हैं। मुझे लगता है कि वह जो करिश्मा अभियान में लेकर आती हैं, वह आने वाले हफ्तों में महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब समय बदल गया

यह पूछे जाने पर कि देश में ऐसे संशयवादी हैं जो मानते हैं कि अमेरिका अश्वेत और भारतीय मूल की महिला को राष्ट्रपति के रूप में नहीं चुनेगा, रुश्दी ने कहा कि यह तर्क शायद एक दशक पहले भी दिया जाता रहा होगा, लेकिन समय बदल गया है। मुझे लगता है कि अब महिला नेतृत्व को जिस तरह से देखा जाता है, वह अलग है। जिस तरह से नस्ल के मुद्दे को सकारात्मक बनाया जा सकता है, वह एक नई बात है। इसलिए मुझे लगता है कि कमला के न जीतने की कोई वजह नहीं है और वास्तव में वह आसानी से जीतेंगी।

भारत में बाघों की संख्या 10 साल में 65 फीसदी बढ़ी

10 साल में 2,226 बाघों से 3,682 हो गए

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देश में बाघों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। वर्ष2014 से लेकर 2024 के बीच देश में बाघों की संख्या 65 फीसदी बढ़ गई है।केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, 2014 में देश के अंदर कुल बाघों की संख्या 2,226 थी, जो अब बढ़कर 3,682 हो गई है।

खास बात है कि बाघों की संख्या के साथ दुनिया में वन्य जीवों के संरक्षण कार्यक्रम में भी भारत का डंका बज रहा है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघों का घर भारत ही है। अन्य देशों के मुकाबले भारत में तेजी से वन्य जीवों के संरक्षण पर काम हुआ।

1973 में पहली बार सरकार ने टाइगर रिजर्व बनाने का ऐलान किया था। शुरुआती चरण में देशभर में नौ टाइगर रिजर्व बनाए गए थे। इनमें कॉर्बेट (उत्तर प्रदेश), पलामू (बिहार), सिमिलिपाल (ओड़ीशा), सुंदरवन (पश्चिम बंगाल), मानस (असम), रणथंभौर (राजस्थान), कान्हा (मध्य प्रदेश), मेलघाट (महाराष्ट्र) और बांदीपुर (मैसूर) शामिल हैं। हाल ही में सरकार ने मध्य प्रदेश में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की घोषणा की है। इसी के साथ देश में अब कुल 54 टाइगर रिजर्व हो गए हैं।

देश में बढ़ती बाघों की संख्या

2006	–	1,411
2010	–	1,706
2014	–	2,226
2018	–	2,967
2023	–	3,682

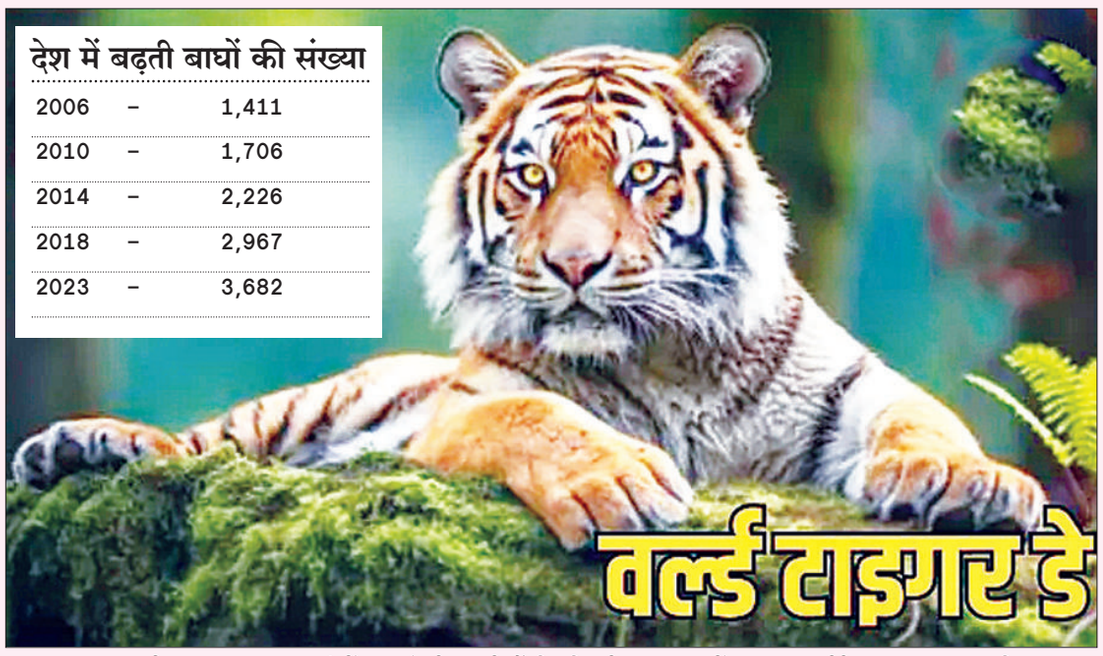

सरकार बाघ के साथ अन्य वन्य जीवों के संरक्षण पर भी काम कर रही है। अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस यानी आईबीसीए की नींव रखी। इसकी शुरुआत बाघ, शेर, तेंदुए, हिम तेंदुए, चीता, जगुआर और प्यूमा, यानी बिग कैट्स के संरक्षण के लिए हुआ है। यह एलाइंस बाघ सहित अन्य बड़ी बिल्लियों और उनकी कई लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दस साल में भारत में न केवल बाघों की आबादी में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि उन्हें अनुकूल वातावरण भी मिला है। दुनिया के केवल 2.4 प्रतिशत भूमि क्षेत्र के साथ भारत, वैश्विक जैव विविधता में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है।

1969 से वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में सरकार ने काम करना शुरू किया। सबसे पहले वन्य जीवों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया। 1972 में वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया गया। 1973 में केंद्र सरकार ने बाघ परियोजना शुरू किया। 2006 में सरकार ने वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट में बड़े बदलाव किए और वन्य जीवों के संरक्षण को और मजबूती प्रदान की। 2010 में पहली बार सरकार ने ऐलान किया कि हर 29 जुलाई को वर्ल्ड टाइगर डे मनाया जाएगा। 2023 में पीएम मोदी ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस यानी आईबीसीए की नींव रखी।

दो अक्टूबर को राजनीतिक दल की घोषणा करेंगे पीके

प्रशांत किशोर का दावा : एक लाख सदस्य जुटेंगे

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले चुनाव रणनीतिकार से राज-नेता बने प्रशांत किशोर ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की घोषणा कर दी है। प्रशांत किशोर ने रविवार को घोषणा की है कि वह 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर नई राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगे। उनकी घोषणा का सबसे महत्व-पूर्ण पहलू यह है कि वह बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगे।

पटना के बापू सभागार में जन सुराज अभियान के दौरान पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि पार्टी की आधारशिला 2 अक्टूबर को रखी जाएगी। उनकी पार्टी की शुरुआत एक लाख से अधिक लोगों की सदस्यता के साथ होगी। चुनाव रणनीतिकार ने यह भी बताया कि वह पार्टी का नेतृत्व करेंगे। इन नेताओं को उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों से चुना जाएगा। इस दौरान प्रशांत किशोर ने 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने का भरोसा जताया।

पटना में आयोजित इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पोती डॉ. जागृति समेत तीन बड़े नाम भी उनके जन सुराज अभियान में शामिल हुए। 2024 के लोकसभा चुनाव में बक्सर से निर्दलीय उम्मीदवार आनंद मिश्रा ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने प्रशांत किशोर के प्रयासों की सराहना की। प्रोफेसर रामबली सिंह चंद्रवंशी ने भी प्रशांत किशोर के राज्य में विकास लाने के उद्देश्य से प्रभावित होकर जन सुराज अभियान की सदस्यता ग्रहण की। जेएसपी ने बताया, 2 अक्टूबर 2024 को जन सुराज अभियान एक राजनीतिक दल का गठन करने जा रहा है।

नई पार्टी की तैयारी के लिए पूरे बिहार में अभियान से जुड़े 1.5 लाख से अधिक पदाधिकारियों की कुल 8 अलग-अलग राज्य स्तरीय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में सभी पदाधिकारियों के साथ पार्टी के गठन की प्रक्रिया, उसका नेतृत्व, संविधान और पार्टी की प्राथमिकताएं तय की जानी है। पहली बैठक 28 जुलाई को पटना में आयोजित हुई। इस बैठक में सभी जिला और प्रखंड स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। दूसरी बैठक 4 अगस्त को होगी, जिसमें जन सुराज से जुड़े सभी युवा पदाधिकारी भाग लेंगे।

किरायेदारों का ब्यौरा नहीं देने पर 11 मकान मालिकों पर केस

जम्मू, 29 जुलाई (ब्यूरो)। जम्मू संभाग के जिला सांबा में मकान मालिकों द्वारा अपने किरायेदारों का विवरण नहीं नहीं देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सांबा, विजयपुर और राजपुरा पुलिस थानों में 11 मामले दर्ज किए गए हैं।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू में किरायेदारों और घरेलू सहायकों की आड़ में आवासीय क्षेत्रों में राष्ट्र विरोधी तत्वों के रहने के कई मामले सामने आने के बाद सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई। इस अभियान के दौरान भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सांबा, विजयपुर और राजपुरा पुलिस थानों में 11 मामले दर्ज किए गए हैं। सांबा जिला मजिस्ट्रेट ने पहले ही मालिकों को किराएदारों का पुलिस सत्यापन करवाने के आदेश जारी कर दिए हैं। बावजूद इसके कुछ मकान मालिक अपने किरायेदारों की ब्यौरा नहीं दे रहे हैं।

पुलिस का मानना है कि किरायेदारों का वेरिफिकेशन नहीं होने के चलते राष्ट्र विरोधी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, क्योंकि आतंकवादी किरायेदारों के रूप में रहकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। वहीं, पुलिस ने निवासियों से अपील की है कि वे आगे आएं और अपने किरायेदारों और घरेलू सहायकों का पूरा विवरण अपने निकटतम पुलिस स्टेशन को उपलब्ध कराएं और समय पर सत्यापन करवाएं।

दाऊद शेख ने यशश्री को चाकुओं से क्षत विक्षत कर डाला

नवी मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में लगभग 20 वर्षीय युवती की चाकू से गोद-गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है। यशश्री शिंदे के रूप में पहचानी गई युवती का वीभत्स शव उरण रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में मिला है। पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे को कुचल दिया गया था। उसके निजी अंगों से लेकर शरीर पर जगह-जगह चाकू गोदे गए थे। हत्या का आरोप उसके जानकार दाऊद शेख पर है, जो फिलहाल फरार है।

नवी मुंबई के पुलिस उपायुक्त विवेक पानसरे ने बताया कि पुलिस को 27 जुलाई की रात करीब दो बजे फोन आया कि उरण रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में एक लड़की का शव मिला है। शव पर कई चोट के निशान और चाकू से वार के निशान हैं। इससे पता चलता है कि उसकी बहुत बेरहमी से हत्या की गई है। उधर यशश्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी। बाद में परिजनों ने यशश्री को कपड़ों से पहचाना। जानकारी के मुताबिक, यशश्री के प्राइवेट अंगों पर काफी वार किए गए हैं। उसके हाथ-पैर तोड़ दिए गए हैं। पीठ और पेट पर धारदार हथियार से कई वार किए गए हैं। उसकी छाती पर भी काफी निशान हैं। चेहरे को भी बुरी तरह कुचल दिया गया है। यशश्री के शव के बाल भी काट दिए हैं। शव के कपड़े भी फटे हुए मिले हैं। हत्या से पहले उसके साथ रेप हुआ है या नहीं, इसके लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

मृतका के पिता सुरेश शिंदे ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनकी पत्नी ने 25 जुलाई को नवी मुंबई के उरन पुलिस स्टेशन में उनकी बेटी यशस्वी शिंदे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने इसमें मामला दर्ज करते हुए खोजबीन शुरू की। इसी बीच रेलवे स्टेशन के पास एक युवती का कुचला शव मिला और उसके कपड़ों ने परिजन ने यशश्री के रूप में पहचान की।

दरअसल, मृतक यशश्री उरण की रहने वाली थी और बेलापुर में एक कॉल सेंटर में काम करती थी। वह 25 जुलाई 2024 को सुबह घर से निकली, लेकिन वापस घर नहीं लौटी।

हर जगह खोजने के बाद परिजनों ने थक-हार कर पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो उसे अंतिम बार लगभग 1:30 बजे उरण मार्केट एरिया में देखा गया।

पुलिस ने उसके कॉल रिकॉर्ड खंगाला तो उसके सीडीआर से पता चला कि मृतका का एक नंबर पर लगातार घंटों बातचीत करती थी। यह नंबर दाऊद शेख नाम के लड़के का है। गुमशुदगी के दौरान पुलिस को अंदेशा हुआ कि यशश्री कहीं-कहीं भागकर दाऊद शेख के साथ चली गई है। हालांकि, पुलिस को पता चला कि जिस दिन से लड़की गायब है, उसी दिन से उसका फोन भी बंद है।

पुलिस ने दाऊद शेख का बैकग्राउंड खंगाला तो पता चला कि यशश्री और उसके परिवार ने साल 2019 में उसके खिलाफ पॉक्सो केस में एफआईआर दर्ज करवाई थी। लड़की के परिजनों ने दाऊद शेख को यशश्री के साथ गलत हरकत करते हुए देख लिया था। उस समय यशश्री नाबालिग थी।

इसके बाद पॉक्सो में मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने दाऊद शेख को गिरफ्तार कर लिया था। लंबे समय तक जेल में रहने के बाद जब दाऊद शेख बाहर आया तो कहा जाता है कि वह कर्नाटक चला गया था। पुलिस को यह भी आशंका है कि वह जेल से निकलने के बाद यशश्री से बदला लेना चाहता था। इसके लिए उसने यशश्री को फिर से अपने चंगुल में फंसाने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने यशश्री से बार-बार माफी मांगी और फिर से दोस्ती करने के लिए आग्रह किया।

यशश्री उसकी बातों में आ गई और दोनों के बीच फिर से बातचीत होने लगी। दाऊद और यशश्री घंटों बातें किया करते थे। पुलिस इस सवाल में उलझी हुई हुई है कि क्या वाकई दाऊद बदला लेने के लिए नाटक किया था या कुछ और था। यदि दाऊद को यशश्री से मोहब्बत थी तो ऐसा क्या हुआ कि उसने इतनी बेरहमी से यशश्री की हत्या कर दी। दाऊद शेख भी उरण का ही रहने वाला है। जांच में यह भी पता चला है कि घटना के दिन दाऊद की लोकेशन उरण में थी। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि उसने कर्नाटक से उरण आने के बाद यशश्री को बुलाया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और भाग गया। हालांकि, हत्या की असली वजह उसकी गिरफ्तारी के बाद ही पता चल पाएगा। पुलिस फिलहाल उसकी जोर-शोर से तलाश कर रही है। एक टीम कर्नाटक भेजी गई है।

मौसम परिवर्तन से परेशान हैं कश्मीरी

जम्मू, 29 जुलाई (ब्यूरो)। पल-पल बदलते मौसम के कारण कश्मीरी बहुत परेशान हैं। उन्हें सबसे अधिक चिंता बढ़ती गर्मी से है जिसके कारण उनके जीवन का हर पहलू प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन, जो तापमान और मौसम के पैटर्न में दीर्घकालिक बदलावों की विशेषता है, कश्मीर में गर्मी की लहर को तेज कर रहा है और इसके लोगों की आजीविका को खतरे में डाल रहा है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि किसान, जिनका भरण-पोषण बागवानी और कृषि क्षेत्रों पर निर्भर करता है, सिंचाई के पानी की कमी और लीफ माइनर जैसी बीमारियों के बढ़ते जोखिम के कारण विशेष रूप से परेशान हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव बढ़ने की संभावना है, जिसके प्रभावों को कम करने के लिए अनुकूलन उपायों की आवश्यकता है।

पत्रकारों से बात करते हुए, पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. आमिर हुसैन भट ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जिसके परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग हुई है, अत्यधिक गर्मी का प्राथमिक चालक है, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर उच्च तापमान की सूचना दी गई है। उन्होंने कहा कि अन्य योगदान देने वाले कारकों में वनों की कटाई, शहरीकरण, प्रदूषण और कम बर्फ कवर शामिल हैं। शहरीकरण के कारण हरे भरे स्थानों की कमी से गर्मी पैदा होती है, जबकि वन कवर में कमी से जलवायु विनियमन बाधित होता है। वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले उत्सर्जन से ग्रीनहाउस प्रभाव बढ़ता है, तापमान बढ़ता है और बर्फ का आवरण कम होने से समग्र तापमान विनियमन प्रभावित होता है।

एक अन्य पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. मुहम्मद सुल्तान कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन से चरम घटनाएं होती हैं। इसका मतलब है कि सर्दियों में अत्यधिक ठंडे तापमान वाले क्षेत्र गर्म हो सकते हैं, और गर्मियों में गर्म तापमान वाले क्षेत्र और भी गर्म हो सकते हैं। जबकि पहले भी गर्मी की लहरें आती रही हैं, जलवायु परिवर्तन से उनकी आवृत्ति में वृद्धि होने की संभावना है। उदाहरण के लिए, यदि पहले गर्मी की लहरें एक दशक में दो बार आती थीं, तो भविष्य में वे एक दशक में पांच से छह बार आ सकती हैं, साथ ही सूखे, तूफान और असमान वर्षा वितरण भी हो सकता है।

डॉ. सुल्तान कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण असमान वर्षा वितरण हुआ है, जो कृषि और बागवानी क्षेत्रों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। वर्षा की परिवर्तनशीलता बढ़ गई है, अब वर्षा तीन महीनों में फैलने के बजाय कम अवधि में हो रही है। यह परिवर्तनशीलता बाढ़ की ओर ले जाती है, जिससे सतही और भूजल दोनों संसाधन प्रभावित होते हैं। इन प्रभावों को कम करने के लिए, विशेषज्ञों ने शमन और अनुकूलनशीलता उपायों का आह्वान किया है। वे अधिक पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने, उचित अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से अपशिष्ट को कम करने और पुनर्चक्रित करने, ऊर्जा की बचत करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने की सलाह देते हैं। इन कार्यों को करके, उनका मानना है कि एक स्थायी कश्मीर हासिल किया जा सकता है, और पर्यावरण को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सकता है।

गर्मी इस बार कश्मीरियों की जबरदस्त वाट लगा रही है। हालत यह है कि 132 सालों के बाद कश्मीर में सबसे गर्म रात के बाद प्रशासन को स्कूलों में दो दिनों के अवकाश की घोषणा करनी पड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में लगातार दूसरी रात 24.8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ मौसम की सबसे गर्म रात दर्ज की गई। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमान कर्ता फैजान आरिफ केंग ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.0 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

वे कहते हैं कि यह 26 जुलाई 2021 को दर्ज किए गए 24.8 डिग्री सेल्सियस के दूसरे सबसे अधिक न्यूनतम तापमान के बराबर है, जबकि 21 जुलाई 1988 को दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस सबसे ऊपर है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि जम्मू-कश्मीर में आज से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिलेगी। यही कारण था कि लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के बीच कश्मीर संभाग प्रशासन ने रविवार देर रात को सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में प्राथमिक स्तर तक के छात्रों के लिए 29 और 30 जुलाई को कक्षाएं स्थगित करने का आदेश दिया था।

संभागीय आयुक्त कश्मीर वी के बिधूड़ी द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में हालांकि कहा गया है कि उन स्कूलों में शिक्षण कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर आते रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार बिधूड़ी ने एक आदेश में कहा कि कश्मीर में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी दोनों स्कूलों में प्राथमिक स्तर तक के छात्रों के लिए 29 और 30 जुलाई 2024 को कक्षाएं स्थगित रहेंगी। हालांकि, सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी हमेशा की तरह अपनी ड्यूटी पर आते रहेंगे।

संविधान विरोधी छवि खत्म करने की मुहिम चलाएगी

अब विपक्ष के एजेंडे पर चल पड़ी भाजपा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्ष की ओर से भाजपा को लेकर बनाई गई आरक्षण और संविधान विरोधी छवि को ध्वस्त करने के लिए भाजपा शासित राज्य बड़ी मुहिम चलाएंगे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अपने मुख्यमंत्रियों को सरकार और संगठन के बीच हर स्तर पर समन्वय बनाने का सख्त निर्देश दिया है। भाजपा शासित राज्यों को रोजगार पर विशेष ध्यान देने, केंद्रीय योजनाओं को युद्धस्तर पर जमीन पर लागू करने और धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने को भी कहा गया है।

भाजपा शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उपमुख्यमंत्रियों की बैठक दूसरे दिन रविवार को भी हुई। इसमें त्रिपुरा के आमार सरकार कार्यक्रम, असम में एक लाख युवाओं को नौकरी देने की योजना, यूपी सरकार की ग्रामीण सचिवालय योजना, गुजरात सरकार की सौर ऊर्जा निर्माण और बिहार सरकार के अवैध खनन पर रोक अभियान की जमकर तारीफ हुई। सरकार और आम लोगों के बीच सीधे जुड़ाव और युवाओं की नाराजगी खत्म करने के लिए अन्य राज्यों से भी भविष्य में ऐसे ही प्रयास करने का आह्वान किया गया है।

बैठक में सबसे अधिक जोर

सरकार और संगठन के बीच समन्वय को लेकर रहा। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि समन्वय हर स्तर पर और हर हाल में होना चाहिए। राज्य की योजनाओं के प्रचार, प्रसार और उचित लोगों तक पहुंच के लिए सरकार संगठन को माध्यम बनाएं।संगठन से फीडबैक लेकर नई नीति और योजना बनाई जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए विरासत का विकास और विकास की विरासत को हथियार बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अधिक मजबूती से लोक कल्याण के लिए समन्वित प्रयास करती हैं तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल होगा। मुख्यमंत्री परिषद के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने के लिए विकास कार्यक्रमों में जनभागीदारी पर और अधिक बल देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी और परिवर्तनकारी सरकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों का उपयोग करें। हर योजना लक्षित लाभार्थी वर्ग तक पहुंचे, इसकी सशक्त प्रणाली बनाएं।

मुख्यमंत्रियों से अयोध्या, काशी विश्वनाथ और उज्जैन कॉरिडोर की तर्ज पर राज्य से जुड़े धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के महत्व को अपने एजेंडे में प्राथमिकता के तौर पर लेने का निर्देश दिया गया। कहा गया कि राज्य सरकारें ऐसे स्थलों का विकास करें। कोई प्राचीन धरोहर है तो तत्काल उसकी मरम्मत करे। बैठक में विपक्ष की ओर से मोदी सरकार और भाजपा के खिलाफ बनाई गई संविधान और आरक्षण विरोधी धारणा पर लंबी चर्चा हुई। राज्य सरकारों को इस धारणा को तोड़ने के लिए वंचित वर्ग से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, कांग्रेस के आपातकाल पर चर्चा कराने की रणनीति बनी।

पीएम मोदी ने इस दौरान मुख्यमंत्रियों की हौसला अफजाई भी की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम से निराश होने की जरूरत नहीं है। पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। राज्य सरकारें पहले की तरह सुशासन और विकास पर ध्यान दें। वंचित और गरीब लक्षित योजनाएं बनाएं। इससे जुड़ी पूर्व में चल रही योजनाओं को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारें। बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि इस नीति को जमीन पर उतारने के लिए राज्य सरकारों को किस तरह की भूमिका अपनानी चाहिए। उन्होंने इस संदर्भ में राज्य सरकारों को अपनी अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। पीएम ने पार्टी शासित राज्यों से नया सोचने और लगातार नया करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता शासन का जरिया नहीं, बल्कि जनकल्याण है। भाजपा का लक्ष्य वंचित, गरीब, किसान, महिलाओं का उत्थान करना है। इन्हें देश के विकास का सही अर्थों में सा-झीदार बनाना है। ऐसे में राज्य सरकारें इन्हें ही केंद्र में रखकर नया करने की सोचें और नया करें। नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से इनके जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए जीजान से जुट जाएं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सूखे–सर्दीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके जुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच–समझकर फ़ैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 30 जुलाई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 04:42 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रातः 10:19 तक
योग : वृद्धि सायं 03:49 तक
करण : विष्टि सायं 04:46 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 04:42 तक
मंगलागौरी पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में विपक्ष के हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार करनी पड़ी स्थगित

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों द्वारा संलबूर में एक दलित शिक्षक की हत्या एवं सीकर में एक दलित छात्र की हत्या के मामले को लेकर सदन में जोरदार हंगामा करने से सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

शून्यकाल में विधायक थावर चंद ने स्थगन प्रस्ताव के तहत संलबूर में दलित शिक्षक की हत्या का मामला उठाया और कहा कि इस मामले में पीड़ित परिवार को 21 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया हैं जो बहुत कम हैं। उन्होंने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड में सरकार ने एक करोड़ रुपए का मुआवजा एवं एक आश्रित को नौकरी दी थी जबकि इस मामले में सरकार ने भेदभाव किया है। उन्होंने इस मामले में भी पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिये जाने की मांग की।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित विपक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे और सदन में शोरगुल हुआ। विपक्ष के सदस्य इस मामले को लेकर वेल की तरफ बढने लगे और सदन में हंगामा होने लगा। इस दौरान विधायक स्थगत प्रस्ताव के तहत ही विधायक पितराम सिंह काला ने सीकर में दलित छात्र की हत्या का मामला उठाया और विपक्ष के सदस्य दलितों पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर सदन की वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे जिससे सदन में हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को टोका लेकिन विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे। श्री देवनानी ने हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्यों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल जवाब दे रहे हैं सभी सदस्य अपनी जगह पर जाये लेकिन विपक्ष के सदस्य वेल में डटे रहे और हंगामा जारी रहा। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के सदस्य जवाब सुनना नहीं चाहते हैं ये सदन में हंगामा मचाना चाहे रहे हैं।

इस दौरान जोगाराम पटेल जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन विपक्ष के सदस्य वेल में हंगामा करते रहने से वह वापस बैठ गए। इस दौरान हंगामा कम नहीं होता देख जोगाराम पटेल फिर उठे और उन्होंने कहा कि सीकर में छात्र की हत्या के मामले की जांच कराकर एक दो दिन में इस मामले की पूरी रिपोर्ट सदन को बता दी जायेगी। इसके बाद भी विपक्ष के सदस्यों का हंगामा जारी रहा।पर्ची के माध्यम से विधायक गणेशराम बंसल, आदूराम मेघवाल, रामसहाय वर्मा एवं हरलाल सिंह सहारण ने अपनी बात रखी लेकिन हंगामें के कारण उनकी बात भी स्पष्ट रुप से सुनाई नहीं दीई। बाद में हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही करीब पौने एक बजे भोजन अवकाश तक पन्द्रह मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद एक से दो बजे तक भोजनावकाश रहा और दो बजे सदन की कार्यवाही फिर शुरु होने पर विपक्ष के सदस्यों के सदस्यों ने फिर इसी मुद्दे पर अपना हंगामा जारी रखने पर दो बजकर छह मिनट पर सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। दो बजकर 36 मिनट पर सदन की कार्यवाही फिर शुरु होते ही आधे घंटे के लिए तीन बजकर छह मिनट तक फिर स्थगित कर दी गई। तीन बजकर छह मिनट पर सदन की कार्यवाही पुन: शुरु होने पर श्री देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हो गया और सदन की कार्यवाही सुचारु चलने लगी।

भाजपा विधायक बालमुकुंद ने की राजस्थान में यूसीसी जल्द लागू करने की मांग

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा है कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को जल्द से जल्द राजस्थान में लागू किया जाना चाहिए। राजस्थान में भाजपा नेता और राज्य मंत्री यूसीसी को लेकर लगातार बात कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। कुछ समय पहले, मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा था कि राज्य सरकार उत्तराखंड की तरह ही विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। हालांकि, भजनलाल सरकार ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है।

भाजपा विधायक आचार्य हिंदू समुदाय से जुड़े मुद्दे उठाते रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि एक देश और एक कानून को जल्द लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम एक देश और एक कानून की मांग कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। मैंने अपनी ओर से केंद्र सरकार के समक्ष भी यह मांग उठाई है। झुंझुनू में कांवड़ियों के साथ पुलिस की मारपीट की खबरों पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांवड़ियों के साथ किसी भी तरह का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की बिना किसी पक्षपात के जांच की जाएगी और यदि कोई अधिकारी इसमें शामिल है तो उसे भी निलंबित किया जाएगा।

रविवार रात लोहार्गल धाम में भारी भीड़ होने के कारण पुलिस ने कांवड़ियों पर लाठियों से हमला किया। आचार्य ने कहा कि उन्हें इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर मिला है। उन्होंने कहा, इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। फिलहाल, मामले में चीजें स्पष्ट नहीं हैं।

भाजपा विधायक ने आगे कहा कि कांग्रेस के शासन में माफिया फल–फूल रहे थे। लेकिन भाजपा के सत्ता में आते ही उनकी हरकतों पर लगाम लग गई। उन्होंने कहा, अब माफियाओं का राज खत्म हो गया है, इसलिए वे मुख्यमंत्री को धमका रहे हैं। हमारे सीएम ने कांग्रेस के राज में पनप रहे माफियाओं के राज को खत्म कर दिया है। इसलिए अब जेल में बंद लोग डरे हुए हैं और इसलिए वे सीएम को धमका रहे हैं। बता दें कि रविवार को सीएम भजनलाल शर्मा को जेल से बदमाशों ने धमकाया था।

महिला कोच यौन शोषण मामला में पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जूनियर कोच यौन शोषण मामले में फंसे हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ जिला अदालत में केस चल रहा है। सोमवार को अदालत में आरोपी पूर्व मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए हैं। संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय करने की कार्रवाई में ही लगभग डेढ़ वर्ष से ज्यादा समय लगा है। अब इस मामले में संदीप सिंह के खिलाफ केस चलेगा। गौरतलब है कि 26 दिसंबर 2022 को जूनियर महिला कोच ने हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न सहित अन्य आरोप लगाते हुए चंडीगढ़ पुलिस में शिकायत दी थी। जांच के बाद 31 दिसंबर की रात 11 बजे

सेक्टर–26 थाने में संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 342, 354, 354ए, 354बी, 506 के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके बाद डीएसपी (पूर्व) पलक गोयल के सुपरविजन में मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई थी। इसमें साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रंजीत सिंह, महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उषा और एक महिला एसआई को शामिल किया गया था।

जनता के सुझावों पर तैयार संकल्प पत्र पर काम करेंगे : मोहन लाल बडौली

करनाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस गुटबाजी का शिकार है। भाजपा परिवार की तरह कार्य करती है। भाजपा जनता के सुझावों से एक संकल्प तैयार करेगी। जहां की जनता जो कार्य चाहती है, सरकार उसी प्रकार से कार्य करेगी।

बड़ौली करनाल में भाजपा कार्यालय कर्ण कमल पहुंचे। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, पूर्व मेयर रेणू बाला गुप्ता आदि ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया है। देश को 1947 तक विकसित बनाने का जो संकल्प

लिया है, ये बजट उसी संकल्प का हिस्सा है। लोगों को सभी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। महिलाओं, युवाओं, गरीबों, किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। कई नई योजनाओं का समावेश बजट में किया गया है। इस बजट की तुलना जब कांग्रेस के कार्यकाल से करेंगे, तो सही जानकारी होगी कि उससे तीन गुना बजट बढ़ाया गया है। देश के हर जिलों को नेशनल हाईवे से जोड़ने का कार्य हो या फिर युवाओं को रोजगार देने के लिए बहुत कार्य किया गया। चार करोड़ एक लाख युवाओं को रोजगार दिए जाने की योजना है। महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की योजना है। ये बजट प्रशंसनीय है।

कांग्रेस की यात्रा पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग एक दूसरे को पीछे करने में लगे है। कांग्रेस की जो सोच है, जो कल्चर है, उसका सभी को पता लगेगा। कांग्रेस की सोच हमेशा से ही देश को तोड़ने की रही है। जब भी कोई अच्छी बात होती है, तो कांग्रेसी उसमें बुराई ढूढ़ने लगते है। विधान सभा चुनाव की तैयारी पर उन्होंने कहा कि भाजपा के लाखों कार्यकर्ता जनता के बीच में रहकर जनता के सुझाव लेकर संकल्प पत्र तैयार करेंगे। संगठन को मजबूत करते हुए कार्यकर्ता चुनाव को लेकर देश की मजबूती के लिए काम करेंगे। लगातार बूथ की बैठकें चल रही हैं। भाजपा कार्यकर्ता सभी बूथों पर जाएंगे। कुछ बूथ बढ़ेंगे। सभी बार्डो और गांवों में कार्यकर्ता जाकर एक अभियान के रूप में जाएंगे। टिकट वितरण के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस में तो गुटबाजी है, भाजपा में कोई गुटबाजी नहीं है, भाजपा एक परिवार की तरह काम करती है।

ओलंपिक में रमिता पदक से चूकीं, पिता बोले

हौसला नहीं टूटा, न हमारा न बेटी का अगली बार पदक जरूर लाएगी

कुरुक्षेत्र, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रमिता 10 मीटर एयर राइफल महिला इवेंट में सातवें स्थान पर रहीं और पदक लाने से चूक गईं। इससे रमिता व उसके परिजनों के साथ–साथ हर किसी को दुख हुआ लेकिन न रमिता और न ही उसके परिजनों का हौसला टूटा है। रमिता के पिता अरविंद जिंदल कहते हैं कि बेटी ने ओलंपिक में पूरी मेहनत से खेला। यह कम नहीं है। इस बार फाइनल में चूकी तो कोई बात नहीं। न बेटी का हौसला टूटा है और न ही हमारा।

इस बार नहीं तो अगली बार सही लेकिन बेटी देश के लिए ओलंपिक से मेडल जरूर लाएगी। उसने फोन कर अपने

मैच के बारे में बताया तो वहीं कहा कि वह अपनी हार को आगे नहीं रखती बल्कि अगली बार जीत के लिए प्रयास करती रहेगी। वह देश की झोली में एक दिन मेडल जरूर डालेगी।

उधर पिता अरविंद जिंदल कहते हैं कि रमिता बेटी होते हुए भी बेटे की तरह है और हमें उस पर पूरा नाज है। छोटे से कस्बे लाडवा से ओलंपिक में जाना ही कोई छोटी बात नहीं। माता–पिता व अन्य परिजन बेटी का मैच देखने के लिए सुबह से ही टेलीविजन के आगे बैठे रहे। बता दें कि रमिता ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन दूसरी सीरीज में वह पिछड़ गईं जिसके बाद वापसी नहीं कर सकीं।

रमिता ने 10.2 शॉट के साथ शुरुआत की थी जिससे वह संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर पहुंच गई थीं और बाहर होने से 0.2 अंक आगे थीं। इसके बाद उन्होंने फिर 10.2 का शॉट खेला जिससे रमिता संयुक्त रूप से छठे स्थान पर खिसक गईं। रमिता ने इसके बाद शूटऑफ में 10.5 का स्कोर किया, लेकिन रमिता की प्रतिद्वंद्वी मुलर ने 10.8 का स्कोर कर खुद को मुकाबले में बनाए रखा।

गौवंश को जलाने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाडा जिले के पारोली थाना क्षेत्र में पेट्रोल डालकर गौवंश को जलाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी साहिलनूर लौहार को गिरफ्तार कर लिया। यह आरोपित कस्बे में ही वेल्डिंग की दुकान चलाता है और इसकी दुकान के बाहर आए गौवंश को उसने जला दिया। घटना को गंभीरता से लेते हुये प्रशासन ने आरोपित की दुकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। इस बीच, ग्रामीणों के आह्वान पर आज पारोली कस्बा के बाजार बंद रहे। एहतियातन पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।गौरतलब है कि रविवार शाम को हुई घटना के बाद देर रात पारोली थाने पर जुटे ग्रामीणों ने एफआईआर दी और आरोपितों की गिरफ्तारी, अवैध केबिनों को हटाने की मांग को लेकर बंद का आह्वान किया था। गौवंश को जलाने के आरोपित साहिलनूर लौहार को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद प्रशासन ने आरोपित की शॉप को अतिक्रमण मानते हुये बुलडोजर चलाकर शॉप को ध्वस्त कर दिया। तोडफोड़ की इस कार्रवाई के दौरान वहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे।

टोहाना में चाय वाले ने वकील से नौकरी के नाम पर सात लाख ठगे

फतेहाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद जिले के टोहाना में चाय की कैंटीन चलाने वाले ने सरकारी नौकरी की परीक्षा पास कराने के नाम पर वकील को लाखों रुपए का चूना लगा दिया।

रत्ताथेह गांव निवासी सतबीर ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि टोहाना लघु सचिवालय में अमन नामक शख्स चाय की कैंटीन चलाता है। जो पैसों से सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देता है। सतबीर ने 2021 में पंजाब के एक्साइज विभाग में इंस्पेक्टर के लिए फॉर्म भरा था, जिसका चाय कैंटीन संचालक को पता था। अक्टूबर 2021 में उसने मोहाली में पेपर दिया, जो ठीक नहीं रहा, जिस पर उसे फिर बरगलाया गया। पीड़ित अमन 2017 से टोहाना सिविल कोर्ट में वकालत रहा है। साथ ही सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। अमन ने सतबीर से 13 लाख रुपए में काम करवाने की बात कही, लेकिन उसके पास रुपए नहीं थे। इसके बाद अमन ने सात लाख रुपए एडवांस और बाकी रुपए काम के बाद देने की बात कही। सौदा फिक्स होने के बाद अमन ने सतबीर को टोहाना के आशा राम से मुलाकात कराई। इसके बाद सतबीर ने अलग–अलग ट्रांजेक्शन कर 6 लाख 30 हजार रुपए आरोपियों को दे दिए। लेकिन परीक्षा परिणाम में उसका नंबर नहीं आया और अमन फेल हो गया।

गलवा नदी में बहे तीन युवक, दो को बचाया और एक की तलाश जारी

सवाई माधोपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र में बहने वाली गलवा नदी में तेज बहाव जारी है। टोंक जिले में हुई बारिश के चलते गलवा नदी लगातार उफान पर है। इसी के चलते नाहरी गांव के पास गलवा नदी की रपट पार करते हुए तीन युवक नदी में बह गए। आसपास के लोगों की सहायता से नदी में बहने वाले तीन में से दो लोगों को तो बचा लिया गया, लेकिन पानी ज्यादा होने के कारण एक युवक नदी के बहाव में बह गया, जिसका समाचार लिखीजाने तक पता नहीं लग पाया है। मौके पर ग्रामीणों के साथ प्रशासन द्वारा नदी में बहे युवक की लगातार

तलाश की जा रही है।

जगमोदा गांव के आशाराम मीना ने बताया कि वह नदी के पास अपने साथियों के साथ नहा रहा था। चौथ का बरवाड़ा के कपिल वर्मा अभिषेक वर्मा एवं राहुल वर्मा तीनों रपट के ऊपर से गुजर रहे थे। इसी दौरान तीनों तेज बहाव के कारण फिसलकर नदी में चले गए। आशाराम ने बताया कि उसने व उसके साथियों ने तेज बहाव में उतरकर कपिल एवं अभिषेक को बचा लिया, लेकिन राहुल पुत्र भागचंद वर्मा निवासी चौथ का बरवाड़ा तेज बहाव में बह गया है। जिसका पता नहीं लग पा रहा है। मौके पर पानी की अधिकता होने के कारण ग्रामीण मशक्कत तो कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। वहीं दूसरी ओर मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंच गया है ग्रामीणों की सहायता से सर्च ऑपरेशन चालू कर दिया है।

सिरसा में वीजा के नाम पर 35 लाख की ठगी

सिरसा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा निवासी सतपाल ने पुलिस को शिकायत देकर कहा है कि जखल के एक विज इमिग्रेशन संचालक हरपाल सिंह ने उसके बेटे व बहू को वर्क वीजा के बजाय टूरिस्ट वीजा देकर 35 लाख की ठगी कर ली। इस संबंध में जखल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सतपाल ने बताया कि उसका बेटा गुरजिंद्र जाखल में अमनप्रीत से विवाहित है। गुरजिंद्र का अपने साले पैरी खिप्पल के माध्यम से जाखल के एक वीजा इमिग्रेशन संचालक हरपाल से मुलाकात हुई। जिसने दोनों पति–पत्नी को कनाडा वर्क परमिट पर भेजने की बात कही, उन्होंने अपनी बेटी रबजोत को भी साथ ले जाने की बात कही। शिकायतकर्ता अनुसार आरोपियों ने पहले मना कर दिया, लेकिन बाद में कहा गया कि 35 लाख रुपए में यह संभव है। जिस पर उन्होंने फरवरी 2023 में पेमेंट कर दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्हें 10 मार्च 2023 को कनाडा भेजा गया, लेकिन वहां जाकर उन्हें पता चला कि उन्हें टूरिस्ट वीजा पर कनाडा भेजा गया है, जिससे उनके साथ धोखाधड़ी की गई।

केदारेश्वर महादेव में आस्था का सैलाब,गंगा जल से अभिषेक

पवित्र श्रावण मास में इटावा में केदारेश्वर महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। इटावा से हरिद्वार गए 101 कावड़ियों के जत्थे ने वापस लौट कर शिवशिला का गंगाजल से अभिषेक किया।

केदारेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण के दूसरे सोमवार को भोर से ही शिवशिला पर अभिषेक का सिलसिला चल पड़ा। पूजा अर्चना करने के लिए बड़ी तादाद में श्रद्धालु कतारबद्ध नजर आये।

महारानी अवंती बाई लोधी स्मृति संस्थान के बैनर तले इटावा से करीब 101 कावाड़िये हरिद्वार गंगा नदी से गंगा जल लेने गए थे। करीब 500 किमी की दूरी तय करके आज यह सभी कावड़िये इटावा लौट आए हैं, इटावा पहुंचने पर सभी कावड़ियों ने केदारेश्वर मंदिर में शिवशिला पर गंगा जल चढ़ाया ।

इससे पहले फर्रुखाबाद स्थित गंगा नदी के श्रृंगीरामपुर से कावड़ लेकर शिवभक्त आए है लेकिन यह पहला मौका है जब हरिद्वार से शिवभक्त कावड़ लेकर के

केदारेश्वर मंदिर पहुंचे हैं।

केदारेश्वर महादेव का यह मंदिर करीब से उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर का आभास कराता है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते समय 10 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर सड़क की तरफ मुंह किए काले रंग के नंदी की प्रतिमा मंदिर के आकर्षण को और अधिक बढ़ा रही है। इस मंदिर में भव्य शालिग्राम शिला नेपाल से लाकर स्थापित की गई है।

मंदिर का मुख्य भवन तो उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर की तरह है लेकिन पूरे परिसर की डिजाइन तंजौर के वृहदीश्वर मंदिर की प्रतिकृति होगी। मंदिर का निर्माण एक खास ग्रेनाइट पत्थर 'कृष्ण पुरुष शिला' से किया गया है जो पूरे केवल तमिलनाडु में कन्याकुमारी के पास ही मिलता है। दुनिया में सबसे मजबूत माने जाने वाले इन पत्थरों की आयु कम से कम तीन लाख वर्ष आंकी गयी है।

केदारेश्वर महादेव मंदिर में गर्भगृह का भवन यानी 'विमानम' भी दक्षिण भारतीय मंदिरों की तुलना में अधिक ऊंचा है। इस तरह यह दक्षिण और उत्तर की संस्कृति का मिलाजुला रूप पेश करता है। मंदिर के गर्भगृह भवन की ऊंचाई 74 फुट है। यह 10 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर स्थित है। इस प्रकार आधार जमीन से यह 84 फुट ऊंचा है जो उत्तराखंडके केदारनाथ मंदिर की 85 फुट की ऊंचाई से एक इंच कम है। उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए केदारेश्वर महादेव मंदिर की ऊंचाई अपेक्षाकृत कम रखी गई है।

केदारनाथ मंदिर की भांति केदारेश्वर मंदिर के शिखर पर 12 फुट ऊंचा लकड़ी का 'शिखरम' बनाया गया है। इस मंदिर के गर्भगृह की छत और 'विमानम' के बीच खोखला स्थान रखने के साथ छत पर एक छोटा छेद 'ब्रोंद्र होल' इस तरह रखा गया है कि गर्भगृह में बजने वाले शंख, घंटी और डमरू की गूंज पूरे परिसर में सुनाई दे।

कामिका एकादशी के दिन इन वस्तुओं से करें भगवान विष्णु की पूजा

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व है, और कामिका एकादशी इनमें से एक प्रमुख व्रत है। यह व्रत सावन माह के 11वें दिन पड़ता है। इस वर्ष यह व्रत 31 जुलाई, 2024 को मनाया जाएगा। कामिका एकादशी भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस दिन भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत का पालन करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

पूजा सामग्री

कामिका एकादशी की पूजा विधि में इन सामग्री का होता है उपयोग चौकी, पीला या लाल वस्त्र, ऋतु फल, दूध-दही, शहद, गोपी चंदन, हल्दी,फूल, लौंग, आम का पत्ता, नारियल और सुपारी, पान, धूप, दीप, दीया, घी, पीला चंदन, अक्षत, कुमकुम मिठाई, तुलसी दल, पंचमेवा, गंगाजल, शुद्ध जल, हवन कुंड, हवन सामग्री, एकादशी कथा की पुस्तक एवं देवी लक्ष्मी के शृंगार की सामग्री।

धार्मिक महत्व

कामिका एकादशी का हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। सावन माह में आने के कारण यह अत्यधिक फलदायी माना जाता है।

यह चतुर्मास के दौरान पड़ने वाली पहली एकादशी भी है, जो इसे और भी विशेष बनाती है। मान्यता है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ इस व्रत को रखते हैं, उन्हें अपने बुरे कर्मों से छुटकारा मिलता है और जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

व्रत का फल

कहा जाता है कि कामिका एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु के निवास स्थान वैकुंठ धाम में स्थान मिलता है और अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है। इसलिए भक्तों को यह व्रत पवित्रता और श्रद्धा से करना चाहिए।

विष्णु जी को भोग

भगवान विष्णु को पंचामृत और पंजीरी का भोग अर्पित किया जाता है। कामिका एकादशी का व्रत रखते समय भक्तों को संयम, नियम और पवित्रता का पालन करना चाहिए। इस व्रत के दौरान किए गए पुण्य कर्मों से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाते हैं।

सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत

जानें पूजा विधि, मुहूर्त और मंत्र जाप

वैसे तो सावन का महीन भागवान शिव को प्रिय है। इस दौरान श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना करने से व्यक्ति को भोलनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। सावन में सिर्फ शिवजी की नहीं बल्कि मां पार्वती की भी पूजा की जाती है। सावन महीन के हर मंगलवार को किए जाने वाला मंगलागौरी व्रत मां पार्वती को समर्पित हैं। मान्यता है कि यह व्रत महिलाएं आपने पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। सावन के दूसरे मंगला गौरी व्रत पर मां गौरी की विधिपूर्वक पूजा अर्चना और व्रत का पालन करने से अंखड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं कुवारी लड़कियां भी इस व्रत को करती हैं। कहा जाता है जो भी कुंवारी लड़की इस व्रत का पालन करती हैं, उसे मनचाहा वर मिलता है।

मंगला गौरी व्रत तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, सर्वार्थ सिद्धि योग 04 बजकर 41 मिनट से 10 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अमृत काल सुबह 08 बजकर 02 मिनट से 09 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। इसके बाद विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 43 मिनट से 03 बजकर 37 मिनट तक होगा। यह समय किसी भी शुभ कार्य के लिए बहुत ही बेहतर माना जाता है।

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि

मंगला गौरी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर साफ सुथरे वस्त्र धारण कर लें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें। पूजा घर और मंदिर की साफ साफाई कर लें। मां मंगला गौरी की पूजा करने के लिए महिलाएं लाला रंग के वस्त्र धारण करें। उसके बाद एक चौकी पर मां गौरी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। उसके बाद मां गौरी का ध्यान कर मां गौरी को आभूषण पहनाएं और श्रृंगार करें। मां गौरी के सामने घी का दीपक जलाए। उसके बाद मां गौरी के मंत्रों का जाप करें और कथा का पाठ करें। मां को खीर, मौसम के फलों का भोग लगाएं और अंत में माता की आरती उतारकर पूजा संपन्न करें। इसके बाद पूजा में हुई गलितियों के लिए मां पार्वती से क्षमा मांगे।

मंगाल गौरी पूजान मंत्र

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सवार्थ साधिके।
शरण्येत्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।
कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुज-गेन्द्रहारम्। सदा बसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं नमामि।।
ह्रीं मंगले गौरि विवाहबाधां नाशय स्वाहा।
ॐ गौरीशंकराय नमः

मंगला गौरी व्रत का महत्व

मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से महिलाएं रखती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी पार्वती ने इसी व्रत का पालन कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था और उन्हें पति के रूप में प्राप्त किया था। मंगला गौरी के व्रत से जीवन में खुशहाली और घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है। साथ ही संतान प्राप्ति का आशीर्वाद भी मिलता है। पूरे सावन मंगला गौरी की उपासना करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है।

अगस्त में भूलकर भी इन तिथियों पर न करें शुभ कार्य

वरना काम में आएगी बाधा

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस समय गुरु ग्रह वृषभ राशि में विराजमान हैं। भद्रा विष्टि करण में शुभ और मांगलिक कार्य करना वर्जित हैं। धार्मिक मत है कि भद्रा विष्टि करण के दौरान सगाई, विवाह, गृह प्रवेश और समेत आदि मांगलिक कार्य करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। ज्योतिष भद्रा विष्टि करण की अवधि के दौरान घर का निर्माण, शुभ यात्रा और कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करना अन्य शुभ कार्य स्थगित करनी की राय देते हैं। ऐसा माना है कि विष्टि करण में किए जाने वाले इन कार्यों में बाधा उत्पन्न होती है। शुभ कार्यो को करने से करने से जीवन पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। आइए, पंडित हर्षित शर्मा जी से अगस्त महीने में भद्रा विष्टि करण की तिथियां और समय जानते हैं।

विष्टि करण, अगस्त 2024

02 अगस्त को विष्टि करण समय दोपहर 03 बजकर 28 मिनट से 03 अगस्त को मध्य रात्रि 03 बजकर 38 मिनट तक है। इस दौरान भूलकर भी शुभ कार्य न करें।

08 अगस्त को विष्टि करण समय सुबह 11 बजकर 23 मिनट से 09 अगस्त रात्रि 12 बजकर 36 मिनट तक है। यह गणना अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार है।

इसके बाद 12 अगस्त को भद्रा विष्टि करण का योग है। 12 अगस्त को सुबह 07 बजकर 58 मिनट से मिनट से रात्रि 08 बजकर 48 मिनट तक है।

पंडित हर्षित शर्मा जी की मानें तो 15 अगस्त को भी भद्रा यानी विष्टि करण का साया है। 15 अगस्त को रात्रि के 10 बजकर 13 मिनट से 16 अगस्त की सुबह 09 बजकर 40 मिनट तक है।

दिन सोमवार, 19 अगस्त, रात्रि के 03 बजकर 08 से सोमवार, 19 अगस्त, समय दोपहर के 01 बजकर 38 मिनट तक। इसके बाद 19 अगस्त को भद्रा का अशुभ योग बन रहा है। 19 अगस्त को रात्रि के 03 बजकर 08 से 19 अगस्त की दोपहर के 01 बजकर 38 मिनट तक है।

भद्रा का साया 22 अगस्त को भी है। 22 मई को भद्रा योग रात्रि 03 बजकर 28 मिनट से शुरू होगा जो अगले दिन यानी 22 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगा। इस दिन भी शुभ कार्य न करें। इसके बाद 25 अगस्त को सुबह 05 बजकर 29 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 01 मिनट तक विष्टि करण का योग है।

अगस्त महीने में भद्रा विष्टि करण की अंतिम तिथि 28 अगस्त को है। इस दिन विष्टि करण का योग दोपहर 01 बजकर 19 मिनट से लेकर रात 01 बजकर 21 मिनट तक है।

एक ऐसी जगह जहां बहने लगता था गाय का दूध, खुदाई की तो निकला शिवलिंग

आज भी प्रकट होती हैं 3 देवियां!

भारत के जिस भी हिस्से में आप जाएंगे, आपको वहां कोई न कोई खास मंदिर दिख जाएगा। दिल्ली हो या मुंबई, आपको हर जगह अद्भुत मंदिर दिखेंगे। मुंबई के ऐसे ही एक अनोखे मंदिर की कहानी आज हम आपके लिए लेकर आए हैं, जिसका नाम है धकलेश्वर महादेव मंदिर। यह मंदिर मुंबई के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण 1835 में हुआ था। मंदिर में श्री महादेव की मूर्ति है। महाराष्ट्र और दुनिया भर से भक्त शांति और समृद्धि के लिए यहां आते हैं। साल 2008 में इस मंदिर को भक्तों के लिए खोला गया था।

जमीन के अंदर से निकला था शिवलिंग

बहुत समय पहले जब मुंबई का इतना विकास नहीं हुआ था। तब एक चरवाहा गाय चराने इस इलाके में आता था। एक जगह गाय का दूध अपने आप गिरने लगता था। गाय के मालिक को इस बात का पता चलने पर उसने इस जगह खुदाई करवाई। तब जमीन के अंदर से शिवलिंग निकला। सेठ दादा ढाक जी ने इस मंदिर का निर्माण करवाया।

हर दिन प्रकट होती हैं 3 देवियां

मंदिर की मान्यता कुछ ऐसी है कि यहां सिर्फ इंसान ही नहीं, बल्कि भगवान भी आते हैं। वो भी महादेव के दर्शन करने के लिए। रात्रि 12 बजे से 4 बजे के बीच तीन देविया महादेव का दर्शन करने आती हैं। इन देवियों में महालक्ष्मी, मां सरस्वती और महाकाली का नाम शामिल है। कई लोगों ने अपनी आंखों से इस घटना को होते हुए देखा भी है।

सारी मन्नत होती है पूरी

इस मंदिर में महादेव से मांगी हुई हर मन्नत पूरी होती है। तभी हर दिन दूर-दूर से लोग इस मंदिर में पूजा-पाठ के लिए पहुंचते हैं। धकलेश्वर महादेव मंदिर की कहानी और इतिहास लोगों को बहुत दिलचस्प करता है।

व्यापारियों की आस्था का केंद्र है ये 200 साल पुराना शिव मंदिर, पेड़ से प्रकट हुआ था शिवलिंग

कुमाऊं का प्रवेश द्वार हल्द्वानी आर्थिक राजधानी के रूप से भी जानी जाती है। कुमाऊं के कण-कण में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। कुमाऊं मंडल ऋषि-मुनियों की तपोस्थली भी रही है। हल्द्वानी में पिपलेश्वर मंदिर की बड़ी मान्यता है। इस मंदिर की अपने आप में एक अनोखी कहानी है। यहां आने वाला हर भक्त भोलेनाथ से अपनी मनोकामना मांगता है। माना जाता है कि भगवान शंकर अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी भी करते हैं।

हल्द्वानी शहर में पटेल चौक के पास भगवान शिव का पिपलेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यह मंदिर 200 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर के पास वट और पीपल का वृक्ष भी है, जिनकी आपस में शादी कराई गई। इस मंदिर पर भक्तों का अटूट विश्वास है और भक्त दूर-दूर से इस मंदिर पर आते हैं। पिपलेश्वर मंदिर में भगवान शिव के साथ-साथ भगवान शनिदेव, बजरंग बली और भैरव बाबा की मूर्ति भी स्थापित है।

क्या है मंदिर की मान्यता?

मान्यता है कि बाबा महादेव गिरी को भगवान शिव ने यहीं पर दर्शन दिए थे। 200 साल पुराना पीपल का पेड़ आज भी इस मंदिर का साक्ष्य है, जिस वजह से मंदिर को पिपलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि इसी पेड़ की जड़ से शिवलिंग की उत्पत्ति हुई थी। जिसके बाद से भक्तों ने इस शिवलिंग को चांदी की पतली चादर से ढक इसे मंदिर में स्थापित किया। बताया

जाता है कि बाबा महादेव गिरी ने पीपल के पेड़ के नीचे बरसों तपस्या की थी, जिसके बाद भगवान शंकर ने उन्हें स्वपन में आकर दर्शन दिए थे।

व्यापारियों की आस्था का केंद्र है ये मंदिर

इस मंदिर में भगवान शिव के साथ-साथ भगवान शनि और बजरंगबली और भैरव बाबा की मूर्ति भी स्थापित है। मंदिर शहर के मुख्य बाजार में होने के चलते इस मंदिर में व्यापारियों की बड़ी आस्था है। व्यापारी अपना काम शुरू करने से पहले भगवान शिव के मंदिर में माथा टेकने के साथ ही भगवान शिव को जलाभिषेक अवश्य करते हैं। सोमवार और शनिवार को इस मंदिर में श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ दिखाई देती है। कहा जाता है कि लोहे के कारोबार से जुड़ा व्यवसाय शुरू करने और नए वाहन खरीदने वालों लोग पहले मंदिर में पूजा जरूर करवाते हैं। शनिवार के दिन मंदिर में इनका तांता लगा रहता है। लोग यहां शनिदोष से मुक्ति के लिए भी आते हैं। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचते हैं।

पहली बार रख रहीं हैं हरियाली तीज व्रत

नवविवाहिताओं को इन खास बातों का रखना होगा ख्याल, जरूर पढ़ें व्रत कथा

श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय महीना है और इस महीने में आने वाले व्रत और पर्व का विशेष महत्व है। वैसे तो इस महीने में हर सोमवार को भोलेनाथ की आराधना की जाती है और मंगलवार के दिन माता पार्वती की। लोग इस दिन व्रत रखते हैं और शिव-पार्वती की भक्ति करते हैं। इसी प्रकार इस महीने में आने वाली हरियाली तीज व्रत को भी बेहद खास बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि, हरियाली तीज का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। वहीं सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए यह व्रत रखती हैं। लेकिन, इस व्रत के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जो आपको शुभ फल दे सकती हैं।

मेंहदी जरूर लगाएं

हरियाली तीज का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए खास माना गया है। इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और विधि विधान से पूजा करती हैं। इस पर्व पर मेंहदी का विशेष महत्व बताया गया है। यह नव विवाहित महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वैवाहिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक है।

हरे रंग के वस्त्र जरूर पहनें

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरियाली तीज का पर्व आता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इस पर्व के दौरान चारों ओर हरियाली नजर आती है और यह जीवन, उर्वरता, और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इस दिन नवविवाहित महिलाओं को हरे रंग की साड़ी जरूर पहनें।

सोलह श्रृंगार जरूर करें

आपको बता दें कि माता पार्वती को स्त्रीत्व और सुहाग की देवी माना जाता है और 16 श्रृंगार को उनका प्रतीक माना गया है। ऐसे में हरियाली तीज पर जब आप माता पार्वती की पूजा करती हैं तो 16 श्रृंगार करना ना भूलें। इससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

तीज व्रत कथा जरूर पढ़ें

यदि आप हरियाली तीज का व्रत रख रही हैं तो इस दिन विधि विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने के साथ ही तीज की कथा जरूर पढ़ें अथवा सुनें। इससे आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है।

कल्कि के बाद राज साब से धमाल मचाएंगे प्रभास

पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास अपनी हालिया ब्लॉकबस्टर कल्कि 2898 एडी की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। इसके अलावा उनकी अपकमिंग फिल्म राजा साब को लेकर भी काफी चर्चा है। इस ग्रैंड हॉरर एंटरटेनर ने हाल ही में अपने पोस्टर से फैंस को प्रभावित किया है, अब मेकर्स ने एक और नए पोस्टर के साथ मारुति द्वारा निर्देशित राजा साब के टीजर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। मेकर्स ने अनाउंस किया कि फिल्म की मोस्ट अवेटेड झलक 29 जुलाई को सामने आएगी।फैन इंडिया झलक टाइटल के साथ प्रभास की राजा साब का टीजर उनके फैंस के लिए एक गिफ्ट की तरह है। मेकर्स ने प्रभास को स्टाइलिश लुक में दिखाते हुए एक नया लुक पोस्टर भी रिलीज किया। पोस्टर में, वह एक मैरून जैकेट और धूप का चश्मा पहने हुए हैं, जो फूलों से सजी एक पुरानी कार की ओर झुके हुए हैं। पोस्टर पर लिखा है कि राजा साब की पहली झलक 29 जुलाई को शाम 5:03 बजे रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद ने किया है, जिसमें थमन एस ने म्यूजिक दिया है। इसमें शामिल प्रोडक्शन कंपनियां पीपल मीडिया फैक्ट्री और जीएसके मीडिया हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, वारे वारे वारे वारे वचेसादु राजा साब, जिस प्यारे लाडले को हम सभी प्यार करते हैं वह वापस आ रहे हैं, राजा साब कल शाम 5:03 बजे आएंगे।मारुति द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म एक हॉरर-कॉमेडी है जिसमें शानदार वीएफएक्स है। इस मजेदार फिल्म में प्रभास घनी दाढ़ी और लंबे बालों के साख अलग ही अंदाज में नजर आएंगे। प्रभास के अलावा इसमें मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल के लीड रोल प्ले करने की उम्मीद है। कई भाषाओं में आने वाली यह फिल्म 2025 की शुरुआत में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास फिलहाल कल्कि 2898 एडी की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। इसके अलावा प्रभास के पास निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन फिल्म स्पिरिट भी पाइपलाइन में है। फिल्म में एक्टर एक पुलिस वाले का रोल प्ले कर सकते हैं।

शर्लिन चोपड़ा ने ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में दिए पोज

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा को फॉलो करने वाले जानते हैं कि वो अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए कितनी फेमस हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो वायरल हो रहीं।एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ग्लैरमस एक्ट्रेस हैं और वो खुलकर बोलती हैं कि अगर इंडस्ट्री में टिकना है तो उन्हें ऐसा अंदाज रखना होगा। हाल ही में उनकी ब्लू ड्रेस वाली तस्वीरें आईं जिसे फैंस पसंद कर रहे हैं।40 वर्षीय एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक अंदाज और बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें देख फैंस आहें भरने लगते हैं।शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ब्लू रंग की वन पीस ड्रेस में शर्लिन बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उनके इसी अंदाज के तो फैंस दीवाने हैं।तस्वीरें शेयर करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने लिखा, उसकी आंखे खुद के शब्दाकोष बनाती हैं।।।सीखने के लिए कितनी सुंदर भाषा है।इसके साथ ही शर्लिन चोपड़ा ने अलग-अलग पोज में कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर फैंस के एक से बढ़कर एक कमेंट्स भी कर रहे हैं।इंस्टाग्राम पर शर्लिन चोपड़ा के 16 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। यहां शर्लिन अक्सर ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो शर्लिन चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। बाद में शर्लिन को बॉलीवुड फिल्मों में काम करने का मौका मिला।शर्लिन चोपड़ा ने अब तक कामसूत्रा, रेड स्वास्तिक, वजह तुम हो, नॉटी बॉय, टाइम पास, जवानी दीवानी, रकीब और गेम जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

विजय एंटनी की काव्यात्मक एक्शन फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

विजय मिल्टन द्वारा निर्देशित विजय एंटनी की अगली फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। कुछ दिन पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर में निर्माताओं ने कहा था कि फ़िल्म जुलाई में रिलीज़ होगी, लेकिन तारीख़ नहीं बताई। अब 2 अगस्त को रिलीज़ होने की पुष्टि हो गई है।कमल बोरा, डी। ललिता, बी। प्रदीप और पंकज बोरा इस फ़िल्म को इनफिनिटी फ़िल्म वेंचर्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह कंपनी इससे पहले राघवन और विजय एंटनी अभिनीत हथिया का निर्माण कर चुकी है। निर्देशक विजय मिल्टन काव्यात्मक एक्शन एंटरटेनर शैली में फ़िल्म तूफ़ान बना रहे हैं।

निर्माताओं ने घोषणा की है कि वे 2 अगस्त को दुनिया भर में फिल्म तूफ़ान को एक भव्य थिएटर रिलीज़ के लिए ला रहे हैं। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसने उस समाज का भविष्य बदल दिया जो उसे नीची नजर से देखता था। फिल्म एक द्वीप पर आधारित है, और इसकी शूटिंग अंडमान और दीव दमन में की गई थी।

फिल्म तूफ़ान से रिलीज़ हुए गानों और ट्रेलर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।फिल्म के कलाकारों में मेघा आकाश, दाली धनंजय, मुरली शर्मा, पृथ्वी अंबर, थलाइवासल विजय और सरन्या पोनवन्नन प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

निर्देशक विजय मिल्टन ने इस फिल्म में सिनेमैटोग्राफर के रूप में भी काम किया है। विजय एंटनी ने गाने लिखे हैं। विजय एंटनी को आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी रोमियो में देखा गया था, जिसमें उनके साथ मिरनालिनी रवि थीं, जिसे विनायक वैथियानाथन ने निर्देशित किया था।

महिला स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधानों में कमी पर अपूर्वा अरोड़ा ने जताई चिंता

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में दिखने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने महिलाओं के लिए उचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की है।पीसीओडी (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) से जूझने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद महिलाओं को समर्पित शोधों की कमी है।पीसीओडी एक हार्मोन से जुड़ी बीमारी है, जिसमें महिलाओं में सामान्य फर्टिलिटी साइकिल बाधित हो जाता है।एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए अपूर्वा ने कहा, (महिला शरीर के बारे में) समझ में यह कमी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर गलत असर डालता है। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, और अगर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल रही है, तो यह एक समाज के रूप में हमारी प्रगति पर सवाल उठाता है।एक्ट्रेस ने कहा, पारंपरिक रूप से, महिलाओं को अधिकार वाले पदों पर कम प्रतिनिधित्व दिया गया है और अक्सर उन्हें उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए मान्यता नहीं मिली है। स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक समानता हासिल करने और सभी की जरूरतें पूरी करने के लिए इन मुद्दों पर काम करना महत्वपूर्ण है, जो आम तौर पर छोटे कदम लगते हैं।हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी अपूर्वा ने यह भी बताया कि कैसे योग ने उन्हें पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है।उन्होंने कहा कि योग उनकी फिटनेस यात्रा में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कई तरह के व्यायाम आजमाए, लेकिन योग ही उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ है।उन्होंने कहा, योग ने मुझे पिछले कुछ साल में पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है और साथ ही पुरानी चोटों को ठीक करने में भी सहायक रहा है।

धनुष के जन्मदिन पर रिलीज हुआ कुबेर का नया पोस्टर

साउथ सुपरस्टार-डायरेक्टर धनुष 41 साल के हो गए है। इस खास मौके पर जहां उनके अपने और फैंस जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहीं, फिल्म इंडस्ट्री के लोग उनके तोहफे दे रहे हैं। हाल ही में कुबेर मेकर्स ने फिल्म से धनुष का नया पोस्टर जारी किया है और उन्हें बर्थडे विश किया है। इसके लिए मेकर्स ने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।रविवार को श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी प्रोडक्शन हाउस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर धनुष का नया पोस्टर जारी कर उन्हें बर्थडे विश किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, धनुष सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। शेखर कम्मुला के कुबेर में और भी बेहतरीन परफॉर्मेंस और यादगार पल देखने को मिलेंगे।कुबेर के नए पोस्टर में धनुष का

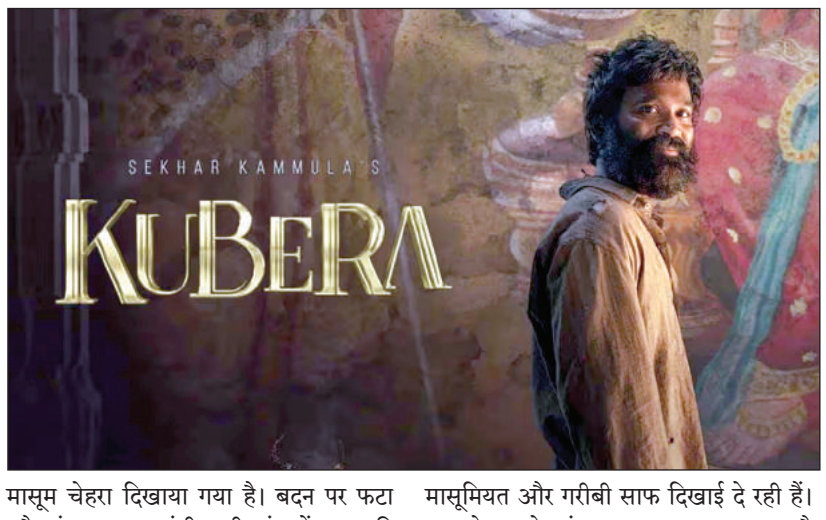

मासूम चेहरा दिखाया गया है। बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक ऐस पर्सनालिटी को रिप्रेजेंट करेंगे, जो अपनी गरीबी और समस्याओं से जूझ रहा है। धनुष का ये नया अवतार उनके फैंस का दिल छू गया है।इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक शेयर किया था। वीडियो में वह एक गड्ढे से एक बैग निकालती है, जो नोटो से भरा रहता है। रश्मिका का ये लुक फैंस को काफी पसंद आया है।कुबेर को डायरेक्ट शेखर कम्मुला ने किया है। इसमें नागार्जुन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। एसके की कुबेर श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस की निर्मित पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे तमिल, तेलुगु और हिंदी में एक साथ शूट किया जा रहा है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का सुरक्षित ठिकाना बना यूपी

रायबरेली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

सलोन में फर्जी प्रमाणपत्रों के बांग्लादेशी और रोहिंग्या कनेक्शन का मामला नया नहीं है। जिला पहले भी घुसपैठियों और आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना बना रहा। अब कानपुर और उन्नाव के रास्ते रोहिंग्या भी यहां आने लगे हैं। ऐसे में यहां की संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले ने रायबरेली को पूरे देश में चर्चा में ला दिया है। अभी तक की जांच में पता चला है कि पकड़ा गया सीएससी संचालक जीशान तो बस मोहरा मात्र है।

असल वजीर कोई और है, जिसकी शह पर सारा खेल हुआ है। भाजपा विधायक अशोक कुमार इसे आतंकी साजिश बता चुके हैं, वहीं हिंदू संगठन भी इसमें आतंकियों के शामिल होने का आरोप लगाकर रोष जता चुके हैं।

रायबरेली 90 के दशक में लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और डी-2 गैंग का सेफ जोन रहा है। 1992 में आतंकी अब्दुल करीम टुंडा रायबरेली आया था। इसी तरह हिजबुल मुजाहिदीन का एरिया कमांडर बिलाल अहमद भी रायबरेली के खिन्नी तल्ला में शरण ले चुका था। रायबरेली की खुफिया एजेंसी इस दौरान इन दोनों को नहीं ढूंढ़ सकी। उनके पनाहगार कौन थे? इस पर जिम्मेदारों ने चुप्पी साध ली। कभी कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई।

सलोन क्षेत्र हमेशा से संवेदनशील रहा है। कमजोर खुफिया तंत्र का फायदा उठाकर कानपुर से उन्नाव और सलोन में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर इमरान अंसारी सक्रिय रहा। किसी तरह से एटीएस ने उसे 2006 में पकड़ा, लेकिन इमरान को पनाह किसने दी? इसकी पड़ताल नहीं हो सकी। इसी तरह बछरावां डी-2 गैंग का सेंटर रहा है। जब मुंबई में डी-2 गैंग का असर कम हुआ तो कानपुर के डी-39 गैंग के सदस्यों ने यहां पैर जमा लिए। खुफिया विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी।

आतंकियों को लिए प्रदेश में कानपुर कमांड सेंटर सरीखा रहा है। कानपुर में नई सड़क, बेकनगंज, फेथफुलगंज, तलाकमोहाल, बजरिया, मूलगंज ऐसे इलाके हैं, जहां पर दाउद और टाइगर मेनन जैसे आंतकियों के कनेक्शन रहे हैं। 90 के दशक से ही कानपुर से दाउद के गुर्गों ने उन्नाव की ओर रुख किया और शुक्लागंज से कटरी के गांवों में पैठ बनाई। समय जैसे-जैसे बीता तो कानपुर का जाजमऊ घुसपैठियों का बड़ा सेंटर बना। राजनीतिक सरपरस्ती ने भी इनका काम आसान किया। जाजमऊ से शुक्लागंज होते हुए बांग्लादेशियों और रोहिंग्या ने उन्नाव शहर में भी अपने रिहाइश का इंतजाम कर लिया। 2021 में एसटीएफ ने रोहिंग्या की घुसपैठ की आशंका में उन्नाव नगर पालिका के दस्तावेजों को खंगाला, जिसमें अहम जानकारी हाथ लगी थी। उन्नाव के रास्ते खीरों होते हुए घुसपैठिए बिना किसी रोक के रायबरेली में पैर जमाने में लगे हैं। सलोन फर्जी प्रमाणपत्र प्रकरण भी इसी का एक हिस्सा है।

18 जुलाई को यूपी एटीएस ने जन सेवा केंद्र संचालक जीशान खान, सुहैल, रियाज खान और वीडीओ विजय बहादुर यादव से अलग-अलग पूछताछ की थी। सूत्रों के अनुसार इस दौरान एक बड़ नेटवर्क की जानकारी हाथ लगी है, जो बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को जगह-जगह बसाने में लगा है। कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, लखनऊ में भी इसी तरह का खेल चल रहा है। इसके बाद एटीएस बिहार, असम, कर्नाटक, केरल, मुंबई तक के तार जोड़ने में लगा है।

रायबरेली के एएसपी नवीन कुमार सिंह ने कहा, खुफिया तंत्र सक्रिय है। फर्जी प्रमाणपत्र मामले में पुलिस की जांच चल रही है। जिले की सीमाओं पर भी जांच होती है और साथ ही पुलिस घरों का सर्वे भी करती है। पूर्व डीजीपी बृजलाल ने इस बारे में कहा, फर्जी प्रमाणपत्र के मामले में एटीएस जांच कर रही है तो कई राज खुलकर सामने आएंगे। मैं एटीएस का फाउंडर रहा हूं तो मुझे मालूम है कि एटीएस इस तरह की घटनाओं का खुलासा पूरी जड़ से करती है। एटीएस अपना काम बखूबी करती है। समय लग सकता है। कारण जांच बड़े स्तर पर चलती है। घुसपैठ को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस को अपना नेटवर्क तेज करना होगा। इसके लिए खुफिया तंत्र बहुत सक्रिय होना चाहिए।

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को सर्टिफिकेट देता था जीशान

रायबरेली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के कई जिले रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिमों के पनाहगाह बन गए हैं। कानपुर के बाद उन्नाव एवं रायबरेली में रोहिंग्या मुस्लिमों को बसाने वाले तंत्र के खुलासे के बाद शासन-प्रशासन और खुफिया एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। करीब 20,000 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के मामले में गिरफ्तार जीशान और ग्राम विकास अधिकारी विकास यादव ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

यूपी एटीएस की जांच में अभी तक पता चला है कि पकड़ा गया सीएससी संचालक जीशान बस मोहरा है। इस पूरे खेल का असली सूत्रधार कोई और है। सूत्रधार के इशारे पर ही ये सारा खेल हुआ है। भाजपा के स्थानीय विधायक अशोक कुमार ने इसे आतंकी साजिश बताया है। 18 जुलाई को यूपी एटीएस ने जनसेवा केंद्र संचालक जीशान खान, सुहैल, रियाज खान और वीडीओ विजय यादव से अलग-अलग पूछताछ की थी। इस दौरान एटीएस को एक बड़े नेटवर्क की जानकारी मिली। यह नेटवर्क बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुस्लिमों को जगह-जगह बसाने में लगा हुआ है। कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, लखनऊ में भी इस तरह का खेल चल रहा है।

एटीएस इस मामले में बिहार, असम, कर्नाटक, केरल, मुंबई तक के तार जोड़ने में लगी हुई है। पुलिस को पता चला है कि इन लोगों को 20 हजार से अधिक बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाकर अलग-अलग जगहों पर बसाया है। रायबरेली का सलोन इलाका शुरू से ही संवेदनशील रहा है और यहां एक से बढ़कर एक आतंकी हुए हैं। उधर, सलोन के प्रखंड विकास अधिकारी ने कहा है कि फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले ग्राम विकास अधिकारी विजय यादव के खिलाफ ऋखठ दर्ज कराई गई है। इसके अलावा, यादव को निलंबित करके उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। विजय यादव की आईडी से दो साल में 20 हजार से अधिक जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

रायबरेली के पलाही गांव की कुल जनसंख्या 4500 है और यहां सिर्फ एक मुस्लिम परिवार है, लेकिन इस गांव के पते पर 819 मुस्लिमों के जन्म प्रमाण पत्र बना दिए गए।

जनप्रतिनिधियों के उठाए मसले तुरंत हल होंगे : सीएम योगी

मानसून सत्र के पहले विधान भवन में पत्रकारों से बोले सीएम

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मानसून सत्र प्रारंभ होने के पहले विधान भवन में पत्रकारों से वार्ता की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र आज से प्रारंभ हो रहा है। सभी विधायकों, विधान परिषद सदस्यों और विधान मंडल की कार्यवाही को सकुशल संपन्न करने में योगदान देने वाले सभी दलों से जुड़े हुए सहयोगियों तथा विधानसभा विधान परिषद सचिवालय से जुड़े हुए अफसरों का हृदय से स्वागत करता हूं। सीएम ने कहा कि मानसून सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी से अपेक्षा व आकांक्षा रखता हूं। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य जिन भी रचनात्मक मुद्दों को लेकर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे। प्रदेश के विकास और जनता-जनार्दन से जुड़ी उन हर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने फरवरी में ही अपना बजट पास किया था। प्रदेश की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पहला अनुपूरक मांग मानसून सत्र में सदन में प्रस्तुत होगा। उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हुआ है। उत्तर प्रदेश ने पिछले सात वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में जिन ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, वह अभूतपूर्व, अविस्मरणीय व अनुकरणीय है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी जनप्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले और उत्तर प्रदेश के विकास में सत्ता व विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों का योगदान मिल सके।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी सदस्य जिन भी रचनात्मक मुद्दों को लेकर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे। प्रदेश के विकास और जनता-जनार्दन से जुड़ी उन हर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्ध है। सीएम ने आग्रह किया कि सदन चर्चा-परिचर्चा का मंच बने। सरकार हर मुद्दों का पूरी तत्परता से जवाब देगी। सीएम ने माननीय सदस्यों से अपील की कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, विधायी कार्य सकुशल संपन्न हो सके। इसके लिए माननीय सदस्य से अपील करूंगा कि वे मानसून सत्र के सुचारू रूप से संपन्न करने में योगदान देंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह देवाधिदेव महादेव का पावन सावन मास है। बड़े पैमाने पर इस मास में शिवभक्त कार्यक्रम के साथ जुड़े हुए हैं। सावन मास में एक तरफ शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा तो दूसरी तरफ जनता-जनार्दन की सेवा के लिए हमारे जनप्रतिनिधि निरंतर प्रयत्नशील हैं। हमारे जनप्रतिनिधियों के द्वारा सदन के पटल पर जनता-जनार्दन और प्रदेश के विकास-समस्या को लेकर रखी गई बातों पर सरकार सकारात्मक बहस के लिए तैयार है। मुझे विश्वास है कि मानसून सत्र को प्रदेश के विकास, जनकल्याण से जुड़े अनुपूरक मांगों को सार्थक चर्चा का विषय बनाकर व्यवस्थित रूप से बढ़ाने में सभी अपना योगदान देंगे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, संसदीय कार्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और जसवंत सैनी भी मौजूद थे।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से राहत

गैंगस्टर मामले में मिली सजा रद्द

प्रयागराज, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कृष्णानंद हत्याकांड मामले में गैंगस्टर के तहत मिली सजा को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अफजाल अंसारी की अपील स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही गैंगस्टर मामले में विशेष कोर्ट की ओर से सुनाई गई चार साल की सजा रद्द हो गई है। अब अफजाल की संसद सदस्यता बरकरार रहेगी। यह फैसला न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की अदालत ने सुनाया।

गौरतलब है कि अफजाल अंसारी को गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने कृष्णानंद हत्याकांड के बाद लगाई शुरू हुए गैंगस्टर मामले में चार साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ अफजाल अंसारी ने सजा को रद्द करने और राज्य सरकार और कृष्णानंद राय के बेटे ने सजा बढ़ाने की अपील हाईकोर्ट में दाखिल की थी। इसके पहले अफजाल की अपील हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सजा को निलंबित करते हुए फिर से सुनवाई के लिए मामले को हाइकोर्ट वापस भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई सुनवाई के बाद अदालत ने चार जुलाई को फैसला सुरक्षित किया था। अफजल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल स्वरूप चतुर्वेदी, दयाशंकर मिश्रा और उपेंद्र उपाध्याय ने बहस करते हुए तर्क दिया था कि कृष्णानंद राय हत्याकांड के कारण शुरू हुए गैंगस्टर की कार्रवाई अवैधानिक है, क्योंकि अफजाल अंसारी कृष्णानंद राय हत्याकांड से बरी हो चुके हैं।

यूपी को पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स का हब बनाने की तैयारी

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर कर प्रदेश की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने तेजी से वन ट्रिलियन इकॉनमी बनने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के लिहाज से तेज प्रगति दर्ज की है। इसके पीछे कई कारण हैं, मगर जो सबसे बड़ा कारण है वह यह है कि प्रदेश में उद्योग, निवेश, पर्यटन व नागरिक सुविधाओं के विकास समेत ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सुधार किए गए हैं। इन सुधारों ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। एक ओर, प्रदेश में सौर व पवन ऊर्जा की परियोजनाओं को वृहद स्तर पर गति दी जा रही है, वहीं अब उत्तर प्रदेश को पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के हब के तौर पर प्रोजेक्ट करने और इसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश में पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (पीएसपी) के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी को जिम्मा सौंपा गया है। इन्वेस्ट यूपी में इस संबंध में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है और कार्यों को प्रगति देने के लिए उसके द्वारा कंसल्टेंसी फर्म के निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश को सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी के साथ ही अब पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (पीएसपी) के लिए भी हब बनाने पर फोकस किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है जिस पर कार्य शुरू कर दिया गया है। इस क्रम में, प्रदेश में निवेश की नोडल एजेंसी के तौर पर कार्यरत इन्वेस्ट यूपी अब कन्सलटेंसी फर्म के निर्धारण व कार्यावंटन के जरिए पीएसपी साइट्स की क्षमता, जरूरतें, विकास के मानकों का निर्धारण समेत विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में पीएसपी के लिए चार मंडल चिह्नित किए गए हैं जिसमें चित्रकूट धाम, झांसी, वाराणसी व विंध्याचल मंडल में इन प्रोजेक्ट्स की साइट्स की शॉर्टलिस्टिंग व इन से संबंधित प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इनमें से, सोनभद्र में 1200 मेगावॉट के पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट को पहले ही योगी सरकार की ओर से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।

पीएसपी योजना कई मायने में विशिष्ट है। यह तेजी से रैंपिंग क्षमता प्रदान करती है जो ऊर्जा उत्पादन में कमी को पूरा करने के लिए आवश्यक है। जब नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन अप्रत्याशित रूप से गिरता है और सौर व पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उत्पादन में कमी आती है, तब हाइड्रो इलेक्ट्रिक एनर्जी बेस्ड पीएसपी विकल्प के तौर पर ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकता है। वे इंट्रा-डे व इंटर-डे फर्मिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वह कम मांग की अवधि के दौरान ऊर्जा का भंडारण करते हैं और पीक अवधि के दौरान आपूर्ति करते हैं, जो ऊर्जा आपूर्ति और मांग में दैनिक और साप्ताहिक उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने में मदद करता है। पीएसपी बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण के माध्यम से ऊर्जा दक्षता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, उत्पादित बिजली के उपयोग को अनुकूलित करते हैं और समग्र दक्षता को बढ़ाते हैं।

प्रदेश में पीएसपी फ्रेमवर्क को बढ़ाने के लिए इन्वेस्ट यूपी द्वारा जिस कंसल्टेंसी एजेंसी का निर्धारण व कार्यावंटन होगा वह 500 मेगावाट से ज्यादा कैपेसिटी के प्रोजेक्ट्स को तरजीह देगी।

दोनों डिप्टी सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ

अटकलों और चर्चाओं पर फिरा पानी

केशव मौर्य ने कहा, धोखा है अखिलेश का पीडीए

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

आज से यूपी विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया। आज लंबे अरसे बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सत्र शुरू होने से पहले विधायक दल की बैठक में मंच पर अपने दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक के साथ नजर आए। यह मौका इसलिए खास था क्योंकि लंबे वक्त से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों ही डिप्टी सीएम योगी से अलग हैं और यूपी भाजपा में फूट हो गई है। लोकसभा चुनाव के बाद से जारी कयासों पर आज तीनों ने एक साथ आकर ब्रेक लगा दिया।

लंबे वक्त से अटकलें चल रही थीं कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को लगे झटके के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सीएम योगी के खिलाफ अंदरखाने मोर्चा खोले हुए थे और उन्होंने आलाकमान के सामने सीएम योगी को हटाने तक की मांग रखी थी। दूसरी ओर केशव प्रसाद मौर्य से लेकर बृजेश पाठक तक, दोनों ही सीएम योगी की कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंच रहे थे। यूपी की दस सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम योगी द्वारा गठित 30 मंत्रियों की टीम में दोनों ही डिप्टी का नाम शामिल नहीं था।

विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी के मुखिया और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला और कहा कि अखिलेश की असलियत जनता के सामने आ चुकी है और पीडीए एक बहुत बड़ा धोखा है। हम माता प्रसाद पांडे का सम्मान करते हैं और उन्हें नेता विपक्ष बनने की बधाई देते हैं लेकिन अखिलेश का असली चेहरा सामने आ गया है।

केशव प्रसाद मौर्य ने लोकसभा चुनाव परिणाम और भाजपा को हुए नुकसान को लेकर कहा कि अभी जो फीडबैक आ रहे हैं, उसमें पता चलता है सपा-कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में जनता को गुमराह करके वोट लिए हैं, उस वर्ग से आने वाले लोग बहुत मायूस हैं, क्योंकि उन्होंने बहुत ज्यादा सपने संजोए थे। इतना ही नहीं, केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश के चाचा और सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि चाचा भी सपने संजोए हुए थे और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मन में बहुत सी इच्छाएं लेकर बैठे हुए थे लेकिन अखिलेश यादव ने उन सभी की पीठ पर छुरा घोंप दिया है।

अहम बात यह है कि यूपी विधानसभा के इस मानसून सेशन में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव नहीं हैं, क्योंकि कन्नौज से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। अखिलेश ने सपा के दिग्गज नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रहे माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में नेता विपक्ष बनाया है, वहीं चीफ व्हिप का पद कमाल अख्तर को दिया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि माता प्रसाद पांडे क्या अखिलेश यादव की तरह ही सीएम योगी और उनकी सरकार पर हमलावर हो पाते हैं या नहीं।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को दी बधाई

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

विधानमंडल के मानसून सत्र प्रारंभ होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को बधाई दी। सीएम योगी ने पुष्प-गुच्छ देकर नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। सीएम ने विश्वास जताया कि मानसून सत्र के सकुशल संचालन में विपक्ष भी बहुमूल्य योगदान देगा। वहीं मुख्यमंत्री ने मानसून सत्र प्रारंभ होने के पूर्व विधान भवन स्थित नवनिर्मित समिति कक्ष का भी उद्घाटन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में माननीय अध्यक्ष सतीश महाना के दो वर्ष स्मारिका का विमोचन भी किया।

इन कार्यक्रमों के दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान परिषद के सभापति मानवेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मयंकेश्वर शरण सिंह, कांग्रेस विधायक अनुराधा मिश्रा मोना, सपा विधायक ओमप्रकाश सिंह, संग्राम सिंह यादव, जयकुमार सिंह जैकी, आकाश सक्सेना, प्रेमसागर पटेल आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट का ओलंपिक हिस्सा बनना सचमुच अभूतपूर्व : राहुल द्रविड़

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के खेल कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सराहना करते हुए इसे वास्तव में अभूतपूर्व बताया। द्रविड़ ड्रीम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा का हिस्सा थे, जिसका शीर्षक था ओलंपिक में क्रिकेट – एक नए युग की शुरुआत, जो चल रहे पेरिस ओलंपिक में पहली बार इंडिया हाउस में आयोजित किया गया था।

इंडिया हाउस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में द्रविड़ के हवाले से कहा गया, अगर आपको खेल से उतना ही प्यार है जितना मुझे है, तो आप ओलंपिक के साथ बड़े हुए हैं। मेरी सबसे पुरानी यादें कार्ल लुईस के ओलंपिक जीतने और भारत में टेलीविजन के आने से जुड़ी हैं। हम इन महान एथलीटों को खेलते और खेलते देखने के लिए टेलीविजन सेट से चिपके रहते थे। आप हमेशा एक महान आयोजन का हिस्सा बनना चाहते हैं। क्रिकेट में आपके पास शानदार आयोजन हैं, लेकिन वे व्यक्तिगत आयोजन हैं। इस तरह के माहौल, ऊर्जा और जोश में होना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। पैनल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ ज्योफ एलार्डिस और ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ हर्ष जैन भी शामिल थे।

एलार्डिस ने खेल को आगे बढ़ाने के आईसीसी के दृष्टिकोण के बारे में कहा, आप देख सकते हैं कि टी विश्व कप में यूएसए ने कैसा प्रदर्शन किया और अचानक से क्रिकेट के बारे में न जानने वाले लोग भी यूएसए टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करने लगे। 2028 में ओलंपिक की मेजबानी से पहले, यह पहला वास्तविक बयान था। ओलंपिक की मेजबानी से चार साल पहले यूएसए के पास वास्तव में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट टीम होना वास्तव में एक अच्छा कदम है।

दुनिया के आधे से ज़्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने को बहुत पहले से लंबित बताते हुए जैन ने कहा, आईसीस के 100 से ज़्यादा सदस्य हैं, इसलिए दुनिया के आधे से ज़्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं। यह दुनिया के लिए एक बड़ी जीत है कि एक अरब से ज़्यादा लोग ओलंपिक देखेंगे। यह भारत और क्रिकेट के लिए एक बड़ा क्षण है। यह दुनिया में क्रिकेट के विकास के लिए एक बड़ा क्षण है। जमीनी स्तर पर क्रिकेट को शामिल करने के लिए बहुत ज़्यादा धन खर्च किया जाएगा।

द्रविड़ ने अमेरिका में खेल के प्रति जुनून पर भी बात की और कहा कि वहां इस खेल के प्रति जबरदस्त जुनून है।

अमेरिका में क्रिकेट के प्रति लोगों में अभूतपूर्व जुनून है

भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, हमें पता है कि अमेरिका में क्रिकेट के लिए अविश्वसनीय दर्शक हैं। हम यह सिर्फ अमेरिका से विश्व कप के अन्य आयोजनों में आने वाले लोगों की संख्या से जानते हैं। अमेरिका में इस खेल के लिए बहुत जुनून है। खेल को बढ़ावा देना और अधिक लोगों का खेल खेलना अभूतपूर्व है।

यह वास्तव में अभूतपूर्व है

खुद को खेल प्रशंसक बताने वाले द्रविड़ ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक शानदार खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक : महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में 7वें स्थान पर रहीं रमिता जिंदल

पेरिस। भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल सोमवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं। वह एलिमिनेशन के लिए फ्रांस की ओसेन मुलर के साथ शूट-ऑफ में शामिल थीं और 10.5 अंकों के साथ बाहर हो गईं, जबकि फ्रांसीसी शूटर 10.8 अंक ही बना पाईं। फाइनल के बाद भारतीय शूटर का कुल स्कोर 145.3 रहा। रमिता पहले नौ शॉट के बाद तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन 10वें शॉट में वह मात्र 9.7 अंक ही बना पाईं, जिससे वह सातवें स्थान पर खिसक गईं। लेकिन उन्होंने 10.4 और 10.5 के शॉट के साथ पहले एलिमिनेशन को टालने के लिए घबराहट से लड़ाई लड़ी। अगले कुछ शॉट में, उन्होंने 10.2 के समान स्कोर बनाए और मुलर के साथ बराबरी पर रहीं, लेकिन बाद में शूट-ऑफ में मुलर ने जीत हासिल की। वहीं दूसरी तरफ अर्जुन बाबूता सोमवार को पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर पुरुष एयर राइफल स्पर्धा में पोडियम स्थान के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक टेबल टेनिस : राउंड ऑफ 64 मैच में हारे हरमीत देसाई

पेरिस। भारतीय पैडलर हरमीत देसाई को रविवार रात पेरिस ओलंपिक में टेबल टेनिस पुरुष एकल के 64वें राउंड के मैच में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हरमीत देसाई को फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ़ 11-8, 11-8, 11-6, 11-8 से हार का सामना करना पड़ा। लेब्रन ने पहले सेट से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और मैच को सिर्फ़ 28 मिनट में ही समाप्त कर दिया। 31 वर्षीय भारतीय पैडलर ने शनिवार को प्रारंभिक दौर में जॉर्डन के जैद अबो यमन को सीधे गेम में हराकर पेरिस 2024 के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। लेकिन टेबल टेनिस पुरुष एकल स्पर्धा में आगे बढ़ने में असफल रहे। इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता, जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने चल रहे मेगा इवेंट में 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

बोपन्ना-बालाजी की जोड़ी पहले ही दौर में हारकर हुई बाहर

पेरिस। रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी रविवार देर रात पेरिस ओलंपिक में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर के मैच में हारकर बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर-वेसलिन के खिलाफ सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह खेल 1 घंटे 16 मिनट तक चला। फ्रांसीसी जोड़ी ने अपने तीन ब्रेक-पॉइंट मौकों में से दो को भुनाया, जिससे उन्हें पहला सेट जीतने में मदद मिली। इस बीच, बोपन्ना-बालाजी ने 15 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे वे मैच पर नियंत्रण नहीं बना पाए। दूसरे सेट में फ्रांसीसी जोड़ी ने चौथे और आठवें गेम में बोपन्ना-बालाजी की सर्विस तोड़कर सीधे जीत हासिल की। इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर चल रहे मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया।

चिराग-सात्विक क्वार्टरफाइनल में, लक्ष्य ने भी जीत दर्ज की

पेरिस 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 बैडमिंटन स्पर्धा में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को हराया।

चिराग-सात्विकसाईराज की जोड़ी का मुकाबला जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल से होना था। लैम्सफस चोट के कारण इस जोड़ी को ओलंपिक से हटना पड़ा, जिसके कारण मैच रद्द हो गया। दुनिया की तीसरे नंबर की चिराग-सात्विक की जोड़ी ने अपने पेरिस 2024 अभियान की शुरुआत 40वीं रैंकिंग वाले फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबर को 21-17, 21-14 से हराकर की थी। वहीं, कोरवी और लाबर को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान से हार मिली। फ्रांसीसी जोड़ी के दो मैच हारने के कारण भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में आराम से जगह बना ली। सात्विक-चिराग का अगला ग्रुप सी मुकाबला मंगलवार को इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा।

इसके अलावा भारत के लक्ष्य सेन ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल मुकाबले में जीत दर्ज की। सेन ने ला चैपल एरिना में 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-14 से जीत हासिल की। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी इस मुकाबले में 52वीं रैंक के प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी रहे और बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को शिकस्त दी।

सेन बुधवार को अपने एल ग्रुप मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त 26 वर्षीय जोनाटन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। अगर सेन अपने इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करते हैं तो वह ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच जायेंगे।

वहीं बैडमिंटन महिला युगल ग्रुप सी मुकाबले में भारत की तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू ने 21-11, 21-12 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी ने क्रास्टो-पोनप्पा को 48 मिनट में हरा दिया।

भारतीय जोड़ी को शनिवार को दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग से सामना करना पड़ा था। क्रास्टो-पोनप्पा मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मैच में ऑस्ट्रेलिया के सेत्याना मापसा और एंजेला यू से मुकाबला करेंगी।

हरमनप्रीत के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की बदौलत भारत ने अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 59वें मिनट में किये गए गोल की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां यवेस-डू-मानोइर स्टेडियम में पूल बी के मैच में अर्जेंटीना को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। लुकास मार्टिनेज (22%) ने शुरुआत में ही अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच 3-2 से जीतने के आत्मविश्वास के साथ मैच में उतरते हुए भारत ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया, जिसमें युवा भारतीय फॉरवर्ड ने जोरदार हमला किया, लेकिन अर्जेंटीना की गतिरोध को तोड़ना एक संघर्ष था। इस बीच, अर्जेंटीना, जिसने अपना पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया से 0-1 से गंवाया था, शुरुआती हूटर से ही भारत को दबाव में रखने के लिए अधिक दृढ़ संकल्पित दिख रहा था। पहला क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद, भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत 19वें मिनट में लगातार पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) हासिल कर की, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंटियागो ने भारत के कप्तान को गोल करने से रोके रखा। मैच के 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने डिफेंडर हरमनप्रीत को चकमा देते हुए सर्कल में जगह बनाते हुए गोलकीपर श्रीजेश को छकाकर बेहतरीन गोल किया और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने इस क्वार्टर में बराबरी करने के लिए कुछ संभावित प्रयास किए, लेकिन अर्जेंटीना की बैकलाइन पूरे समय दृढ़ रही। पहले हॉफ की समाप्ति पर अर्जेंटीना की टीम 1-0 से आगे रही। हॉफ टाइम के बाद भी भारत का संघर्ष जारी रहा, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। अंतिम क्वार्टर पूरी तरह से नाटकीय था, फिर भी भारत के लिए तनावपूर्ण था क्योंकि भारतीय टीम अभी भी बराबरी करने की कोशिश में थी, लेकिन अर्जेंटीना के डिफेंस को वे भेद नहीं पा रहे थे। अंतिम कुछ क्षण काफी रोमांचक रहे क्योंकि भारत ने पीसी की झड़ी लगा दी और आखिरकार आखिरी समय में बढ़त बनाने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन किया और शक्तिशाली ड्रैग के साथ गोलकीपर सैंटियागो को छकाते हुए शानदार गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी दिला दी। आखिरी में किए गए इस गोल ने स्टैंड में मौजूद भारतीय प्रशंसकों के बीच जश्न का माहौल बना दिया। भारतीय टीम अपने अगले मैच में मंगलवार, 30 जुलाई को आयरलैंड से भिड़ेगी।

नडाल और जोकोविच का होगा आमना-सामना, 2022 के बाद पहली बार एक दूसरे के सामने होंगे

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

स्पेन के स्टार राफेल नडाल और 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच का पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल वर्ग में सामना होगा। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 2022 के बाद पहली बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। स्पेनिश स्टार राफेल नडाल ने अंतिम मिनट में एकल में खेलने का फैसला करते हुए रविवार को पहले दौर के मैच में मार्टन फुकसोविक्स पर जीत दर्ज की।

नडाल ने यहां 14 बार रोलां गैरों की लाल बजरी पर रिकॉर्ड फ्रेंच ओपन खिताब जीते हैं। उन्होंने फुकसोविक्स पर 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। नडाल का दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाकर स्वागत किया जिनमें से कई ने अपने फोन के कैमरे से उस पल को कैद किया जब वह कोर्ट फिलिप चैटियर में पहुंचे। नडाल और अल्कारेज की जोड़ी ने युगल के पहले दौर में शनिवार को अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी को 7-6, 6-4 से मात दी थी। और साढ़े 18 घंटे बाद नडाल फिर से एकल खेलने कोर्ट पर थे जिसमें खेलने को लेकर पहले स्पष्टता नहीं थी।

नडाल और जोकोविच पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा समय के दिग्गज खिलाड़ी हैं। इन दोनों के नाम ओपन एरा में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के रिकॉर्ड दर्ज हैं। हालांकि, जोकोविच सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने के मामले में नडाल से आगे चल रहे हैं, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी को लाल बजरी का बादशाह कहा जाता है इसलिए इस सतह पर नडाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। नडाल की तुलना में जोकोविच ने पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा मैच खेले हैं। जोकोविच ओलंपिक से पहले फ्रेंच ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें अल्कारेज से हार का सामना करना पड़ा था। नडाल और जोकोविच के बीच पिछली बार 2022 में रोलां गैरों के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला खेला गया था जिसमें नडाल ने चार सेटों में जीत दर्ज की थी। जोकोविच और नडाल के फिलहाल जीत हार का रिकॉर्ड 30-29 का है और सर्बियाई खिलाड़ी मौजूदा समय में नडाल से आगे हैं।

नडाल ने कहा कि जोकोविच इस मैच में दावेदार हैं। उन्होंने कहा, %हम दोनों के लिए स्थिति पूरी तरह अलग है। जोकोविच काफी प्रतिस्पर्धी हैं और पिछले दो साल से मैं इतना प्रतिस्पर्धी नहीं हूं। इसलिए जोकोविच इस मैच को जीतने के बड़े दावेदार हैं। जोकोविच ने कहा कि नडाल हमेशा से उनके करियर में सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी रह हे हैं। उन्होंने कहा, जब तक हम दोनों खेल रहे हैं, नडाल मेरे सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी हैं।

अगली आईसीसी बैठक की मेजबानी करेगा बांग्लादेश : नजमुल

ढाका, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा कि बांग्लादेश अगली आईसीसी बोर्ड बैठक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और साथ ही खेल की शासी संस्था के चुनाव होने की भी संभावना है।

ग्रेग बार्कले आईसीसी के वर्तमान अध्यक्ष हैं। नवंबर 2022 में, बार्कले को सर्वसम्मति से दूसरे दो साल के कार्यकाल के लिए आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, जो इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है।

नजमुल ने सचिवालय में एक अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संवाददाताओं से कहा, यह पुष्टि हो गई है कि अगली आईसीसी बोर्ड बैठक ढाका में होगी। संभवत: आईसीसी चुनाव भी यहीं होंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आईसीसी चुनाव यहीं होंगे क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष की यह आखिरी बोर्ड बैठक होगी। हमें इस समय तक अपना चुनाव जनादेश देने की उम्मीद है। नजमुल ने आगे बताया कि आईसीसी देश में अशांति को लेकर चिंतित है, लेकिन आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में उनकी मौजूदगी ने शासी निकाय को आश्वस्त किया है कि बांग्लादेश आगामी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी की योजना पर काम कर रहा है।

इससे पहले, बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी और बीसीबी महिला विंग के अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी नाडेल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की थी। ऐसी खबरें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सदस्य बांग्लादेश में स्थिति पर नजर रख रहे हैं, जहां सरकार को सड़कों पर लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य के मामलों को नियंत्रित करने के लिए पिछले सप्ताह आपातकाल लगाना पड़ा था, जिसे अभी तक हटाया नहीं गया है। नजमुल ने इसे पूरी तरह से नकारा नहीं, लेकिन जोर देकर कहा कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि आश्वस्त थे कि श्रीलंका में आईसीसी की बैठक में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट को तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जा सकता है। नजमुल ने कहा, जब मैं वहां गया था, तो देश की स्थिति बहुत खराब थी और बांग्लादेश के साथ बाहर से कोई संवाद नहीं था और उन्हें जो खबरें मिल रही थीं, उससे वे काफी डरे हुए थे। लेकिन मुझे देखने के बाद उन्होंने कहा कि कम से कम उन्हें यकीन है कि देश में सब कुछ ठीक है। इसके बाद इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई और वे बस यही जानना चाहते थे कि क्या हुआ था। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात महिला विश्व कप है जिसकी मेजबानी हम यहां करेंगे।

टी-20 प्रारूप में 2025 के पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 29 जुलाई।

भारत अगले साल टी-20 प्रारूप में पुरुषों के एशिया कप की मेजबानी करेगा, जबकि यह टूर्नामेंट 2027 में बांग्लादेश में 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी प्रायोजन अधिकार दस्तावेज़ के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण के अनुसार, कुल 13 मैच टूर्नामेंट में होंगे जिसमें छह टीमें - भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान भाग लेंगी और छठी टीम क्वालीफाइंग इवेंट के ज़रिए चुनी जाएगी।

हालांकि तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया है कि देश में मानसून का मौसम खत्म होने के बाद सितंबर में इसे आयोजित किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) 2023-27 के अनुसार, भारत का अगले साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है, क्योंकि जनवरी-फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज होगी, उसके बाद फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी होगी।

आईपीएल खत्म होने के बाद, टीम जून से अगस्त तक इंग्लैंड का दौरा करेगी और फिर तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए बांग्लादेश जाएगी। इसलिए, एशिया कप बांग्लादेश सीरीज के बाद और अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले आयोजित होने की उम्मीद है। हालांकि, बीसीसीआई के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि संभावित स्थलों के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि 2026 में कोई पुरुष एशियाई टूर्नामेंट नहीं होगा, उस साल महिला एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा, उसके बाद पुरुषों का अंडर-19 और इमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट होगा।

पिछले साल, एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर कुछ मैचों की मेजबानी की थी, जबकि भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर खिताब जीता था।

भारतीय खिलाड़ी को इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिली बड़ी उपलब्धि

1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बने यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस कैलेंडर वर्ष में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

जायसवाल ने पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी 20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। बारिश से प्रभावित मैच में 8 ओवर में 78 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, जायसवाल ने सिर्फ 15 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 30 रनों की तेज पारी खेली। उनके रन 200.00 के स्ट्राइक रेट से आए।

94.54 की स्ट्राइक रेट से बनाए रन

इस साल सिर्फ 13 मैचों में, जायसवाल ने 63.93 की औसत और 94.54 की स्ट्राइक रेट से 1,023 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है। विशेष रूप से, ये सभी टेस्ट और टी-20 में उनके प्रदर्शन से आए हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक अपना वनडे डेब्यू नहीं किया है।

कुसल मेंडिस दूसरे नंबर पर

दूसरे नंबर पर, श्रीलंकाई खिलाड़ी कुसल मेंडिस (26 मैचों में 888 रन, छह अर्द्धशतक के साथ) और तीसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (25 मैचों में 844 रन, एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ) हैं।

इस साल छह टेस्ट मैचों में जायसवाल ने 11 पारियों के बाद 74.00 की औसत से 740 रन बनाए हैं। इसमें दो दोहरे शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है। सात टी20आई में उन्होंने 47.16 की औसत से 283 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और 175.77 की स्ट्राइक रेट शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77* है।

मैच की बात करें तो भारत ने श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। कुसल परेरा (34 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 53 रन), पथुम निसांका (24 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 32 रन) की शानदार पारियों और उनकी 64 रन की साझेदारी ने श्रीलंका को शानदार शुरुआत दिलाई। परेरा और कामिंदु मेंडिस (23 गेंदों में 26 रन, चार चौके) के बीच एक और 50 रन की साझेदारी के बाद, टीम इंडिया ने दबदबा बनाना शुरू किया और 130/2 की शानदार स्थिति से श्रीलंका को 20 ओवरों में 161/9 पर रोक दिया।

जीत में जायसवाल का अहम योगदान

भारत के लिए रवि बिश्नोई (3/26) ने बेहतरीन गेंदबाजी की। हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को दो-दो विकेट मिले। बारिश के बाद तय की गई नई खेल परिस्थितियों में आठ ओवरों में 78 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, जायसवाल (30), कप्तान सूर्यकुमार यादव (12 गेंदों में 26 रन, चार चौके और एक छक्का) और हार्दिक पांड्या (नौ गेंदों में 22* रन, तीन चौके और एक छक्का) ने भारत को नौ गेंद शेष रहते तीन विकेट से जीत दिलाई। बिश्नोई को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

संपादकीय

कोर्ट ने प्रवेश कार्यक्रम को दी प्राथमिकता

नीट परीक्षाओं को लेकर देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर-तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं। प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी-नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी। हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं। बहरहाल, हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है। हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। निस्संदेह, गाहे-बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं। भारत एक युवाओं का देश है। ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए। निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए। बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया। जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है। कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी। साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा। निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुनः परीक्षा देने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है।

रक्षा के साथ रोजगार की चुनौतियां साधता रक्षा-बजट

भारत के लिए सर्वाधिक आवश्यक है ताकतवर सेना

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

यह बात किसी से छुपी नहीं है कि हमारे बाएं कंधे पर बैठा चीन और दाएं कंधे पर बैठा है पाकिस्तान। दोनों भारत के परम शत्रु हैं और दोनों ने आपस में हाथ मिला रखा है जो लगातार भारत को घाव देते रहे हैं। यह भी सही है कि पिछले कई दशकों में चीन लगातार आर्थिक और सामरिक तौर पर शक्तिशाली होता गया है, जिसके कारण आज वह अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी चुनौती देने लगा है। चीन एक ऐसा देश है जिस पर कभी भी भरोसा नहीं किया जा सकता। मुंह में राम, बगल में छुरी वाली कहावत उस पर सटीक बैठती है। 1962 में हिंदी चीनी भाई-भाई करते हुए उसने भारत पर हमला किया और भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया था। पिछले दिनों गलवान घाटी में हुई झड़प और उसकी हरकतें भारत को ही नहीं आसपास के सभी देशों के लिए चिंताजनक हैं। ऐसी स्थिति में भारत की रक्षा चुनौतियों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

लेकिन यदि हम थोड़ा पीछे मुड़कर देखें तो हम पाते हैं कि मोदी शासन के पहले की कई सरकारों द्वारा रक्षा चुनौतियों को गंभीरता से नहीं लिया गया। आर्थिक स्थिति और पर्याप्त फंड का अभाव बताकर सेनाओं के लिए उनकी आवश्यकता के अनुरूप अस्त्र-शस्त्र नहीं खरीदे गए। इसलिए भारत को पड़ोस से मिलने वाली रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुत अधिक खर्च करने की आवश्यकता है। हमें पहले की कमजोरी को भी दूर करना है और नई चुनौतियों की अनुरूप भी स्वयं को तैयार करना है। सीमाओं पर सड़क सुरंग और फूलों का भी जाल बिछाना है ताकि युद्ध के समय सेनाएं तेजी से सीमाओं पर पहुंचकर दुश्मन का मुकाबला कर सकें र उन्हें रसद तथा गोला-बारूद पहुंचाया जा सके।। कहना न होगा कि पिछले 10 वर्षों में इस पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है और अब उत्तर पूर्व में दूर-दूर तक न केवल ऊंचाई और पहाड़ों तक सड़कें पहुंच गई हैं बल्कि रेल भी पहुंच गई है। सीमा पर जल्द पहुंचने के लिए कई लंबी सुरंगें और पुल भी बनाए गए हैं। ऊंचे पहाड़ों पर टैंक, युद्धक विमान व मिसाइलें आदि भी तैनात की गई हैं।

अगर 2013-14 के बाद के बजट को देखा जाए तो उसमें लगातार रक्षा बजट को प्राथमिकता देते हुए बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय सेनाओं के लिए अस्त्र-शस्त्र खरीदे गए हैं। जिसकी चलती भारत विश्व का अस्त्र-शस्त्र का सबसे बड़ा आयातक बन गया। यह भी सही है कि केवल आयात के भरोसे कोई देश रक्षा क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए भारत द्वारा पिछले कुछ वर्षों में आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत भारतीय रक्षा उद्योग को तेजी से आगे बढ़ाया गया है। इसका परिणाम यह है कि भारत में न केवल अत्यधिक युद्धपोत और पनडुब्बियां तैयार की जाने लगी है बल्कि विक्रांत जैसे विमानवाहक युद्धपोत भी भारत में बनने लगे है। तेजस जैसे युद्धक विमान बनाकर उनके निर्यात करने की भी शुरुआत हो चुकी है। आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत निजी क्षेत्र के पूंजी निवेश को जोड़ते हुए रक्षा क्षेत्र में उत्पादन पर जोर देते हुए इसे तेजी से आगे बढ़ाया गया है। भारत द्वारा न केवल तेजस विमान बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल का भी निर्यात किया जाने लगा है, जिसकी मांग दुनिया में लगातार बढ़ रही है। इसका परिणाम है कि भारत की पहचान अब उभरती हुई महाशक्ति के रूप में होने लगी है।

रक्षा बजट की बात करें तो वर्ष 2012-13 में रक्षा बजट जो पहले से ही काफी कम था, उसमें भी कटौती की गई। जैसा कि संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2012-13 से पता चलता है, भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में दशक के निचले स्तर पांच प्रतिशत (2010-11 में 9.3 प्रतिशत के शिखर से नीचे) की दर से बढ़ने की उम्मीद थी, जो आने वाले वित्त वर्ष में 6.1 से 6.7 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना थी। इस विकास दर पर, सरकार की राजस्व प्राप्तियां भारी दबाव में आ गई थीं, जिससे उसे अपने पर्स को कड़ा करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बढ़ते राजकोषीय घाटे के कारण रेटिंग एजेंसियां भारत को कबाड़ की स्थिति में डालने के लिए इच्छुक थीं। डाउनग्रेड का डर इतना गहरा था कि वित्त मंत्री ने न केवल राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.2 प्रतिशत पर सीमित रखने के लिए चालू वर्ष के व्यय में कमी की। जैसा कि आंकड़े दिखाते हैं, रक्षा बजट ने संभवतः उचित से अधिक बोझ उठाया। दूसरे शब्दों में, रक्षा बजट को न केवल बड़े राजकोषीय घाटे के हित में, बल्कि अन्य सरकारी व्यय मदों के अपेक्षाकृत बड़े हिस्से को समायोजित करने के लिए कठोरता से नियंत्रित किया गया।

यद्यपि रक्षा बजट 2013-14 में मामूली 5.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई, फिर भी वृद्धि दर 2012-13 के संशोधित अनुमान से 14.1 प्रतिशत अधिक थी। इन वृद्धि दरों में अंतर 2012-13 के बजट से 14,903.8 करोड़ रुपए (या 7.7 प्रतिशत) की कटौती के कारण था। कुल कटौती में से 67 प्रतिशत पूंजीगत व्यय के लिए था, जिसे मूल आवंटन से 10,000 करोड़ रुपए (12.6 प्रतिशत) कम किया गया था। पूंजीगत व्यय में कुल कटौती का लगभग 87 प्रतिशत आधुनिकीकरण बजट के सामान्यतः ज्ञात कम-खर्च के कारण था, जिसे 8,663.2 करोड़ रुपए (13 प्रतिशत) घटाकर 57,796.3 करोड़ रुपए कर दिया गया था। जिसके आधुनिकीकरण बजट में 10,000 करोड़ रुपए की कटौती की गई है। 6,500 करोड़ (26.9 प्रतिशत) से 17,651.5 करोड़ रुपए तक की कटौती की गई, इसके अलावा राजस्व व्यय में 4,903.8 करोड़ रुपए (4.3 प्रतिशत) की कटौती की गई। इस कटौती का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा सशस्त्र बलों के वेतन और भत्तों में कटौती के कारण था। वर्ष 2013-14 के बजट में मामूली वृद्धि करते हुए रक्षा बजट 203672.1 करोड़ रुपए यानी 37.4 बिलियन डॉलर रखा गया था।

इसके बाद 2014 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सत्ता में आई तो रक्षा तैयारी पर विशेष ध्यान दिया गया और बजट में वृद्धि करते हुए सेनाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए रक्षा पर पहले के मुकाबले अधिक खर्च होने लगा। वर्ष 2013-14 की बजट में रक्षा के लिए आवंटित 203672 .1 करोड़ रुपए के मुकाबले अगले वर्ष यानी 2014-15 में सरकार द्वारा 317207 करोड़ रुपए खर्च किए गए। 2015-16 में इस बढ़ते हुए 327 096 करोड़ रुपए खर्च किए गए। 2016-17 में यह राशि बढ़ाकर 389 614 करोड़ 2017- 18 में 4017242 करोड़ रुपए, 2018 - 19 में 442683 करोड़ रुपए, 2019-20 में 488795 करोड़ रुपए, 2020-21 में 523330 करोड़ रुपए, 2021-22 में 535008 करोड़ रुपए, 2023-24 में 5935537.94 करोड़ रुपए और इस वर्ष यानी 2024- 25 के बजट में यह राशि बढ़ाकर 620000 करोड़ रुपए कर दी गई है। इस प्रकार हम पाते हैं कि जहां वर्ष 2013-14 में रक्षा बजट 37.4 बिलियन डॉलर था, वही यह 2024 25 में बढ़कर लगभग 75 बिलियन डॉलर हो गया है। जो कि तब के मुकाबले लगभग दोगुना है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि मोदी सरकार द्वारा रक्षा चुनौतियों को किस प्रकार से गंभीरता से लेते हुए निरंतर बजट को बढ़ाया गया है और बड़े पैमाने पर सेना की आवश्यकता को ध्यान में रहकर तमाम तरह के विमान, युद्धपोत तथा सुरक्षा प्रणाली आदि को आयात करने पर बहुत बड़ा खर्च किया गया। वहीं आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत निजी क्षेत्र के सहयोग से भारत में बड़े पैमाने पर रक्षा निर्माण एवं उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया गया है, जिससे न केवल निर्यात बढ़ा बल्कि हमारी विदेश विदेश से आयात पर निर्भरता भी कम हो।

जैसे की मैंने ऊपर बताया कि इस बार के बजट में रक्षा बजट में 6.2 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, यह बजट वित्त मंत्रालय के बजट के बाद दूसरे नंबर पर है। हमने पिछले वर्षों में देखा है की रक्षा पर अनुमानित खर्च से ज्यादा ही खर्च हुआ है तो हो सकता है यह खर्च बढ़कर 6.5 लाख करोड़ या उससे भी अधिक हो जाए। इस भारी भरकम रक्षा बजट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया है। हालांकि विशेषज्ञों का यह मानना है कि हमारे निकटतम पड़ोसी और निकटतम शत्रु चीन का रक्षा बजट आज भी भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से भी अधिक है जो कि 231.36 बिलियन डॉलर है। यह भी ठीक है कि भारत की आर्थिक स्थिति वैसी नहीं है कि रक्षा बजट पर हम चीन का पूरी तरह मुकाबला कर सकें लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह बजट बहुत अच्छा है और यह पहले की कांग्रेस सरकार के बजट से दोगुना है। रक्षा विशेषज्ञों का यह मानना है कि भारत के सम्मुख चीन की रक्षा चुनौतियों को देखते हुए आगामी वर्षों में हमें रक्षा बजट को और अधिक बढ़ाना होगा।

भारत की वर्ष 2024-25 के रक्षा बजट की सबसे बड़ी बात यह है कि यह बजट जहाँ एक ओर हमारी रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए है, वहीं दूसरी ओर इस बजट से बेरोजगारी की चुनौतियों का सामना करने की भी योजना है। 6.2 लाख करोड़ रुपए के इस भारी भरकम बजट में से 1.72 लाख करोड़ रुपए सेना के लिए नया साजो-सामान तथा अस्त्र-शस्त्र की खरीद के लिए हैं। शेष राशि सेना के वेतन - भत्तों, पेंशन तथा संचालन संबंधी खर्चों के लिए है। इस 1.72 लाख करोड़ रुपए के बज़ट में से 1.07 लाख करोड़ रुपए भारत में रक्षा निर्माण के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस राशि से विमान ऑर युद्धपोतों, पनडुब्बियों और तरह-तरह के हथियारों के निर्माण पर खर्च किए जाएंगे।

यहां सोचने की बात यह है कि जब इतनी बड़ी राशि खर्च करके भारत में निर्माण कार्य होगा तो उसे कितने बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य होगा और उसे कितनी बड़ी आबादी को रोजगार मिलने लगेगा। यहां यह भी विचारणीय है कि जब हमारी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड कंपनी युद्धक विमान का निर्माण और हमारे नौसेना के युद्धपोत आदि बनाने वाली कंपनियां निर्माण कार्य करती हैं तो इनमें लगने वाली सारी चीज ये खुद नहीं बनाती, बना भी नहीं सकती, बल्कि दूसरों से बनवाती हैं या खरीदती हैं। जिसके कारण तरह-तरह के कारखाने लगने लगते हैं। इसी प्रकार जब पनडुब्बी, युद्धपोत आदि बनते हैं तो भी उसमें बहुत सारी चीज बनाई जाती हैं, जिससे रोजगार सृजित होता है। रक्षा क्षेत्र में भारत में अब बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्र द्वारा भी पूंजी निवेश किया जा रहा है। जब उन्हें इतने बड़े पैमाने पर निर्माण के आदेश मिलेंगे तो वहां पर भी कार्मिकों की, इंजीनियरों की तरह-तरह की विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी तो निश्चय ही वहां भी रोजगार पैदा होगा। इसे अगर और सरल भाषा में समझा जाए तो हम कह सकते हैं कि जब हमारी सेनाएं 1.07 लाख करोड़ रुपए के अस्त्र-शस्त्र, युद्धक विमान, पोत और पनडुब्बी आदि की खरीद पर खर्च करेगी तो उससे चारों तरफ आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। यहां हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत का रक्षा-निर्यात अब तेजी से बढ़ने लगा है। पिछले 10 वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 30 गुना बड़ा है और भारत 25 रक्षा निर्यातकों मैं शामिल हो गया है।

सेनाओं के अलावा भी हमारे अर्धसैनिक बलों, विभिन्न राज्यों के सशस्त्र बल और पुलिस आदि को भी अस्त्र-शस्त्र की आवश्यकता होती है। रक्षा वाहनों आदि की आवश्यकता होती है, इस प्रकार रक्षा निर्माण में होने वाला यह खर्च बहुत अधिक बढ़ जाता है। यदि हमारे देश में अत्याधुनिक राइफलें आदि बनती हैं तो उसकी मांग हमारी सेनाओं के अलावा राज्य पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा भी की जाएगी। इस तरह रक्षा उद्योग का विस्तार होने से समग्र रूप से अर्थव्यवस्था के लिए एक अनुकूल वातावरण बनेगा. जिससे रोजगार के विभिन्न अवसर भी सृजित होंगे। इस प्रकार हम यह पाते हैं कि भारत सरकार का 2024-25 का रक्षा बजट रक्षा चुनौतियों के साथ-साथ रोजगार की चुनौतियों का सामना करने के लिए और रक्षा आयात के साथ-साथ रक्षा-निर्यात के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाने के लिए बनाया गया है। निश्चय ही इससे विश्व में भारत की शक्ति और धमक भी सामने आएगी और भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी।

कुछ अलग

केंद्र को झटका

आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है। देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है। दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है। इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है। निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है। ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं। निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था। जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततः देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिये हस्तक्षेप करना ही पड़ा। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है। लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है। निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिये ये टकराव व विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं। जिससे राज्यों के आर्थिक संकट को भी दूर किया जा सकता है। दरअसल, इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं। निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। यही वजह है कि वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में राजग गठबंधन में शामिल बिहार तथा आंध्र प्रदेश के लिये घोषित विशेष पैकेजों ने विपक्ष को गैर भाजपा शासित राज्यों से कथित भेदभाव के आक्षेपों के साथ सवाल उठाने का मौका दिया है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है। जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है। यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ-राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था। वहीं दूसरी ओर सरकारिया आयोग ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया था कि देश में शक्तियों के अधिक केंद्रीयकरण ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उसमें और वृद्धि कर दी है। केंद्र सरकार के लिये बेहतर होगा कि आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को साफ करके उसका बेहद बारीक व संवेदनशील ढंग से अध्ययन करे। इस तरह के आक्षेपों के बीच एक बात तो साफ है कि एक शक्तिशाली केंद्र भारत जैसे विकासशील देश को विकसित भारत में कदापि नहीं बदल सकता है। वहीं केंद्र व राज्यों में सामंजस्य व सहयोग के रिश्ते भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश को निश्चित तौर पर मजबूती ही देंगे।

देश दुनिया से

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सबला कमला

लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है।

इस साल के अंत में दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है। अब ट्रंप बाइडेन की जगह सबसे ज्यादा उम्रदराज प्रत्याशी बन गए हैं।

बहरहाल, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। जिससे अब यह चुनाव दिलचस्प हो चला है। अमेरिकी इतिहास में कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिये पहली अश्वेत महिला दावेदार हैं। डेमोक्रेट्स के लिये यह एक ऐसा जोखिम जो उन्हें उठाना पड़ेगा। दरअसल, ट्रंप अमेरिका में श्वेतवाद के प्रबल समर्थक हैं। ऐसा ही जोखिम बाइडेन ने कमला को उपराष्ट्रपति पद के लिये चुनकर उठाया था। बहरहाल, अमेरिका में धीरे-धीरे डेमोक्रेट कमला के पक्ष में खुलकर सामने आने लगे हैं। बहरहाल, कमला की दावेदारी पर अगले महीने शिकागो में होने वाले डेमोक्रेट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतिम मोहर लगेगी। कमला के लिए धनात्मक पक्ष यह है कि वे बाइडेन के बाद दूसरे नंबर के संवैधानिक पद पर विराजमान हैं। जाहिर है कि डेमोक्रेट्स एक महिला व एक अश्वेत प्रत्याशी की दावेदारी को शायद ही नकार सकें। हालांकि, उपराष्ट्रपति कार्यकाल की कुछ नाकामियों का खमियाजा भी कमला को भुगतना होगा। खासकर अवैध प्रवासियों वाले मुद्दे पर उनकी आलोचना हुई है। हालांकि, गर्भपात के अधिकारों के मुद्दे पर उनकी कामयाबी रही है। बहरहाल, अब कमला की दावेदारी से ट्रंप के लिये चुनौतियां बढ़ गई हैं। हालांकि, अभी कमला की दावेदारी को महत्वाकांक्षी डेमोक्रेट्स की चुनौती मिल सकती है। फिलहाल, कमला हैरिस के आने से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव खासा दिलचस्प हो गया है। रिपब्लिकन को डेमोक्रेट्स के विरोध के लिये नये मुद्दे गढ़ने पड़ेंगे।

वहीं दूसरी ओर भारत में कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की दावेदारी सामने आने से खासा उत्साह है। दरअसल, भारतीय मूल की मां और जमैका मूल के पिता डॉनल्ड हैरिस की बड़ी संतान कमला को भारतवंशी की तरह देखा जाता है। हालांकि, कहना कठिन है कि उनका भारत व भारतीय संस्कारों से लगाव कितना भावनात्मक और कितना राजनीतिक है। अमेरिका में भारतीयों का एक वर्ग मानता है कि वे भारतीयों के बजाय अफ्रीकी समुदाय के अश्वेतों के मुद्दों पर अधिक सक्रिय रही हैं। हालांकि, वह अपनी भारतीय मूल की पहचान का जिक्र भारतीयों के बीच बखूबी करती रही हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वे भारतवंशियों को लुभाने के लिये अपने अतीत व तमिलनाडु में अपनी ननिहाल से जुड़े अनुभवों का जिक्र करती रही हैं। निस्संदेह, कमला एक बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी राजनेता हैं। यही वजह है कि उपराष्ट्रपति पद के लिये कमला हैरिस के चयन के समय बाइडेन ने कहा था कि मैं देश के लिये नया नेतृत्व तैयार कर रहा हूं। लगता है आज उनके राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बनने से वह घड़ी आ गई है।

उल्लेखनीय है कि चेन्नई में जन्मी उनकी मां श्यामला गोपालन ऐसे वक्त पर सात समुंदर पार अमेरिका जाने का साहस जुटा सकी थी, जब अकेली लड़की को विदेश पढ़ाने की अनुमति देना बेहद मुश्किल माना जाता था। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद वह वर्ष 1958 में न्यूट्रीशियन और एंडोक्रोनोलॉजी में पीएचडी करने अमेरिका गई थीं। बाद में ब्रेस्ट कैंसर के क्षेत्र में शोधार्थी बनीं। कालांतर में बर्कले में मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करते हुए श्यामला डॉनल्ड हैरिस के संपर्क में आईं और उनसे विवाह किया।

आप का नजरिया

दीर्घकालीन लक्ष्य होते हैं आदर्श बजट के

हर साल केंद्रीय सरकार पहले आर्थिक सर्वे और फिर बजट प्रस्तुत करती है। सर्वे के जरिये बताया जाता है कि अर्थव्यवस्था की हालत क्या है और बज़ट के माध्यम से अपनी सोची कार्ययोजना पेश करती है। इनको दो विचारों के मद्देनज़र देखा जाता है : मौजूदा परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में क्या किया जाना चाहिए? और क्या चीज़ें सही दिशा में जाने वाली हैं? किंतु लगता है सरकार इतने में खुश है कि पिछले 10 सालों की सत्ता के दौरान उसकी उपलब्धि क्या रही। वित्तीय वर्ष -2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, इस तरह भारत दुनियाभर की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना, जबकि वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही। भारत को इस बात पर यकीन है 2024-25 में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी के अंदर रख पाएगा। लेकिन यह दृश्यावली इतनी भी गुलाबी नहीं है। वर्ष 2023-24 के बीच खुदरा महंगाई दर 5.4 प्रतिशत रही। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि खाद्य महंगाई दर 7.5 प्रतिशत जितनी ऊंची रही। कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में कारगुजारी बेहतर रहने के साथ, आर्थिक सर्वे में 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के ध्येय की पूर्ति हेतु अगले सालों में वृद्धि दर पाने की रणनीति के बारे में बताया गया है। वृद्धि निरंतर बनी रहे इसके लिए निजी क्षेत्र को अपनी पूंजी तलाशनी होगी। भारत को हरित ऊर्जा राष्ट्र में तबदील करने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना होगा। सरकार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तंत्र में खामियों को दूर करना होगा ताकि उनकी तरक्की होती रहे। नीतियों को अमलीजामा पहनाने के लिए राजकीय मशीनरी और व्यवस्था के लिए अपनी कामकाजी गति बढ़ाना जरूरी है। यदि यह अगले 25 सालों का दीर्घकालीन ध्येय है तो इसकी शुरुआत अब हम कहां से करें? प्रथम, करदाताओं के लिए अच्छी खबर यह है कि मानक कर कटौती (स्टैंडर्ड टैक्स डिडक्शन) को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। टैक्स स्लैब में कुछ बदलाव किया गया है ताकि नौकरीपेशा लोगों के हाथ में 17,000 रुपये तक बचत हो पाए। व्यावसायिक लोग कार्यबल का हिस्सा बनें, इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन पैकेज मिलेगा। इससे 20 लाख से अधिक युवाओं को फायदा होने की उम्मीद है। न केवल वेतन पाने वालों को बल्कि पूंजी निवेश से लाभ कमाने वालों को भी आमदनी कर में छूट देकर राहत दी गई है। इस प्रकार, यह बजट मध्य वर्ग का मददगार है, क्योंकि उन्हें कर कम चुकाना पड़ेगा। विद्रूपता यह कि सबसे गरीब तबका, जिसे यूं तो आयकर नहीं देना पड़ता, तथापि अपने उपभोग की तमाम उन वस्तुओं पर वह कर चुकाता है, जो जीएसटी तंत्र के तहत आती हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को जीएसटी से जुड़े विषयों में सुधार और अधिक किए जाने की जरूरत है, हालांकि इन पर सर्वसम्मति पाना सदा कठिन रहा है। इसके अलावा, यह भी गलत है कि सेस से होने वाली कमाई अकेले केंद्र के हिस्से आए, जिसे वह आगे राज्यों से बांटना नहीं चाहता। उगाहे गए कराधान की जरूरत सूबों को भी उतनी है ताकि वे अपने विकास ध्येयों को पूरा कर पाएं।

सावन में यूजर ने मंगाया शाकाहारी खाना, घर पहुंचा चिकन पालक, मामला गरमाया तो कंपनी ने मांगी माफी

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने शाकाहारी खाना ऑर्डर किया लेकिन उसके घर पहुंचा चिकन पालक। उपभोक्ता ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत करते हुए इसकी शिकायत की। जोमैटो की एक महिला यूजर ने अपना अनुभव सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने ईटफिट के जरिए शुद्ध शाकाहारी खाना मंगवाया था लेकिन उनके घर पर चिकन बिरयानी की डिलिवरी की गई। उन्होंने उक्त घटना की जानकारी देते हुए अपनी पोस्ट के साथ जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल व अन्य हितधारकों को भी टैग किया है। दूसरी तरफ दुकानों पर नाम लिखने से लोग कहते हैं कि एहतियात क्यों बरता जा रहा।

एक्स पर अपने पोस्ट में जोमैटो की ग्राहक हिमांशी ने कहा, 'सावन के महीने में चिकन की डिलिवरी पूरी तरह से अस्वीकार्य है।' उसके बाद हिमांशी ने अपनी ऑर्डर की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया, 'जोमैटो पर ईटफिट से पालक पनीर, सोया मटर और मिलेट पुलाव ऑर्डर किया था। पालक पनीर की जगह जोमैटो की ओर से चिकन पालक की डिलिवरी की गई। सावन के महीने में चिकन की डिलिवरी पूरी तरह से अस्वीकार्य है क्योंकि मैंने केवल शाकाहारी खाने का ऑर्डर दिया था।'

रविवार की देर रात शेयर किए गए इस सोशल मीडिया पोस्ट पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी और गड़बड़ी के लिए जोमैटो की खिंचाई की। सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू होने के बाद जोमैटो और ईटफ्रेश ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगी। ईट फ्रेश ने असुविधा के लिए माफी मांगते हुए ऑर्डर की जानकारी शेयर करने को कहा और भरोसा दिया कि इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

जोमैटो ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'हम समझ सकते हैं कि इस गड़बड़ी से आपको कितनी परेशानी हुई होगी। हम आहार संबंधी प्राथमिकताओं को गंभीरता से लेते हैं और हमारा इरादा कभी अनादर का नहीं होता। हमें इस मामले की जांच के लिए थोड़ समय दीजिए, नए अपडेट के साथ जल्द से जल्द हम आपसे संपर्क करेंगे।'

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपए प्रति किलो के भाव से टमाटर बेच रही सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के माध्यम से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के दाम पर टमाटर की बिक्री शुरू कर दी है। सरकार ने उभोक्ताओं को सस्ती दर पर टमाटर मुहैया कराने के लिए यह कदम उठाया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव टमाटर बेचने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि एनसीसीएफ के 18 सेंटरों के माध्यम से टमाटर की बिक्री शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने तीन मंडियों से 15000 किलोग्राम टमाटर खरीद कर एनसीसीएफ सेंटरों पर भेजे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में टमाटर टमाटर के भाव 70-80 रुपये किलोग्राम हैं। इसके मद्देनजर सरकार एनसीसीएफ के जनिए एक आदमी को एक किलो टमाटर अभी दे रहा है। उन्होंने बताया कि ये सुविधा दिल्ली-एनसीआर में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वेसे आने वाले 7-8 दिनों में बाजार में टमाटर के दाम कम हो जाएंगे। लेकिन तब तक हम टमाटर भेजते रहेंगे। उधर एनसीसीएफ ने जारी बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर के 16 जगहों पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही तीन मेट्रो स्टेशनों पर स्थिति स्टोर्स में भी सस्ती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की गई है।

इंडियन बैंक को जून तिमाही में 2,403 करोड़ रुपए का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष 20224-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 41 फीसदी बढ़कर 2,403 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक को 1,709 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि खराब कर्ज में कमी से अप्रैल-जून तिमाही में बैंक के नतीजे बेहतर रहे हैं। बैंक के मुताबिक पहली तिमाही में इंडियन बैंक की कुल आय बढ़कर 16,945 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 14,759 करोड़ रुपये थी। चेन्नई स्थित बैंक की पहली तिमाही में ब्याज आय सालाना आधार पर 13,049 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,039 करोड़ रुपये हो गई। बैंक के मुताबिक परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में उसकी सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 30 जून, 2024 तक कुल कर्ज पर 3.77 फीसदी थी, जो एक साल पहले 5.47 फीसदी था। बैंक ने बताया कि उसका शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.70 फीसदी से घटकर 0.39 फीसदी पर आ गया। एनपीए घटने के कारण खराब कर्ज के लिए प्रावधान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान 930 करोड़ रुपये से घटकर 896 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 जून, 2023 को 15.78 फीसदी की तुलना में बढ़कर 16.47 फीसदी हो गया है।

आय कर विभाग का कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

नई दिल्ली। आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे। यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है। वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला। ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है। सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पॉकेट में...

राहुल ने कहा, आज भी चक्रव्यूह में छह लोग हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी और अडाणी कंट्रोल कर रहे हैं। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल गांधी को टोका। उनसे कहा कि जो व्यक्ति सदन का सदस्य न हो उसके बारे में सदन में बोलने से परहेज करना चाहिए। खास तौर नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने वाले व्यक्ति को सदन में मर्यादित आचरण करना चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष की बात नहीं सुनी और अपना प्रलाप जारी रखा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे फिर कहा, आप संवैधानिक पद पर हैं। आपके कई माननीय सदस्यों ने मुझे लिखकर दिया है कि जो भी इस सदन का सदस्य नहीं है, उनका नाम नहीं लेंगे। आपने लिखकर दिया है, क्या आप अपने लिखे का भी पालन नहीं करना चाहते? बिरला ने कहा, मैं नेता प्रतिपत्र से यह अपेक्षा करूंगा कि वे सदन के नियम और मर्यादा बनाए रखें।

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, अगर आप चाहते हैं तो मैं इस सूची से एनएसए अजीत डोभाल, अंबानी और अडाणी का नाम हटा लेता हूं। राहुल के ऐसा कहते ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें फिर से टोका। लोकसभा स्पीकर ने कहा, सदन नियम प्रक्रियाओं से चलता है। इसके बावजूद राहुल गांधी सदन में अराजक तरीके से बोलते रहे। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष के सांसदों ने राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी।

ओम बिरला ने राहुल गांधी से कहा, आपके उपनेता मुझे लिखित में पत्र दे गए हैं कि कोई व्यक्ति जो इस सदन का सदस्य नहीं है, उसके बारे में टिप्पणी नहीं की जाएगी। इस पर राहुल गांधी ने उल्टा लोकसभा अध्यक्ष से ही सवाल पूछना शुरू कर दिया। आखिरकार लोकसभा अध्यक्ष को यह कहना पड़ा, आप मुझसे सवाल पूछने के लिए अधिकृत नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को टोका और उन्हें सदन में तमीज से पेश आने को कहा। रिजिजू ने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन के नियमों की जानकारी नहीं है।

पर समाधान...

जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं।उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समस्या है या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है। मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को जिक्र करते हुए कहा कि जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन हम अपने बीच के वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।जयशंकर और वांग की पिछले सप्ताह लाओस की राजधानी में मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लिया था। बैठक के दौरान उन्होंने मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की थी। चार जुलाई को जयशंकर और वांग ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में मुलाकात की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने...

अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो गई।बिहार सरकार ने आरक्षण संशोधन बिल के जरिए आरक्षण दायरा बढ़ा 65 फीसदी कर दिया था। 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को जोड़ दें जो कुल 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। 21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया था। इसके बाद से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अतिपिछड़ा को 65 फीसदी आरक्षण का लाभ मिल रहा था।

केजरीवाल और...

तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई थी। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।सीएम केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई थी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और के. कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी थी। इससे पहले 12 जुलाई को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है।केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों के सिलसिले में पेश हुए थे।

तमिलनाडु में...

अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोगों की हत्या कर दी गई। इसे लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरा है और आरोप लगाया है कि तमिलनाडु में अराजकता का माहौल है और सीएम एमके स्टालिन अक्षम हैं। एआईएडीएमके ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी डीएमके के लोग ही अराजकता फैला रहे हैं और सरकार के दबाव में पुलिस भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

एआईएडीएमके के प्रवक्ता कोवई सत्यम ने एक बयान जारी कर कहा कि 24 घंटे से भी कम समय में तमिलनाडु में तीन राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की हत्या कर दी गई है। जिन लोगों की हत्याएं हुईं, उनमें से एक एआईएडीएमके के नेता, दूसरे भाजपा के नेता और तीसरे कांग्रेस के नेता थे। इससे साफ पता चलता है कि तमिलनाडु में अराजकता का माहौल है और सीएम एमके स्टालिन पूरी तरह से अक्षम साबित हो रहे हैं। राज्य में अराजकता फैलाने और कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले लोग भी डीएमके के हैं। पुलिस भी सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है क्योंकि पार्टी हाईकमान ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई न की जाए।भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। जुलाई की शुरुआत में दलित नेता बसपा के आर्मस्ट्रांग की निर्मम हत्या के बाद पिछले तीन दिनों में हमने लगातार राजनीतिक हत्याएं देखी हैं एक भाजपा नेता की, एक एआईडीएमके नेता की और एक कांग्रेस नेता की। इससे पता चलता है कि कानून व्यवस्था एमके स्टालिन के नियंत्रण से बाहर है, लेकिन, राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी के पास इस पर कोई स्टैंड लेने का समय नहीं है। इस पर इंडी गठबंधन का कोई रुख नहीं है। यह उनके दोहरे एजेंडे, उनके दोहरे चेहरे और उनके लिए असुविधाजनक मुद्दे पर बोलने की उनकी कायरता को दर्शाता है।

तमिलनाडु के शिवगंगई इलाके में शनिवार रात को एक भाजपा नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जिस नेता की हत्या की गई, वह शिवगंगई के भाजपा जिला सचिव थे। भाजपा नेता जब अपने ईंट के भट्ठे से घर लौट रहे थे, तभी उन पर कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला किया। इस घटना की निंदा करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि असामाजिक तत्वों को सरकार या पुलिस का कोई डर नहीं हैं। पुलिस सीएम के नियंत्रण में है और वही ये सब राजनीतिक ड्रामा कर रहे हैं।एक अलग घटना में कुड्डालोर इलाके में एआईएडीएमके के कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान पद्मनाभन के रूप में हुई है। एआईएडीएमके नेता पर कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला किया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी।

सोपोर विस्फोट ...

लेकिन अस्पताल ले जाते समय उसकी भी मौत हो गई। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान शायर कॉलोनी निवासी नजीर अहमद नदरू, आजम अशरफ मीर और आदिल राशिद भट के रूप में की गई है। चौथे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। विस्फोट उस समय हुआ, जब एक स्क्रैप डीलर ट्रक से सामान उतार रहा था।

बलूचों को अगवा...

दुनिया को संदेश देते हुए कहा कि सुरक्षा बल ग्वादर में स्थानीय लोगों पर गोलाबारी और गोलीबारी कर रहे हैं, जिससे किसी को भी शहर में प्रवेश करने या बाहर जाने से रोका जा रहा है। यही नहीं, ग्वादर में इंटरनेट भी बैन किया जा चुका है।

ग्वादर में कड़ाई तह से बढ़ गई है, जब से महरंग बलूच के नेतृत्व वाली बलूच यकजहती समिति (बीवाईसी) ने 13 जून 2024 को कराची प्रेस क्लब में बलूच नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी। इसके बाद से महरंग बलूच और अन्य बीवाईसी नेताओं को उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार (27 जुलाई 2024) को स्थिति और भी खराब हो गई। महरंग बलूच ने कहा, सेना ने बलूचिस्तान को सैनिक इलाके में बदल दिया है। हम बलोच लोग शांत हैं और शांति से ही विरोध कर रहे हैं। हम लोकतांत्रिक अधिकारों से आवाज उठा रहे हैं और बलूचों को बलूच नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है।

इस मामले में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेतृत्व वाली बलूचिस्तान सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए ग्वादर में विरोध प्रदर्शन के आयोजन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। महरंग ने कहा कि बीवाईसी ने कुछ घंटों के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की योजना बनाई थी, जिसमें पूरे राज्य से लोग शामिल होने वाले थे। लेकिन बलूचिस्तान सरकार और आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने कार्यकर्ताओं के घरों पर छापे मारना और बलूचों का अपहरण करना शुरू कर दिया है। अब तक 200 से ज़्यादा बलूचों को हिरासत में लिया जा चुका है।

मस्तुंग में धरने का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ता बेबर्ग बलूच ने कहा, मस्तुंग में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, जिसमें 14 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। प्रांत के अन्य इलाकों, जिनमें दलबांडिन, मकरान, तुर्बत, मस्तुंग और ग्वादर शामिल हैं, में संचार सेवाएं बंद कर दी गई हैं और वहां के लोगों की स्थिति के बारे में कोई नहीं जानता। केटा में भी धरना जारी है, स्थानीय लोग स्वेच्छा से बाजार बंद कर रहे हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। इस बीच, संचार पूरी तरह से कट गया है, और लोगों को नहीं पता कि ग्वादर में क्या हो रहा है।

ग्वादर के जिला कलेक्टर ने महरंग बलूच को फोन पर धमकाते हुए कहा कि उन्हें और बीवाईसी नेतृत्व को गोली मारने का आदेश है। उन्होंने यह भी कहा कि जब मोबाइल सेवाएं बंद हो जाएंगी, तो वे बीवाईसी नेतृत्व के खिलाफ अपना अभियान शुरू कर देंगे। तब से ग्वादर प्रांत के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से कट गया है, और यहां तक कि स्थानीय पत्रकारों या कार्यकर्ताओं को भी स्थिति के बारे में पता नहीं है। महरंग बलूच ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं से राज्य की क्रूर हिंसा की निंदा करने और इस समय बलूचों के साथ खड़े होने की अपील की।

बता दें कि ग्वादर में पाकिस्तान चीन की मदद और पैसों से सीपीईसी प्रोजेक्ट के तहत पोर्ट बना रहा है। यहां हाईवे से लेकर कई प्रोजेक्ट हो रहे हैं, जिनका बलोच विरोध कर रहे हैं। बलूचों को कुचलने के लिए पाकिस्तान सरकार लगातार क्रैकडाउन कर रही है। यही नहीं, चीन के दबाव में बलूच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सेना को काम पर लगा दिया गया है। हजारों बलूचों के गायब होने के मामले में लाखों बलोच प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन चीन के दबाव में पाकिस्तान सरकार अपने ही लोगों को मारने से नहीं चूक रही है।

पाकिस्तानी ईसाई फराज...

इसके बाद पाकिस्तान में ईसाई कार्यकर्ता के खिलाफ सिर तन से जुदा का आह्वान किया गया। उनके खिलाफ पोस्टर जारी किया गया। पोस्टर में लिखा है, शरिया के अनुसार, ऐसे व्यक्ति मौत की सजा का हकदार है। ऐसे व्यक्ति को मौत की सजा दी जानी चाहिए। जामिया दारुल उलूम ने मुसलमानों से अपील की है कि वो थाईलैंड जाकर फराज परवेज से बदला लें।

फेसबुक पर पोस्ट की गई वीडियो में इस्लामी उलेमा मुहम्मद राशिद मदानी ने परवेज की हत्या की बात कही है। जिसके बाद इस संवाददाता ने थाईलैंड से फराज परवेज से बात की। इस पर उन्होंने कहा, मेरे सिर पर इनाम रखने का मकसद यही है कि मैं हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन और रेप के खिलाफ जो आवाज उठाता हूं वो शांत हो जाए। फराज परवेज ने भयावह योजनाओं का खुलासा करते हुए कहा, पाकिस्तानी मुसलमान मुझे फोन कर रहे हैं, भारतीय दूतावास के अधिकारी होने का नाटक कर रहे हैं। वे मेरी मदद करने का दावा करते हैं और जोर देते हैं कि मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलूं। यह हनी ट्रैपिंग जैसा है। वे मुझे पकड़ना चाहते हैं, प्रताड़ित करना चाहते हैं और फिर मुझे मार डालना चाहते हैं।

दिल्ली सरकार...

की सफाई करवाने की मांग हो रही थी। लेकिन विधायक दुर्गेश पाठक ने लोगों की बुनियादी मांगों को नजरअंदाज किया। मानसून की बारिश से निपटने के लिए लोगों की मांगे पूरी होनी चाहिए थी। अगर समय रहते ऐसा कर लिया गया होता जो छात्रों को अपनी जिंदगी से हाथ नहीं धोना पड़ता, लेकिन जेल में बंद मुख्यमंत्री केजरीवाल को सत्ता का मोह है। एमसीडी में दो वर्षों से आप की सरकार है। एमसीडी ने ठीक ढंग से काम नहीं किया। विधायक ने भी लोगों की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। आज लगभग घंटे भर की बारिश से दिल्ली की ये दुर्दशा हो गई।

हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों की मौत को प्रशासन की बड़ी लापरवाही के तौर पर देखा जा रहा है। अगर समय रहते प्रशासन की टीम हरकत में आ जाती तो इन छात्रों की जान बचाई जा सकती थी। देश की राजधानी में बच्चे आईएएस, आईपीएस बनने का सपना लेकर आते हैं, लेकिन वे इस बात अंजान होते हैं कि उनकी जान की किसी को भी परवाह नहीं। हादसे के चार घंटे बाद प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया, जो न केवल बड़ी लापरवाही है, बल्कि यह दर्शाता है कि ऐसे दर्दनाक हादसे आगे भी होते रहेंगे। दरअसल, जलभराव की वजह से इस साल होने वाली दिल्ली की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 22 जुलाई 2024 पटेल नगर में दोपहर बारिश के बाद चाय पीकर अपने पीजी लौट रहे छात्र की गली के गेट से करंट लगने से मौत हो गई। वह यहां यूपीएससी कर तैयारी कर रहा था। वहीं 29 जून 2024 को समयपुर बादली के सिरसापुर अंडरपास में बारिश का पानी भर गया, जिसमें डूबने से दो लड़कों की मौत हो गई थी। इसी तरह 28 जून 2024 को दिल्ली के ओखला इंडस्ट्रियल एरिया के पास बने अंडरपास में भरे पानी में डूबने से एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई।

इस हादसे ने कोचिंग सेंटरों के सुरक्षा उपायों के दावों की पोल खोल कर रख दी है। हादसे के बाद तमाम छात्र सरकार और कोचिंग सेंटर के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। इससे पहले दिल्ली के मुखर्जी नगर में 15 जून 2023 को एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 लोग घायल हो गए थे। जांच में पता चला कि आग बिजली के मीटर में लगी थी, जो देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200-250 छात्र मौजूद थे। कुछ छात्रों को तो खिड़की तोड़कर तीसरी मंजिल से नीचे छलांग लगानी पड़ी। खैर, ताजा मामले को लेकर दिल्ली मेयर शैली का कहना है कि अगर इस मामले एमसीडी के अधिकारी शामिल मिलते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, अगर ऐसे गैर कानूनी तरीके से कोचिंग सेंटर चल रहे हैं तो उन पर भी कार्रवाई होगी और अधिकारी पर भी कार्रवाई होगी। ऐसे समय में हमें आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए बल्कि कार्रवाई करनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में राजेंद्र नगर थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में कोचिंग सेंटर बिल्डिंग सिस्टम के मैनेंजमेंट और ड्रेनेज सिस्टम से जुड़े दो लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, तीन मृत छात्रों में से एक श्रेया यादव के रिश्तेदार का आरोप है कि इस हादसे को लेकर उन्हें कोचिंग संस्थान और प्रशासन से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्हें खबर देखने के बाद इस हादसे के बारे में पता चला, जिसके बाद वे मुर्दाघर गए। उन्होंने पहचान के लिए चेहरा दिखाने को कहा, लेकिन उन्हें यह कहकर इनकार कर दिया गया कि यह पुलिस का मामला है।

ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे को लेकर आक्रोशित एक छात्र ने दावे के साथ कहा, एमसीडी कहती है कि यह एक आपदा है लेकिन मैं इसे पूरी तरह से उनकी लापरवाही मानता हूं। आधे घंटे की बारिश में ही घुटने तक पानी भर जाता है। आपदा तो कभी-कभी होती है। मेरे मकान मालिक ने बताया कि वह पिछले 10-12 दिनों से पार्षद से कह रहे थे कि नाली की सफाई करवाई जाए। पहली मांग है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और घायलों, मरने वालों की सही संख्या बताई जाए। आपदा प्रबंधन के लोगों ने मुझे बताया है कि 8-10 लोगों की मौत हुई है।

ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना पर आप विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि ये लो लाइन एरिया है। इसी लाइन से पानी बहता है या तो नाला, सीवर टूट गया है और पानी बेसमेंट में भर गया। टीमें अपना काम कर रही हैं। भाजपा को भी जवाब देना चाहिए कि उन्होंने पिछले 15 साल से क्या किया। नाला क्यों नहीं बना। एक साल में सारे नाले नहीं बन सकते। राजनीति की जरूरत नहीं है। इस मामले पर राजनीति करने के बजाय गंभीरता से सोचना होगा। इन बच्चों के माता-पिता पर क्या बीत रही होगी, ये वही जानते होंगे। उन्होंने दिल्ली में अपने बच्चों को पढ़ने और देश की सेवा के लिए भेजा था, लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनकी पूरी दुनिया ही उजड़ जाएगी। क्या आम नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या यह सरकारी सिस्टम की नाकामी द्वारा की गई हत्या नहीं है? इन छात्रों की मौत के जिम्मेदार लोगों पर हत्या का केस चलाकर उचित कार्रवाई करनी होगी। ताकि फिर कोई छात्र सिस्टम की नाकामी का शिकार न हो पाए।

छात्रों की मौत के बाद 13 कोचिंग सेंटर सील

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग इंस्टीट्यूट के हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम ने एक्शन लेते हुए बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की है।

एमसीडी ने 13 कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया है। दिल्ली कोचिंग सेंटर के बाढ़ग्रस्त में तीन सिविल सेवा उम्मीदवारों के डूबने के बाद क्षेत्र में कोचिंग सेंटरों की पहचान करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन एमसीडी ने किया है।एमसीडी के अधिकारियों के अनुसार राजेंद्र नगर के विभिन्न इलाकों में स्थित इन कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया गया है। जिन कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है वो सभी बिल्डिंग के बेसमेंट में क्लासरूम चला रहे थे, जो कि नियमों का उल्लंघन है। सील किए गए कोचिंग इंस्टीट्यूट में आईएएस गुरुकल, चहल अकादमी, प्लूटस अकादमी, साई ट्रेडिंग, आईएएस सेतु, टॉपर्स अकादमी, दैनिक संवाद, सिविल्स डेली आईएएस, करियर पावर, 99 नोट्स, विद्या गुरु, गाइडेंस आईएएस और ईज़ी फॉर आईएएस शामिल हैं।

कोचिंग संस्थान में 3 छात्रों की मौत के बाद दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने संभागीय आयुक्त को मौतों पर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी ऐसा होना बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है।

गौरतलब है कि मध्य दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से शनिवार को दो छात्राओं की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बेसमेंट में और भी छात्र फंसे हुए हैं। फिलहाल मौके पर दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीम राहत बचाव कार्य में लगी है। मोटर के जरिए बेसमेंट से पानी निकाला जा रहा है। वहीं, दिल्ली सरकार की राजस्व मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को इस मामले की जांच करने तथा 24 घंटे में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस स्टडी सेंटर के कोचिंग सेंटर में शनिवार रात अचानक पानी भर गया। इससे वहां अफरा-तफरा मच गई। कुछ छात्र कोचिंग सेंटर से बाहर निकलने में कामयाब हो गए, जबकि बेसमेंट में अंधेरा होने के कारण कई बच्चे अंदर फंसे रह गए। मामले की सूचना मिलते ही दमकल और एनडीआरएफ की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया और देर रात तीन शवों को बाहर निकाला।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 30 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू रंगम कार्यक्रम

सुशीलाम्मा ने की सुख-शांति और निरोगी रखने की भविष्यवाणी

सात सप्ताह तक करें भगवान सुब्रमण्यम स्वामी की पूजा

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू रंगम कार्यक्रम में सुशीलाम्मा के तन पर उपस्थित होकर श्री दरबार मैसम्मा माता ने भविष्यवाणी की है। माता की भविष्यवाणी सुनने के लिए हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भविष्यवाणी में माता ने कहा कि सभी भक्तों के जीवन में कठिनाइयां नहीं आएंगी। मैं सभी को निरोगी रखूंगी। मैं आपके साथ ही रहूंगी। वह बोनालू उत्सव के दौरान भक्तों द्वारा की कई पूजा और प्रार्थनाओं से बहुत ख़ुश हैं और भक्तों की भक्ति से संतुष्ट हैं। उन्होंने बारिश की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि इस वर्ष भी तेलंगाना में पर्याप्त बारिश होगी। फसलें अच्छी होंगी। तुम जो पूजा करोगे वह मुझे मिलेगी। भक्ति और श्रद्धा के साथ पूजा कीजिए। हर घर की रखवाली करना मेरी ज़िम्मेदारी है। अगर आपदाएं आएंगी तो मैं की रक्षा करूंगी। लोगों की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी मेरी है। उन्होंने यह भी कहा कि सात सप्ताह तक भगवान सुब्रमण्यम स्वामी की पूजा की जानी चाहिए। रंगम कार्यक्रम में भक्तों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े इसके लिए मंदिर परिसर में मंदिर समिति और पुलिस विभाग द्वारा व्यापक प्रबंध किए

गए थे। इस अवसर पर पोतराज महाकाली मंदिर से निकलकर नाचते-गाते और झूमते नल्ला पोच्चमा (काली माता मंदिर, राम सिंह पुरा) मंदिर तक पहुंचे। वहां गाऊ कार्यक्रम संपन्न हुआ। उसके बाद रंगम कार्यक्रम एवं बलीगंपा यात्रा निकली। अवसर पर कारवान क्षेत्र की छात्र और छात्राओं ने मनमोहक, अद्भुत और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए और सभी भक्तों का मन मोह लिया।

सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए टी. योगराज सिंह ने बताया कि श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव श्री श्री श्री दरबार मैसम्मा व महाकाली मैसम्मा देवालय ट्रस्ट बोर्ड और बोनालू उत्सव समिति के चेयरमैन टी. अमर सिंह के सान्निध्य में 21 जुलाई से 29 जुलाई तक हर्षोल्लास वातावरण में भक्तिभावना और वैभव के साथ शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुआ। श्री दरबार मैसम्मा मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न हुआ। अनेक राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर माता के दर्शन किए, विचार प्रस्तुत कर सभी कार्यक्रम को सफलता प्रदान की, जिनमें प्रमुख हैं मंत्री जी. किशन रेड्डी, मंत्री बंडी संजय, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, विधायक टी. राजा सिंह, एमएलसी प्रभाकर, पूर्व विधायक विष्णुवर्धन रेड्डी जी आदि। इस वर्ष एसएससी, इंटर, डिग्री, पीजी और पीएचडी के सभी मैरिट में आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। झूला विसर्जन भव्य यात्रा श्री दरबार मैसम्मा मंदिर कारवान से गणेशघाट राम सिंह पुरा तक निकाली गई। सायं विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उसके बाद फलहारम बंडियों का स्वागत किया गया। रात्रि 8 बजे माता जी के झूले के विसर्जन का कार्यक्रम आरंभ हुआ। झूले के स्वागत के लिए कारवान से राम सिंह पुरा तक श्री दरबार मैसम्मा के भक्तों द्वारा अनेक भव्य स्वागत मंचों की स्थापना की गयी थी। झूला विसर्जन भव्य यात्रा कार्यक्रम में कारवान क्षेत्र और शहर के गणमान्य राजनीतिक नेता, सामाजिक नेता और धार्मिक एवं सांस्कृतिक भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया, जिसमें प्रमुख हैं रूप टी. अमर सिंह, पूर्व पार्षद बंगारी प्रकाश, देवर राजेश्वर, टी. जगत सिंह, एडवोकेट एम. विद्यासागर, टी. योगराज सिंह, ए. सुरेंदर सिंह, टी. गोविंद सिंह, बी. अनूप कुमार, पूर्व पार्षद ए. कृष्णा मित्रा, पाशम राजेंद्र यादव, एच. मुन्ना सिंह, सी. शंकर अन्ना, के. भिक्षापति, एस. सत्यनारायण, पूर्व पार्षद कोटागिरि कृष्णा राव, श्री तुलजा भवानी मंदिर के चेयरमैन टी. परमेश्वर, जी. सुनील यादव, शेखर पहलवान, ज्ञानी पहलवान, भंडारी मुकेश, बी. शिवराज, रघु, नरसिंग, स्वरुप जायसवाल, लखन सिंह, पुजारी भिक्षापति, जी. मल्लेश गौड़, जिनका कृष्णा, बी. शिवराज, जी. नवीन कुमार, सी. ज्ञानेश्वर, वाई. रवि, संतोष जाधव, बी. मुकेश, एम. साई किरन, जे. रविंदर, वेंकट रामुलु आदि। श्री श्री श्री दरबार मैसम्मा मंदिर समिति और श्री श्री श्री महाकाली मैसम्मा समिति के समस्त पदाधिकारियों ने माता जी के झूला विसर्जन भव्य कार्यक्रम में हज़ारों की संख्या में भक्तजनों ने उपस्थित कार्यक्रम को सफल बनाया है उसके लिए सभी का धन्यवाद और आभार प्रदर्शित किया गया है। एडवोकेट एम. विद्या सागर ने पूरे उत्सव में मंच संचालन की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुला शाखा की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुला शाखा की मीटिंग साईं चरण ढाबा हाई कोर्ट गेट के सामने शाखाध्यक्ष गोविंद राम पचेरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग में सर्वप्रथम भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली कांवड़ यात्रा का पुष्प वृष्टि द्वारा भव्य स्वागत 4 अगस्त रविवार को हमेशा की तरह आर नानगरामजी के घर के समक्ष प्रात 9.00 बजे किया जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस कार्य के लिए जिम्मेदारी सज्जन अग्रवाल बायॅवाला, अशोक सौलानावाला व योगेन्द्र कटारुका को दी गई। इसके पश्चात गत माह अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज टूर किया गया था जिसका हिसाब किताब मीटिंग में रखा गया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही टूर में जाने वाले हर सदस्य को 10 ग्राम शुद्ध चांदी का सिक्का देना तय किया गया। मीटिंग में अन्नदान महादान व शाखा फंड राइजिंग का प्रभार अनिल धरसुवाला को पहले की तरह यथावत रखा गया। इन सबके अतिरिक्त शाखा द्वारा सावन की सैर (लोकल) के आयोजन पर भी विस्तृत चर्चा कर आयोजित करने का फैसला लिया गया। इसके लिए प्रधान संयोजक अनिल धरसुवाला व उप प्रधान संयोजक योगेन्द्र कटारुका व सह संयोजक मनोज गौशाला वाला व शिव भगवान को बनाया गया। जगह व तारीख का निर्धारण संयोजकगण जल्दी ही तय करेंगे। अवसर पर केन्द्रीय समिति सदस्य किशन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश सर्राफ, शिवकुमार जाखणीवाला, कमल किशोर अग्रवाल, हरिनारायण अग्रवाल, श्याम सुंदर सांवरिया भी उपस्थित थे। उपाध्यक्ष योगेन्द्र कटारुका द्वारा आगंतुक सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

सावन के दूसरे सोमवार को जलाभिषेक करते हुए आनंद कुमार अग्रवाल, संजय अग्रवाल, संजय कुमार गुप्ता, दौलत प्रकाश अग्रवाल एवं अन्य।

लाल दरवाजा स्थित प्रकाश चंद जैन के निवास स्थान के सम्मुख बोनालू यात्रा में प्रसाद वितरित करते हुए संस्था के प्रकाश जैन, शिवराज महा सट्टे, विरप्पा कोड़े, मलप्पा, राम किशन, सतिश, भरत, अप्पाराव, संगप्पा, विनोद, धनाजी, विक्की व एस.एस. टेक्सटाइल्स।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की 40वीं मीटिंग आयोजित की गई। यह मीटिंग हर रविवार को समाज कार्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 1-30 तक निरंतर होती है ।

इसके अतिरिक्त कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल के निवास बंजारा हिल्स में प्रतिदिन 11 बजे से सायं 5 बजे तक कोई भी अभिभावक उनसे 9396222880 पर संपर्क कर समय लेकर अपने बालक-बालिकाओं के बायोडेटा दे सकते हैं तथा उनका संज्ञान ले सकते हैं। हमारी मैरेज डेटा कमेटी सभी अग्रबंधुओं से विशेषकर सभी शाखाओं के पदाधिकारियों से

आग्रह करती है कि वे अपनी अपनी शाखाओं में मुहिम चलायें की विवाह योग्य बालक बालिकाओं के बायोडेटा समाज में उपलब्ध करवाएँ तथा उसका पूरा लाभ प्राप्त करें। कमेटी विशेषकर सभी महिला शाखाओं से आग्रह करती है कि इस कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें। कमेटी सभी शाखाओं के सदस्यों से विनम्र आग्रह करती है कि इस निःशुल्क सेवा का पूर्ण लाभ प्राप्त करें। सदस्य अपने सुझाव से भी कमेटी का मार्गदर्शन करें। समाज के इस सत्र में अगस्त 2023 से अभी तक 124 रिश्ते नक्की हुए हैं।

कमेटी की अगली बैठक रविवार 4 अगस्त को समाज के कार्यालय में आयोजित की जाएगी। बैठक में अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्विनर रमेश तुल्सियान, वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाले, समाज द्वारा निःशुल्क एक्यूपंक्चर डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा के अतिरिक्त समाज के बालक-बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे।

गुरु के नाम में हजारों मंत्रो से अधिक शक्ति होती है : देवेंद्रप्रभाजी म.सा

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य पुष्करमुनिजी म.सा, श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा, महाश्रमण पूज्य श्री जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा, नवदीक्षित साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में संघ के उपाध्यक्ष पुखराज तातेड़ ने बताया कि चातुर्मास के दसवें दिवस पर पुष्कर-शील-चन्दन में प्रवचन का शुभारंभ श्री पैसाठीय छंद का जाप से शुरू हुआ। पूज्य साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा ने अपने उदबोधन में कहा कि कर्म राजा सिर्फ इतना ही कहता है कि अपने गुरु-गुरुणी को गुरु के रूप में अपना लेना चाहिए। जितनी

अपनी हैसियत है जितना हम कर सकते है हमारे गुरु उतना ही हमे करने के योग समझते हुए करने के लिए कहेंगे। कर्म एक ऐसा नियम है जो कहता है कि हम अपने गुरु को अपना ले वरना अगर वो हमारा गुरु बन गया तो जीवन मे परेशानी ही परेशानी हो जाएगी। कर्म राजा यह भी कहता है कि मानुष को अपने घमंड में नही रहना चाहिए क्योंकि मनुष्य के जीवन मे कर्म सबसे ऊपर है और जब कर्म उदय में आते हैं तो अच्छे अच्छों की जिंदगी बदल देते है।

साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा ने अपनी अमृतमय जिनवाणी के माध्यम से कहा कि एक चौराहा के ऊपर दो व्यक्ति खड़े है। एक मनुष्य वहां से गुजरते हुए सोचता है कि किसको मानु और किसको नमन करूँ। शास्त्र हमारा महान है। हमे चिंतन करना है कि हमारे सामने भी दो लोग है एक है अरिहन्त भगवंत और दूसरे है सिद्ध भगवंत। उपकारों के माध्यम से पहले सिद्ध भगवंत है पर हम पहले अरिहन्त भगवंत को मानते है। उपदेश अरिहन्त भगवंत के सुनते है। ठीक इसी तरह इस मानुष भाव मे गुरु-गुरुणी के हम पर अनेक उपकार है और वो हमारे ऊपर है जो हमारे साथ हर वक़्त रहते हैं। साध्वी रत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा ने अपना उदबोधन में कहा कि गुरु भक्त को भिन्न-भिन्न मंत्रो की आवश्यकता नही होती। गुरु के नाम में हज़ारो मंत्रो से ज़्यादा शक्ति होती है। हमे यह सोचना है कि एक राज्य पर राज करने वाले पर सिर्फ एक ही छत होती है परंतु हमारे तीर्थंकर प्रभु जो सारे जगत पर राज करते है उनके ऊपर तीन तीन छत होती है। तीर्थंकर त्रिलोकीनाथ है, तीन राज्य तीन लोक के नाथ है जिन्होंने जीव को भावी आत्मा बनने के तीन मार्ग बताए है और वो है सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन व सम्यक चरित्र। जो भी प्राणी यह तीनों मार्ग को अपनाकर अपने जीवन मे धर्म करता वो इस संसार में लोकप्रिय बन जाता है। धर्म सभा का संचालन करते हुए संघ के मंत्री दिलीप गादिया ने धर्म सभा मे पधारे सभी का स्वागत किया। धर्म सभा मे त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित हुईं और संघ की शोभा बढ़ाई।

श्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद ने धूमधाम से मनाया 100वां वार्षिकोत्सव

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हुए। इस उपलक्ष्य में रविवार को श्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद स्कूल के बलदेव हॉल में करीब 1100 से अधिक लोगों की उपस्थिति मे अध्यक्ष धनश्याम पटेल, उपाध्यक्ष जयंति पटेल, मानद मंत्री जनकभाई ब्रह्मभट्ट, खजानची नरेन्द्र कोटक, मैनेजिंग ट्रस्टी शिवगण पटेल और अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया।

दीप प्रज्वलन के बाद समाज के स्वर्गीय दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अध्यक्ष धनश्याम पटेल ने समाज की कार्य शैली का परिचय देते हुए बताया कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए हमारा समाज कई योजनाएं चला रहा है।

जैसे कि विद्यार्थियों की स्कुल फीस, बाहर से आए मध्यम वर्गीय मुसाफिर आदि। मानदमंत्री जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने समाज द्वारा

चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों जैसे कि मेडिकल कैंप, जॉब मेला, भोजनालय, स्कूल में चल रही योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि समाज संचालित स्कुल में सीबीएससी पाठ्यक्रम शुरू कर के गरीब व मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा लाभ देने का निर्णय लिया गया है। चुनाव अधिकारी महेंद्र कपासी और हितेश मेहता ने चार कमेटी मेंबरों जयंतिभाई पटेल, सुरेश गढीया, तरुण महेता व हरिश दवे को निर्विवाद निर्वाचित घोषित किया। श्री गुजराती सेवा मंडल की ओर से दोनों चुनाव अधिकारियों और सीए मनोज भट्ट को सम्मानित किया गया। अंत में जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने सभी कमेटी सदस्यों, स्टाफ परिवार, शिक्षक गण ओर सभी गुजराती भाइयों और बहनों का दिल से आभार प्रकट किया।

केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर महत्वपूर्ण जानकारी हटाने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव (केटीआर) ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद पिछली सरकार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी कथित रूप से वेबसाइट से हटाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की।श्री राव ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव शांति कुमार से इस महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा के लिए तत्काल

कार्रवाई करने का आह्वान किया। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष पहले ही एक खुले पत्र के माध्यम से मुख्य सचिव से डेटा की सुरक्षा करने का आग्रह कर चुके हैं। उन्होंने सोमवार को एक बयान में मुख्य सचिव को इस पत्र के बारे में याद दिलाया और इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से राज्य सरकार की वेबसाइटों और डिजिटल प्लेटफार्मों से महत्वपूर्ण जानकारी हटा दी गई है।केटीआर ने इस बात पर बल दिया कि यह जानकारी तेलंगाना के इतिहास का एक अभिन्न अंग है और यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित रह सके। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर मुख्य सचिव ने इसका जवाब नहीं दिया तो वह इस मामले के हस्तक्षेप के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

ट्रक और एसयूवी में आमने-सामने की भिड़ंत, दो की मौत, पांच घायल

संगारेड्डी, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सोमवार सुबह न्यालकल मंडल के हुसेली में एक तेज रफ्तार ट्रक और एक एसयूवी की आमने-सामने की हुई टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए।

मृतकों में सहेरा बेगम (45) और ड्राइवर एमडी सिराजुद्दीन (29) दोनों कर्नाटक के बीदर शहर के रहने वाले थे।

बेगम के छोटे भाई शेख मुखीम के अनुसार, उन्होंने हैदराबाद में एक रिश्तेदार के घर जाने के लिए कार किराए पर ली थी। बीदर वापस जाते समय मुखीम ने कहा कि विपरीत दिशा से आ रहे एक लापरवाह ट्रक चालक नवीन ने सोमवार सुबह 2.45 बजे उनकी एसयूवी को टक्कर मार दी।

गंभीर रूप से घायल बेगम और सिराजुद्दीन को सरकारी अस्पताल जहीराबाद ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। एक अन्य व्यक्ति शेख अमन को भी सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस मामला दर्ज कार आगे की जांच कर रही है।

सोमवार को हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी ने हाथी रूपवती पर श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मठ घाटम का उद्घाटन किया।इससे पहले उन्होंने श्री अक्कन्ना मदन्ना महंकाली मठ में विशेष पूजा-अर्चना की।

मुस्लिमजंग पुल स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में सोमवार को रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महन्त चेतन गिरी सुनील कुमार पाण्डेय, विनय पांडेय, उमेश पांडेय, आनन्द लक्ष्मण बागड़ी अनिल, संतोष, लाला दुर्गेश अहीर, पवन अहीर, जितेन्द्र सिंह, अमर सिंह, रोशन सिंह, तुषार सिंह, बापू, अभिषेक, संतोष गिरी व अन्य।

देश में मुसलमानों को न रोजगार मिल रहा है और न ही शिक्षा : ओवैसी

हैदराबाद/नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट के दौरान चार वर्गों का जिक्र किया था। मैं सरकार से जानना चाहता हूं क्या 17 करोड़ मुसलमानों में गरीब लोग नहीं हैं?

उन्होंने कहा कि बजट में मुसलमानों के लिए कमी कर दी गई। डाटा के अनुसार देश के मुसलमान सबसे ज्यादा गरीब हैं। शिक्षण संस्थानों में भी मुसलमानों की संख्या कम है। उन्होंने

कहा कि मुसलमानों को न रोजगार मिल रहा है, न शिक्षा। इस देश में मुसलमानों को अछूत बना दिया गया है। देश की राजनीति में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी कम कर दी गई है। माइनॉरिटी वेलफेयर मिनिस्ट्री के 2023-24 के बजट में 38 फीसदी कमी की गई। बजट को पांच हजार से कम करके तीन हजार करोड़ कर दिया गया। मोदी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने एक करोड़ स्कॉलरशिप देने का वादा किया था, लेकिन सिर्फ 58 लाख दिए जा रहे। मोदी हुकूमत को मुसलमानों से नफरत खत्म करनी पड़ेगी और उन्हें उनका हक देना पड़ेगा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि 17 करोड़ मुसलमानों से नफरत करके आप विकसित भारत कैसे बनाएंगे? वित्त मंत्री ने अपने भाषण के दौरान बच्चों का जिक्र तक नहीं किया। देश में 67 लाख बच्चे हर रोज भूखे सो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लद्दाख में भारत की सेना 65 में से 26 पेट्रोलिंग प्वाइंट पर पेट्रोलिंग नहीं कर पा रही है, लेकिन पीएम मोदी को इसकी चिंता नहीं है। चीन से हमारा आयात बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेलो इंडिया की बात करते हैं, लेकिन सरकार झेलो इंडिया की नीतियों पर काम कर रही है। देश के गरीब, किसान और महिलाएं पीएम मोदी को झेल रहे हैं।

सूत्रधार संस्था की गोष्ठी में बही सावन के गीतों की बहार

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और समाज सेवा को समर्पित राष्ट्रीय संस्था सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित 54वीं मासिक गोष्ठी बहुत ही हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुई। संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सम्मानित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया और उन्हें संस्था की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह गोष्ठी दो सत्रों में आयोजित की गई थी। कटक, उड़ीसा से हिन्दी कहानीकार एवं कवयित्री रिमझिम झा ने सुमधुर स्वर में स्वरचित सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की।प्रथम सत्र में उपस्थित सभी सदस्यों ने वर्षा ऋतु और श्रावण मास से जुड़े हुए अपने बचपन से लेकर पचपन तक के संस्मरणों और खट्टी-मीठी यादों को साझा किया। द्वितीय सत्र में सावन के गीतों और शिव आराधना से सम्बन्धित रचनाओं के अनवरत पाठ ने प्रकृति और भक्ति का समन्वय स्थापित करते हुए कवि सम्मेलन जैसा समां बांध दिया।

इस गोष्ठी में सबने अपने रोचक संस्मरणों, सावन और शिव स्तुति के गीतों से जो मनोरंजक समां बांधा, उससे सचमुच आत्मिक आनन्द की अनुभूति से सबका मन आह्लादित हो गया। वरिष्ठ साहित्यकार किरन सिंह ने इस गोष्ठी की अध्यक्षता की। उन्होंने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी देते हुए सभी सहभागियों की रचनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की और सभी की रचनाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उसके बाद अपनी रचनाओं का पाठ किया।

इस गोष्ठी में देश भर से सदस्यों ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। कटक, उड़ीसा से रिमझिम झा, विशाखापट्टनम से कनक पारख, बैंगलुरू से एडवोकेट अमृता श्रीवास्तव, कोलकाता से हिम्मत चौरड़िया और सुशीला चनानी, उदयपुर से सपना श्रीपत, हैदराबाद से किरन सिंह, तृप्ति मिश्रा, ममता सक्सेना, अमिता श्रीवास्तव, बिनोद गिरि अनोखा, कल्याणी झा और सरिता सुराणा ने काव्य पाठ किया। अमृता श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि गोष्ठी में इतना आनन्द आ रहा है कि लगता है थोड़ी देर और चलती रहे। मुझे सूत्रधार संस्था की मासिक गोष्ठी का हमेशा इन्तज़ार रहता है। उन्होंने सभी सहभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और मासिक गोष्ठी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने हेतु अनुरोध किया। सभी सदस्यों ने रोचक और मनोरंजक गोष्ठी के सफल आयोजन हेतु संस्था का आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा की श्रावण की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा की श्रावण की सैर रविवार को सीरी नेचुरल रिसोर्ट कागजघाट विलेज इब्राहिम पटनम पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। दो बसों में लगभग 100 सदस्य हर हर महादेव के नारों के साथ सिटी कॉलेज के पास से रवाना हुए। रिसोर्ट पहुंचने पर अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की गई। सुहावने मौसम में सभी ने रेन डांस, झूले, तैराकी, एडवेंचर गेम, वॉटर राइड्स के साथ साथ क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन का सभी ने भरपूर आनंद लिया। मैजिक शो का भी आयोजन किया गया। श्वेता अग्रवाल ने अशोक बंसल तथा जितेंद्र मित्तल के सहयोग से तंबोला खिलाया। जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। शाखा द्वारा नाश्ता, वेलकम ड्रिंक, लंच और हाई टी की व्यवस्था की गई थी। श्रवण की सैर में पहुंचे शाखा के सभी सदस्यों को तथा सभी गेस्ट परिवारों को उपहार दिए गए। तंबोला विजेताओं को गिफ्ट तथा नगद पुरस्कार दिए गए तथा उपस्थित सदस्यों को लकी ड्रा द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का संयोजन परामर्शदाता अशोक बंसल तथा उपाध्यक्ष जितेंद्र मित्तल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शाखा मंत्री सुनील कुमार अग्रवाल ने दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष जितेंद्र मित्तल, मंत्री सुनील कुमार अग्रवाल, सह मंत्री सुनील सिंघल, कोषाध्यक्ष आर अशोक कुमार, परामर्शदाता अशोक बंसल व राजेश बगड़िया, केंद्रीय समिति सदस्य कपूर चंद्र गुप्त, कार्यकारिणी सदस्य विष्णु मोदी, रविंद्र अग्रवाल, रमेश चंद्र अग्रवाल, संतोष गुप्ता व ओम प्रकाश अग्रवाल, अमित कुमार मित्तल, आनंद तुलस्यान, दिलीप अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

राधेश्याम राठी भक्त शिरोमणि सम्मान से सम्मानित

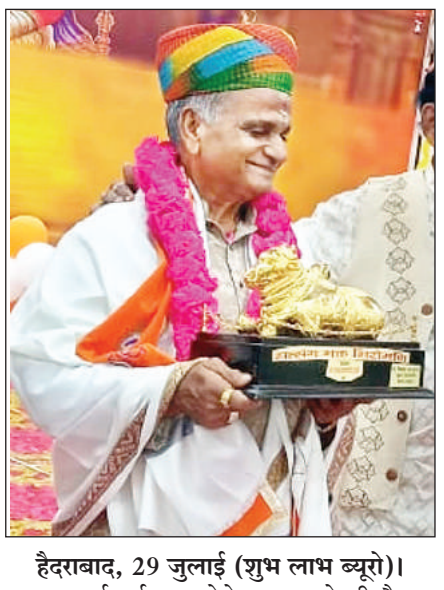

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चार वर्ष पूर्व गत कोरोना काल से श्री वैष्णव सत्संग मंडल द्वारा निरंतर बिना किसी अवकाश के प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से 10:30 बजे तक जूम पर वंदना, हर उत्सव पर भजन, सत्संग, कीर्तन, प्रार्थना, व शयन के साथ प्रति मंगलवार व शनिवार को हनुमान चालीसा, हर एकादशी को गीता पाठ, सत्संग प्रेरणा, स्वास्थ्य प्रेरणा, मंदिर दर्शन आदि का सफल संचालन राधेश्याम राठी की मुख्य देखरेख में चल रहा है। जो कि एक अत्यंत ही सराहनीय सत्कार्य है। इसी कार्य के लिए उनको वंरगल में सत्संग भक्त शिरोमणि से अलंकृत कर सम्मानित किया गया। प्रतिदिन जूम विंडो पर 60 से 100 भक्त भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम की सबसे बडी विशेषता यह है कि यहां पर सप्ताह में एक बार सभी को भजन प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम की एक और विशेषता यह है कि वयोवृद्ध सदस्य इस कार्यक्रम में अत्यंत ही दुर्लभ व पुराने भजन भी प्रस्तुत कर रहे हैं, जो लुप्त हो रहे हैं। आप भी प्रतिदिन इस कार्यक्रम से अपने मोबाइल या लैपटॉप के माध्यम से जुड सकते हैं। आपको एक से एक भजन सुनने के साथ भजन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित भी किया जाएगा।

बिहार महिला एसोसिएशन ने सावन के अवसर पर निकाली कलश यात्रा

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा कलश यात्रा का शुभारंभ दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में अनिता भगत कि अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर सैकड़ों महिलाओं ने अपने अपने पूरे परिवार के साथ कलश लेकर दुर्गा माता मंदिर पर से निकल कर महिंद्रा हिल्स शंकर भगवान के मंदिर पर पहुंचे और एक एक कर के जल और दूध चढ़ा कर हर हर महादेव के जयघोष लगाते हुए पूजा की। इस मौके पर बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के सचिव सागर भगत ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित रहे।

इस मौके पर बिहार महिला एसोसिएशन की कल्चरल हेड ममता यादव ने कहा कि पहली बार के प्रयास में संस्था की सभी महिलाओं ने इस पूजा को भव्य रूप से मनाने में सहयोग किया और उन्होंने घोषणा की कि महिला संगठन के द्वारा हर साल इसी तरह कलश यात्रा निकाली जाएगी। अध्यक्ष अनीता भगत ने आई हुई सभी महिलाओं और पदाधिकारियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर निशा यादव, संगीता ठाकुर, प्रीति यादव रविता भगत, गुड़िया यादव, छठी देवी, रिंकी देवी, मंजू भगत, गीता देवी, कविता यादव, मीना भगत, इंदु मिश्रा, मुन्नी देवी, छठी देवी, पूजा आदि बहुत सी महिला सदस्यों ने भाग लिया।

वंचित बच्चों की सहायतार्थ जेसीआई ने फंड रेजिंग तंबोला का किया आयोजन

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जेसीआई (जूनियर चैंबर इंटरनेशनल) 150 देशों में फैले नेताओं और उद्यमियों का एक गैर-लाभकारी संगठन है। जेसीआई सिकंदराबाद पैराडाइज़ उत्कृष्ट सेवा और सकारात्मक व्यक्तित्व प्रदान करने वाला एक अग्रणी महिला चैप्टर है, जो अपने सदस्यों और समुदाय के लिए विभिन्न विकास के अवसर प्रदान कर रहा है। इसी दृष्टिकोण के आलोक में जेसीआई सिकंदराबाद पैराडाइज़ ने बीती 27 जुलाई को द पार्क होटल सोमाजीगुडा में एक फंड रेजिंग तंबोला कार्यक्रम-खेलो नंबर जीतो बंपर का आयोजन किया। वंचित बच्चों और सेलेब्रल पाल्सी आश्रम की सहायता के लिए अध्यक्ष रोज़ एम वासे और उनकी टीम ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। 300 से अधिक विशिष्ट महिलाओं और लगभग 20 प्रायोजकों के साथ यह एक जबरदस्त सफलता थी। यह कार्यक्रम गूगी प्रॉपर्टीज के सहयोग से आयोजित किया गया था और महावीर पर्ल्स द्वारा सह प्रायोजित था और इसमें सीबीजे, पावरटेक और एसएसवी और कई अन्य लोग सहयोगी थे। इन कॉरपोरेट घरानों द्वारा प्रायोजित कई उपहारों जैसे साड़ी, सोना, चांदी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि के साथ तंबोला के 4 राउंड आयोजित किए गए।थीम मानसून थी और सचमुच मेहमानों पर उपहारों और पुरस्कारों की बारिश हो रही थी। सभी अतिथि एक नेक कार्य में योगदान देने की संतुष्टि की भावना और उपहारों से भरे बैग के साथ कार्यक्रम स्थल से वापस लौटे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की श्रावण की सैर 4 अगस्त को

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद 14 खेड़ा 7 खेड़ा कोलर बाघाना पट्टी की श्रावण की सैर का आयोजन आगामी 04 अगस्त को आई माता मंदिर पेद्दाशापुर तांडा, शमशाबाद में आयोजित होगी। इसी संदर्भ में एक बैठक चौधरी रमेश कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में रविवार को श्रृंग ऋषि भवन दालमंडी में रखी गई। बैठक में बताया गया की वर्षो से चली आ रही होली की गैर की रकम से सैर की जाती है पर पिछले 5-6 वर्षो से यह सैर नही हुई। बैठक में चौधरी ने होली की गैर की रकम का ब्योरा दिया व सैर के विषय में चर्चा की एवं 14+7+ कोलर बाघाना पट्टी युवा समिति को इसकी जिम्मेदारी दी गई। समिति के सदस्यों ने सहर्ष इस कार्य को पूर्ण करने की स्वीकृति प्रदान की व युवा समिति के सभी सदस्य इस भव्य आयोजन में सहयोग देंगे व संयोजक तैयारी की रूपरेखा बनाई गई। इस अवसर पर महिला समिति को विभिन्न प्रकार के खेलकूद व अन्य सांस्कृतिक कार्य का भार सौपा गया। इस बैठक में समाज के चौधरी रमेश कुमार उपाध्याय, रामदेव नागला, चंद्रभान व्यास, नंदकिशोर चुत्रावत, गोविंद उपाध्याय, सत्यनारायण उपाध्याय, गणपतलाल तुकार, राजेंद्र खरतावत, बद्रीनारायण नागला, नंदकिशोर दमावत, सुनील तिवाड़ी, घनश्याम व्यास, श्रीनिवास व्यास, राधेश्याम नागला, बाबूलाल चुत्रावत, कन्हैयालाल कुराडिया, गोपाल नागला, ओमप्रकाश भिलावत, जवरीलाल उपाध्याय, दामोदर तिवाड़ी, पवन खरतावत, पुरषोत्तम व्यास, मनोज पांडे, राजेश व्यास, कमल किशोर पांडे, गोपाल व्यास कुरना, जुगल किशोर व्यास, राजकुमार नागला, मनोहर नागला, राधेश्याम व्यास, गिरिराज उपाध्याय, नंद किशोर व्यास एवं युवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

ओबीसी समाज में बजरंगबली की शक्ति : योगी

हिंदू समाज को तोड़ने में लगे रावण की लंका का करेंगे दहन

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कालांतर में जिस तरह से विदेशी आक्रांताओं ने हिंदू समाज में फूट डालने का षड्यंत्र रचा था। उसी तरह से विपक्षी दल भी छद्म धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हिंदू समाज को आपस में लड़ाने की साजिश रच रहे हैं। ओबीसी समाज में बजरंगबली की शक्ति है, बस उस शक्ति को जगाने की आवश्यकता है। हिंदू समाज को तोड़ने में लगे रावण की लंका के दहन में देरी नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े छह-सात वर्षों में प्रदेश में सरकारी नौकरियों में साढ़े छह लाख भर्तियां हुई हैं, जिसमें 60 प्रतिशत ओबीसी समाज के लोग भर्ती हुए हैं।

सीएम योगी सोमवार को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में वर्ष 2015-2016 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा की आयोग की भर्ती में 86 में से 56 एसडीएम एक ही जाति विशेष के चयनित हुए थे। यह ओबीसी समाज के हितों पर कुठाराघात था। सीएम योगी ने कहा कि बेसिक शिक्षा की 69000 भर्ती पर प्रश्न खड़ा करने वाले लोग समाजवादी पार्टी के वही मोहरें हैं, जिन्होंने 86 में से 56 एक ही परिवार और एक ही समाज के लोगों को भर्ती किया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में बेसिक शिक्षा में 125000 शिक्षकों की भर्ती हुई। सीएम योगी ने कहा कि 69000 भर्ती में अगर 27 प्रतिशत आरक्षण की बात जाए तो 18200 ओबीसी शिक्षकों की भर्ती होती, लेकिन ओबीसी समाज के 31500 शिक्षकों की भर्ती हुई।

सीएम योगी ने कहा कि विपक्षी दलों को इस बात की चिंता है कि ओबीसी समाज के युवा अपने बुद्धि और विवेक के बल पर कैसे इतनी अधिक सीटें प्राप्त कर ले रहे हैं। इसलिए वह भर्ती को विवादित करने की साजिश रचते हैं। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकार में कांवड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाया गया था। कांवड़ यात्रा केवल शिव भक्तों का मंगलगान ही नहीं है बल्कि इसके साथ रोजगार भी जुड़ा हुआ है। कांवड़ यात्रा से छोटे दुकानदारों और हस्तशिल्पियों का रोजगार भी मिलता है, जिसे पिछली सरकारों ने रोकने का कार्य किया था। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में 60 और सपा ने चार-चार बार शासन किया, लेकिन इन दलों की सरकारों ने ओडीओपी के लिए कुछ नहीं किया। ओडीओपी से जुड़े हुए हस्तशिल्पी ओबीसी समाज से आते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 2006 में भारतीय जनता पार्टी के विधायक कृष्णानंद राय की हत्या हुई थी। उस हत्याकांड में कृष्णानंद राय के साथ मरने वाले उमेश पटेल और रमेश यादव भी थे। क्या वे ओबीसी समाज से नहीं थे? राजू पाल और उमेश पाल की प्रयागराज में जिस माफिया ने हत्या की थी, उस माफिया को गले से किसने लगाया था, इसे सब जानते हैं। उन्होंने कहा कि सपा ने माफिया को गले से लगाकर प्रदेश को अराजकता, गुंडागर्दी और दंगों की आग में झोंकने का कार्य किया था।

सीएम योगी ने कहा कि जिन लोगों ने ओबीसी समाज की नौकरियों में डकैती डाली, जिन लोगों ने युवाओं का रोजगार छीना और जिन लोगों प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, वे लोग आज वह समाज में फूट डालो और राज करो की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा ने ओबीसी समाज के लोगों का रोजगार छीना। वहीं भाजपा ने इस समाज के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों और बटाईदारों को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा के तहत पांच लाख रुपए की धनराशि उपलब्ध करा रही है। कृषि सेक्टर से जुड़े हुए ज्यादातर लोग ओबीसी समाज के आते हैं। सीएम योगी ने कहा कि जब समाज विभाजित था, तब अयोध्या में प्रभु श्रीराम, मथुरा में भगवान कृष्ण और काशी में महादेव का मंदिर अपवित्र हुआ। ओबीसी समाज सबसे अधिक गो सेवा करता था। उनसे गायों को छीनकर कसाइयों के हवाले किया जाने लगा, गोकशी होने लगी। आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ होने लगा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल अयोध्या, मथुरा, काशी, कांवड़ यात्रा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, होली, दीपावली, पर्व त्यौहार, दंगों और माफिया राज पर बात नहीं करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि ये लोग जाति के नाम पर आपको लड़ाने का कार्य करेंगे। इसके लिए इन्होंने स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया को हथियार बनाया है। जिसके माध्यम से ये झूठे वक्तव्य को फैला रहे हैं। इसलिए इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है।

यूपी में एम्बुलेंस का फर्जी बिल घोटाला

एक केस में मिलते हैं चार हजार

रोज 25 से 30 का टारगेट

लखीमपुर खीरी, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

108 और 102 नंबर एंबुलेंस सेवा में फर्जीवाड़े के आरोप की गूंज तेज हो गई है। एक केस पर एंबुलेंस कंपनी को सरकार से चार हजार रुपए मिलते हैं। ऐसे में प्रत्येक एंबुलेंस चालक व एमटी को रोज 25 से 30 केस करने का टारगेट मिल रहा है। जो टारगेट पूरा नहीं कर पाता है, उसको नौकरी से निकाल दिया जाता है। मजबूरी में कर्मचारी गड़बड़ी करते हैं। सेवा से बर्खास्त कर्मचारियों ने शासन-प्रशासन में शिकायत कर यह गंभीर आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

निकाले गए कर्मचारी कैप्टन संदीप बाबू, पंकज कुमार, अतुल कुमार आदि ने शासन के साथ ही डीएम को संबोधित शिकायती पत्र एसडीएम को सौंपा है। कहा कि एंबुलेंस सेवा प्रदाता जीवीके कंपनी कर्मचारियों पर केस बढ़ाने का दबाव बनाती है। ऐसा न करने पर नौकरी से निकाल दिया जाता है। मजबूरन कर्मचारी फर्जी आंकड़ा पीसीआर पर चढ़ाते हैं।

सबसे ज्यादा फर्जी केस हॉस्पिटल से घर जाने वाले मरीजों के नाम पर किया जाता है। दर्ज होने वाले अधिकांश मोबाइल नंबर फर्जी मिलेंगे। एक ही मरीज को कई बार अस्पताल में दिखाया जाता है। अस्पताल के रजिस्टर में मरीज कब आया है, उसका मिलान किया जाए तो लगभग फर्जी मिलेंगे। कर्मचारियों ने जांच कराकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। कैप्टन संदीप बाबू ने बताया कि जिले के 100 कर्मचारी ऐसे हैं, जो गड़बड़ी का विरोध करते थे, जिनको कंपनी ने निकाल दिया है।

जनपद में 108, 102 की 90 एंबुलेंस हैं। इसमें चार एंबुलेंस एलएस हैं। यह एम्बुलेंस मरीजों को अस्पताल लाने और ले जाने का काम करती हैं। 90 एंबुलेंस में करीब 360 कर्मचारी तैनात है। एक एंबुलेंस में चालक और एमटी यानी दो कर्मचारी होते हैं। प्रत्येक टीम 12 घंटे की ड्यूटी करती है।

श्रद्धालुओं की सुगम-सुरक्षित यात्रा के लिए कई प्रबंध हुए: योगी

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

देवाधिदेव महादेव का पावन श्रावण मास प्रारंभ हो चुका है। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा जगविख्यात है। उत्तर भारत समेत पूरे देश के अंदर इस दौरान शिवभक्त महादेव के अनुष्ठान में लीन होकर सभी शिवालयों में जलाभिषेक के साथ अपनी असीम भक्ति का प्रदर्शन करते हैं। केंद्र व राज्य शासन ने मिलकर श्रद्धालुजनों की सुरक्षा, सुविधा, सुमग व सुरक्षित कांवड़ यात्रा के लिए अनेक प्रबंध किए हैं। कहीं कोई दिक्कत, अव्यवस्था न हो, कोई भी आस्था के साथ खिलवाड़ न करने पाए, इन बातों को ध्यान में रखा गया है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत की। सीएम ने प्रदेशवासियों को श्रावण मास के द्वितीय सोमवार की शुभकामना भी दी। सीएम ने कहा कि हम लोग शिवभक्त हैं। महादेव की असीम कृपा हम पर बनी रही है। महादेव से प्रार्थना करते हैं कि उनकी कृपा सदैव बनी रहे। कोई भी पर्व व त्योहार, साधना बिना आत्मानुशासन के पूरी नहीं होती है। सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए हमें न केवल अंतःकरण, बल्कि बाहरी रूप से भी इस प्रक्रिया के साथ लीन होना पड़ेगा। शिवो भूत्वा शिवं यजेत (शिव बनने के लिए शिव जैसी साधना भी चाहिए)। सीएम योगी ने कहा कि आत्मानुशासन भी चाहिए। तब यह कांवड़ यात्रा न केवल श्रद्धा व विश्वास के प्रतीक, बल्कि आमजन के व्यापक विश्वास का प्रतीक बनकर उभरेगी।

सीएम योगी ने कहा कि असीम श्रद्धाभाव के साथ जनता-जनार्दन व समाज के अलग-अलग तबके के लोग कांवड़ यात्रियों के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं। सरकार भी बेहतर पेट्रोलिंग, स्वच्छता, स्वास्थ्य शिविर लगाकर अनेक प्रयास कर रही है। आवश्यकतानुसार ड्रोन व हेलीकॉप्टर से निगरानी व पुष्पवर्षा की व्यवस्था भी की है। सीएम ने कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा हम पर बनी रहे। उन्होंने शिवभक्तों से अपील की कि हम व्यवस्था के साथ जुड़कर यात्रा का न केवल आनंद लें, बल्कि श्रद्धा-विश्वास के साथ आत्मानुशासन का परिचय देते हुए पावन श्रावण मास के कांवड़ यात्रा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में योगदान दें। सीएम ने सभी भक्तों को सुगम, सुरक्षित यात्रा की मंगलमय शुभकामनाएं भी दीं।

बरेली में बच्चों का हो रहा था ईसाई धर्मांतरण

पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

बरेली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बरेली में पुलिस ने तीन लोगों को हिंदू बच्चों का प्रलोभन से ईसाई धर्मांतरण करवाने के मामले में गिरफ्तार किया है। तीनों एक किराए के घर में बच्चों को बहका कर उनका धर्मांतरण करवाते थे। पुलिस को इस मामले में बाहरी फंडिंग का भी शक है। बरेली के इज्जतनगर इलाके में यह काम चल रहा था। इज्जतनगर के ही निवासी गुलशन बहादुर ने जब यहां जाकर सच्चाई जाननी चाहिए तो मिशनरी वालों ने उनका भी धर्मांतरण करवाने का प्रयास किया। गुलशन बहादुर ने बताया कि वह रविवार (28 जुलाई, 2024) को इस इलाके में अपने किसी काम से पहुंचे थे। यहां पर रहने वालों ने उन्हें सूचना दी कि कुछ लोग एक घर में कुछ बच्चों को लेकर गए हैं और उनको ईसाई धर्मांतरण के लिए प्रलोभन दे रहे हैं। वह स्वयं जब अंदर गए तो उन्होंने देखा कि यहां तीन लोग मौजूद थे और उन्होंने काफी बच्चों को यहां इकट्ठा कर रखा था। तीनों ने बताया कि वह बच्चों को ईसाई धर्म में दीक्षित कर रहे हैं।

उन्होंने गुलशन बहादुर को एक किताब पकड़ाई जिसका नाम नीति शास्त्र था लेकिन उसके अंदर ईसाई धर्म से जुड़ी बातें लिखी हुई थीं। उन्होंने गुलशन बहादुर को भी इसमें से कुछ पढ़वाया और उनका भी धर्मांतरण करवाने का प्रयास किया। गुलशन ने इसके बाद पुलिस बुलवा ली। जब पुलिस यहां पहुंची तो उसे काफी संख्या में बच्चे मिले। पुलिस ने यहां से तीन लोगों को गिरफ्तार किया जिनके नाम प्रेम जायल, विनोद उपाध्याय और नितिन हैं। पुलिस ने यहां से बरामद बच्चों को उनके घर पहुंचा दिया और तीनों को थाने ले आई।इन तीनों अपर आरोप है कि कि यह तीनों पहले भी ईसाई धर्मांतरण में लिप्त रहे हैं। यह अपनी सभाओं में बच्चों को ही मुख्यतः बुलाते थे और उन्हें खाने पीने का सामान देकर धर्मांतरण करवाते थे। इनमें से प्रेम जायल कुछ साल पहले ही धर्मांतरित हुआ था। इसके बाद वह बाकी लोगों को निशाना बनाने लगा। बताया गया है कि वह ऐसी सभाओं में मुख्यतः बच्चों और महिलाओं को बुलाता और उन्हें ईसाई धर्म कबूल करवाता। इसके बाद उन्हें हर रविवार को प्रार्थना सभा में आने को कहता।

अखिलेश के आगे न चाचा और न पीडीए

चाचा को ठिकाने लगाने के लिए चला माता का दांव

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी ने यूपी विधानसभा में माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष बनाकर अपने चाचा को ठिकाने लगाने का दांव चला। अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव इस पद के एकमात्र प्रबल दावेदार थे। लेकिन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव और पीडीए के सिद्धांत को ताक पर रख कर माता प्रसाद पांडेय को आलिंगनबद्ध कर लिया। लोकसभा चुनाव में पीडीए का पायदा उठा कर उन्हें उस सिद्धांत को किनारे लगा दिया।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद अखिलेश यादव के सांसद चुने जाने के कारण रिक्त हुआ था।

राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन था कि सपा के सबसे कद्दावर नेता शिवपाल यादव प्रतिपक्ष के नेता बनाए जाएंगे या पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समाज का कोई नेता इस पद के लिए चुना जाएगा। विधायक रामअचल राजभर, इंद्रजीत सरोज और तूफानी सरोज के नाम भी सामने आए, लेकिन अखिलेश तो अपने चाचा को पटखनी देने का उपाय तलाश रहे थे।

गडकरी ईरानी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को ईरान के निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्री गडकरी कल सुबह ईरान की राजधानी तेहरान में आयोजित ईरानी राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

गौरतलब है कि ईरान के दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के अंतिम संस्कार में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। रायसी ने भारत को 10 साल के लिए चाबहार बंदरगाह के संचालन की अनुमति संबंधी द्विपक्षीय समझौते में महत्वपूर्ण पहल की थी। वहीं पिछले साल ईरान की ब्रिक्स की सदस्यता के मामले में भारत की अहम भूमिका रही।

उन्नत भूमि नेविगेशन प्रणाली तथा 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल की क्षमता में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके अंतर्गत भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों को बेहतर किया जाएगा। दूसरी ओर तटरक्षक बलों की इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए भी आधुनिक प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह निर्णय सोमवार को हुई एक बैठक में लिए गए।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को हुई। दिल्ली में हुई इस बैठक में विभिन्न पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों पर विचार किया गया। बैठक में भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए उन्नत भूमि नौवहन प्रणाली (एएलएनएस) की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि उच्च स्तर के एन्क्रिप्शन के साथ यह प्रणाली स्पूफ-प्रूफ है। एएलएनएस एमके-2 रक्षा श्रृंखला मानचित्रों के साथ अनुकूलता प्रदान करता है। इसके परिणामस्वरूप एएफवी के लिए नौवहन संबंधी अनुप्रयोगों में बहुत अधिक सटीकता होती है। यह उपकरण चेन्नई स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। यह भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित (आईडीडीएम) श्रेणी के तहत खरीदा जाएगा।

एएलएनएस एमके-2 जीपीएस और ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीए-लओएनएएसएस) से लैस है। इसके अलावा भारतीय समूह (आईआरएनएसएस, एनएव-ीआईसी), भारत का उपयोग करके भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली, नेविगेशन के साथ संगत है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारतीय तट रक्षक की क्षमताओं को बढ़ाने हेतु भी पहल की गई है। इसके अंतर्गत डीएसी ने समुद्री सीमा में त्वरित अवरोधन और उथले पानी में संचालन में सक्षम नवीनतम अत्याधुनिक प्रणाली के साथ 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया। इन नौकाओं का उपयोग चिकित्सा संबंधी निकासी सहित तटीय निगरानी एवं गश्त, खोज एवं बचाव कार्यों के लिए किया जाएगा।

एएसआई रत्न भंडार के अंदर छिपे हुए कक्षों की जांच करेगा: न्यायमूर्ति रथ

पुरी, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ओड़ीशा में पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर के भीतर रत्न भंडार के अंदरूनी हिस्से की जांच अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करके करेगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वहां क्या छिपा हुआ है।

ग्यारह सदस्यीय रत्न भंडार समिति के अध्यक्ष जस्टिस बिस्वनाथ रथ ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि भितर रत्न भंडार के अंदरूनी हिस्से की जांच की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वहां कोई छिपा हुआ या छुपे हुए डिब्बे हैं जिनमें भगवान के कीमती सामान हैं। जस्टिस रथ ने कहा कि हमारी प्राथमिकता रत्न भंडार सहित 12वीं सदी के इस मंदिर का संरक्षण करना है। कई विद्वानों और प्राचीन धर्मग्रंथों का मत है और लोकप्रिय धारणा यह है कि देवताओं के खजाने की एक बड़ी मात्रा गुप्त कमरों में संग्रहित की गई है। उन्होंने कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से रत्न भंडार, उसके आस-पास की दीवारों और फर्श की गहन जांच करके इस विश्वास को निष्कर्ष देने का संकल्प लिया है। न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि अगर कुछ नहीं मिला तो भितर रत्न भंडार को मरम्मत और संरक्षण कार्य के लिए एएसआई को सौंप दिया जाएगा।

एसडीआरएफ की तत्परता से 28 कांवड़ियों को मिला जीवनदान, छह की खोज जारी

हरिद्वार/देहरादून, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तराखंड पुलिस के राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवानों ने सोमवार को कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में कांगड़ा घाट पर नियुक्त रहते हुए कुल 28 कांवड़ियों को डूबने से बचा लिया। जबकि छह अन्य लापता व्यक्तियों की तलाश भी कर रही है।

एसडीआरएफ प्रवक्ता निरीक्षक प्रमोद पेटवाल ने बताया कि आज कांगड़ा घाट पर उनके बचाव दलों ने देश के विभिन्न स्थानों से कांवड़ में जल भरने आए कुल 28 कांवड़ियों को उस समय गंगा की तेज बहाव में बहते हुए हुए सुरक्षित निकाला, जब वे नहाते समय पैर फिसलने से बह गए। उन्होंने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान किये जा रहे त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन से अब तक 68 कांवड़ियों को नया जीवन मिला है। एसडीआरएफ जवानों के समर्पण व कर्तव्यनिष्ठा की घाट पर मौजूद कावड़ियों, स्थानीय व्यक्तियों तथा परिजनों द्वारा अत्यधिक प्रशंसा की गई है।

श्री पेटवाल ने बताया कि इसके अलावा, बैरागी पार्किंग से 03 कांवडिए नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। सूचना पर एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम द्वारा राफ्ट की मदद से नदी में काफी आगे तक सर्च किया गया। जबकि नमामि गंगे घाट पर 02 और कावड़ियों के डूबने की सूचना पर एसडीआरएफ की एक अन्य टीम द्वारा कांवड़ियों की घटनास्थल के आसपास संभावित स्थानों पर गहन सर्चिंग की जा रही है। इसके साथ, रविवार को लक्सर में डूबे 19 वर्षीय आरिफ की खोजबीन भी जौरासी पुल के पास टीम द्वारा की जा रही है।

यूपी के बच्चों को सिखाई जा रही सामुदायिक सहभागिता

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

योगी सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में शिक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सातवें दिन सामुदायिक सहभागिता दिवस मनाया गया। इसके जरिए परिषदीय स्कूलों के बच्चों को निपुण बनाने के लिए उनमें सामुदायिक सहभागिता के भाव बोये गये। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने न सिर्फ अपने ज्ञान, कौशल व अनुभव को बच्चों के साथ साझा किया बल्कि शिक्षा चौपाल का आयोजन कर उन्हें शिक्षा के महत्व को भी बताया गया। परिषदीय बच्चों को शिक्षित करने में अपना योगदान देने वाले सक्रिय वालंटियर्स के नामों को विद्यालय की सम्मान की दीवार या सूचना पट्ट पर अंकित करने का काम हुआ तो बच्चों को निपुण बनाने के लिए रैलियां निकालकर उन्हें जागरूक किया गया। इतना ही नहीं, नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर उनमें सामुदायिक सहभागिता के भाव भरे गए। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग 22 से 28/29 जुलाई के बीच परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शिक्षा सप्ताह मनाया गया है।

इसके लिए अलग-अलग दिनों के लिए अलग-अलग गतिविधियां और कार्यक्रम तय किये गये थे। इसी क्रम में 28/29 जुलाई को सामुदायिक भागीदारी दिवस मनाया गया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने की बीआरएस नेताओं की आलोचना

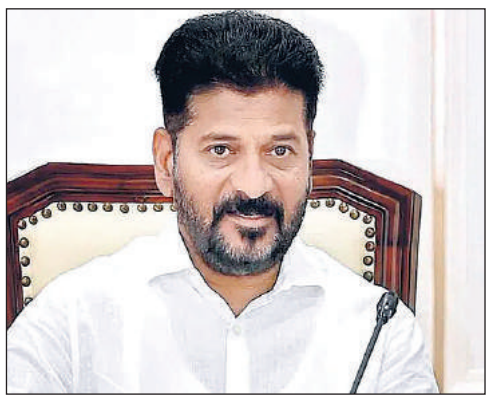

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने छत्तीसगढ़ से बिजली की खरीद और यदाद्री पावर प्लांट के निर्माण की जांच की मांग करने और फिर उसी जांच को खारिज करने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की।

सोमवार को विधानसभा में बिजली आवंटन पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बीआरएस नेताओं की मांगों के बाद छत्तीसगढ़ से बिजली की खरीद और यदाद्री पावर स्टेशन के निर्माण की जांच के लिए जस्टिस नरसिम्हा रेड्डी की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया था।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अब जब आयोग जांच कर रहा है, तो बीआरएस उच्चतम न्यायालय में अपील करके इसे रोकने की कोशिश कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री के आयोग के समक्ष पेश नहीं होने पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जांच की मांग की और अब वे जांच रोकने की मांग कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय ने सुझाव दिया है कि आयोग को बने रहना चाहिए लेकिन किसी दूसरे अध्यक्ष के साथ। मुख्यमंत्री ने कहा, हम आज शाम विद्युत आयोग के नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेंगे।

श्री रेड्डी ने यह भी याद किया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी ने बिजली कटौती से उबरने का फैसला किया था और केंद्र में यूपीए सरकार की पहल के कारण हैदराबाद की आय में वृद्धि हुई थी। उन्होंने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी के सुझाव के बाद बिजली का आवंटन उपयोग के आधार पर किया गया था, जिसके कारण तेलंगाना को 54 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

एपी पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, तेलंगाना को 36 प्रतिशत जबकि आंध्र प्रदेश को 66 प्रतिशत मिलना था। उन्होंने कहा कि जयपाल रेड्डी ने तेलंगाना को अंधेरे से बचाया और सोनिया गांधी तथा जयपाल रेड्डी की मदद से तेलंगाना ने बिजली संकट पर काबू पाया।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ, जिसमें बीएचईएल से लेकर सिविल कार्यों तक के ठेके बेनामियों को सौंपे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुंकि आयोग इन सभी मुद्दों को उजागर करेगा, इसलिए बीआरएस इसे रोकने की कोशिश कर रहा है।

सीएम ने की राज्यपाल से मुलाकात

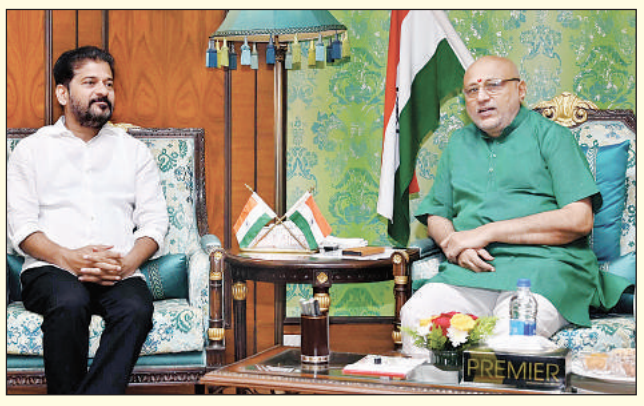

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने छत्तीसगढ़ से बिजली की खरीद और यदाद्री पावर प्लांट के निर्माण की जांच की मांग करने और फिर उसी जांच को खारिज करने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की।सोमवार को विधानसभा में बिजली आवंटन पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बीआरएस नेताओं की मांगों के बाद छत्तीसगढ़ से बिजली की खरीद और यदाद्री पावर स्टेशन के निर्माण की जांच के लिए जस्टिस नरसिम्हा रेड्डी की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया था।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अब जब आयोग जांच कर रहा है, तो बीआरएस उच्चतम न्यायालय में अपील करके इसे रोकने की कोशिश कर रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री के आयोग के समक्ष पेश नहीं होने पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जांच की मांग की और अब वे जांच रोकने की मांग कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय ने सुझाव दिया है कि आयोग को बने रहना चाहिए लेकिन किसी दूसरे अध्यक्ष के साथ। मुख्यमंत्री ने कहा, हम आज शाम विद्युत आयोग के नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेंगे। श्री रेड्डी ने यह भी याद किया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी ने बिजली कटौती से उबरने का फैसला किया था और केंद्र में यूपीए सरकार की पहल के कारण हैदराबाद की आय में वृद्धि हुई थी। उन्होंने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी के सुझाव के बाद बिजली का आवंटन उपयोग के आधार पर किया गया था, जिसके कारण तेलंगाना को 54 प्रतिशत प्राप्त हुआ। एपी पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, तेलंगाना को 36 प्रतिशत जबकि आंध्र प्रदेश को 66 प्रतिशत मिलना था। उन्होंने कहा कि जयपाल रेड्डी ने तेलंगाना को अंधेरे से बचाया और सोनिया गांधी तथा जयपाल रेड्डी की मदद से तेलंगाना ने बिजली संकट पर काबू पाया।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ, जिसमें बीएचईएल से लेकर सिविल कार्यों तक के ठेके बेनामियों को सौंपे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुंकि आयोग इन सभी मुद्दों को उजागर करेगा, इसलिए बीआरएस इसे रोकने की कोशिश कर रहा है।

चौदह सौ करोड़ के जीएसटी घोटाले में पांच के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पूर्व मुख्य सचिव सोमेश कुमार और चार अन्य आरोपियों के खिलाफ कई कंपनियों द्वारा किए गए 1,400 करोड़ रुपए से अधिक के वस्तु एवं सेवा कर चोरी से संबंध में मामला दर्ज किया गया है। हैदराबाद पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि श्री कुमार ने कर विभाग के भारतीय प्रौद्योगिकी-हैदराबाद (आईआईटी-हैदराबाद) द्वारा तैयार किये गये जांच मॉड्यूल में बदलाव का आदेश देकर बेईमान कंपनियों का पक्ष लिया, जिसके कारण अनियमितताओं का पता नहीं चल सका।

केंद्रीय अपराध थाना (सीसीएस) ने कहा कि श्री कुमार के खिलाफ आपराधिक विश्वासघात और साजिश रचने को लेकर प्राथमिकी की गयी है। साथ ही वाणिज्यिक कर के अतिरिक्त आयुक्त एस वी काशी विश्वेश्वर राव, उपायुक्त (हैदराबाद ग्रामीण) शिवराम प्रसाद, आईआईटी-हैदराबाद के सहायक प्रोफेसर सोभनबाबू और प्लिंटो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

हजारों करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी के संबंध में वाणिज्यिक कर संयुक्त आयुक्त रवि कनुरू द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर श्री कुमार को आरोपी अधिकारी (एओ-5) के रूप में सूचीबद्ध किया है। घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी-कानून के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406, 409 और 120 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, वाणिज्यिक कर कार्यालय द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सिर्फ स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन से जीएसटी में 1,000 करोड़ रुपये का घाटा सामने आया है, जबकि 11 अन्य कंपनियों ने 400 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। करीब 75 कंपनियां अनियमितताओं की दोषी पाई गई हैं।

पुलिस ने बताया कि स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन के रिकॉर्ड की फोरेंसिक ऑडिट के दौरान घोटाले का पर्दाफाश हुआ। इसके अलावा मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली बिगलीप टेक्नोलॉजीज ने बिना कोई कर चुकाए 25.51 करोड़ रुपए का इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल कर लिया।

गौरतलब है कि वाणिज्यिक कर विभाग के लिए सेवा प्रदाता के रूप में कार्यरत आईआईटी-हैदराबाद, तेलंगाना में करदाताओं द्वारा दाखिल किए गए आईटी रिटर्न में अनियमितताओं का पता लगाने और डेटा का विश्लेषण करने की जिम्मेदारी संभालता है, लेकिन आईआईटी-हैदराबाद द्वारा डिजाइन किया गया स्क्रूटनी मॉड्यूल बिगलीप टेक्नोलॉजीज की अनियमितताओं की पहचान करने में विफल रहा।

आईआईटी-हैदराबाद द्वारा इस मॉडल में बदलाव किया जा सकता है और इसी का फायदा उठाकर श्री कुमार के निर्देशों के तहत ऐसे बदलाव किए गए थे, जिसके अनियमितताओं का पता नहीं चल पाया। इस उद्देश्य के लिए स्पेशल इनिशिएटिव्स नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया था, जिसमें श्री कुमार, काशी विश्वेश्वर राव और शिवराम प्रसाद सदस्य थे। प्रोफेसर सोभनबाबू को व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए निर्देश मिले। आंतरिक जांच के दौरान पता चला कि व्हाट्सएप ग्रुप दिसंबर 2022 में बंद कर दिया गया था, लेकिन यह जनवरी 2024 तक जारी रहा।

रिश्वतखोर आधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी

मदनूर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक टी लक्ष्मीकांत राव ने जुक्कल विस क्षेत्र के आधिकारियों पर आरोप लगाते हुए एक वीडियो वायरल किया है जिसमें जुक्कल विस क्षेत्र के विविध शाखा के आधिकारियों के साथ कुछ तहसील कार्यालय के अधिकारी पर आरोप लगाते हुए विधायक ने बताया कि तहसील कार्यालय में एक दूसरे की जमीन नाम पर करने के लिय स्थानिक जनता द्वारा रिश्वत लेने की बात मुझे मालूम हुई है।

रिश्वतखोर आधिकारियों की लिस्ट मेरे पास है अगर आप को रिश्वत ही लेना है तो अपना रवैया बदल लें या जुक्कल विस क्षेत्र से तबदला कर लें नहीं तो आप की खैर नहीं। समय आने पर आप के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की

जाएगी। विधायक के इस बयान पर जुक्कल की जनता लक्ष्मीकांत राव के प्रति आभार व्यक्त कर रही है।

सड़कों पर मवेशियों के जमावड़े से ट्रैफिक जाम, लोग परेशान

आसिफाबाद, 29 जुलाइ (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरमभीम आसिफाबाद की सड़कों पर मवेशी द्वारा लोगों को कभी-कभी दौड़ाने का कार्य भी होता है। ऐसे में गाड़ी सामने से आने पर दुर्घटना भी होती रहती है। शहर के विवेकानंद चौक, अंबेडकर चौक और गांधी चौक की सड़कों पर मवेशी इस तरह बैठे रहते हैं कि गाड़ी निकालना भी मुश्किल हो जाता है। शहर की कई महत्वपूर्ण सड़कों पर जगह- जगह पर 4 से 5 मवेशी झुंड बनाकर बैठे रहते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था भी जाम हो जाती है। दुर्भाग्य है कि सड़कों पर मवेशियों के कारण होने वाली तमाम परेशानियों पर नगर पालिका चुप बैठी है। मवेशियों को रोड से मुक्त कराने की योजना धरातल पर उतरती नजर नहीं आ रही है।

लोगों को हो रही परेशानियों की चिंता नगर पालिका के जन प्रतिनिधियों को भी नहीं है। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि जनता

स्वयं संभलकर चलें। आवारा पशुओं के लिए सोसायटी का भी गठन नगर पंचायत में नहीं हुआ है। प्रशासन के द्वारा समय-समय पर यातायात व्यवस्था एवं पशुओं की समस्या को लेकर बैठक होती है, लेकिन किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने से आम आवाम की परेशानी जस की तस बनी हुई है। जिला प्रशासन, अनुमंडल प्रशासन का भी ध्यान इस ओर नहीं है। ऐसे में मवेशियों के साथ-साथ सड़कों के किनारे कई जगह ठेले खोमचे, वाहनों को यत्र-तत्र खड़ा करने से जाम की स्थिति बनती। इससे पहले आसिफाबाद में सड़क पर मवेशियों द्वारा सड़क जाम की समस्या की खबर शुभ लाभ दैनिक अखबार ने कई बार उठाया है। अखबार में खबर छपने के बाद अधिकारी एक- दो दिन के लिए हरकत में आकर अपनी कार्रवाई करते हैं। उसके बाद लोगों की समस्या तस की जस रहती है। असिफाबाद के युवा मवेशियों द्वारा सड़क पर जमा होने पर उनकी फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं, लेकिन फिर भी प्रशासन कुंभकरणी नींद से नहीं जाग पाता है।

कई बार इस स्थानियों ने इस समस्याओं के बारे में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया है, लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। बारिश के मौसम में शाम होते ही सड़कों व चौक-चौराहों पर मवेशियों का जमावड़ा होना शुरू हो जाता है, जो रातभर रहता है। ये मवेशी झुंड बनाकर बैठे रहते हैं। इसके चलते आवागमन तो प्रभावित होता ही है साथ ही दुर्घटना होने की पूरी संभावना रहती है। लोगों ने मांग की है कि मवेशियों से होने वाली समस्याओं का समाधान किया जाए अन्यथा किसी भी दिन अनहोनी हो सकती है जिसकी सारी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी।

आधिकारियों की लापरवाही के चलते स्वास्थ केंद्र खुद दर्द से रहा कराह

स्वास्थ्य केंद्र भवन की छत पर उग आए पौधे और छत से टपक रहा पानी
भवन के खिड़की-दरवाजे भी टूट चुके, ठंड में ठिठुरते रहते हैं मरीज

मदनूर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय जनता ने पत्रकारों के साथ बातचीत में बताया कि मदनूर मंडल निवासी भू दाता स्वर्गीय रामसुख बालमुकुंद इंनानी ने स्थानीय जनता के सेवा के लिए पांच एकड़ अपनी मूल्यवान भूमि प्राथमिक स्वास्थ केंद्र निर्माण के लिय दान की थी। जिसके बाद संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार ने स्वास्थ केंद्र निर्माण करने का निर्णय लिया एवं 9 मार्च 1960 को प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल द्वारा स्वास्थ केंद्र का शिलान्यास किया गया। तीन वर्ष के बाद 6 जून 1963 को डॉ. एम चेना रेड्डी पंचायत राज मंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ केंद्र का शुभारंभ किया।

कुछ वर्षो के बाद तेलगुदेशम पार्टी के काल में नूतन 30 बिस्तर वाले स्वास्थ केंद्र की मंजूरी दी गई। कुछ माह में नूतन 30 बिस्तर वाले भवन का निर्माण किया गया लेकिन आधिकारियों व नेताओं की लापरवाही और देखरेख के अभाव में 30 बिस्तर वाले स्वास्थ केंद्र भवन की छत से पानी टपकने लगा एवं छत पर 10-10 फिट के झाड़ व पौधे उगना प्रारंभ हो गए।

इस भवन के साथ-साथ इसी मैदान में जंगली पौधे भी नजर आ रहे हैं। इतना ही नही भवन के खिड़की-दरवाजे भी टूट चुके हैं। इस की कोई मरमत नही करता, जिसके चलते बरसात के दिनों में स्वास्थ केंद्र में पानी टपकता रहता है एवं ठंढ़ के मौसम में ठंडी हवा आने से मरीजों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय जनता ने आगे बताया कि समय पर वैद्यकीय अधिकारी उपस्थित नही रहते जिससे मरीजों को निजी स्वास्थ केंद्रों में जाना पड़ रहा है।

रेवंत रेड्डी ने किसानों को गुमराह किया : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पूर्व ऊर्जा मंत्री एवं सूर्यपेट के विधायक जगदीश रेड्डी ने कुओं पर मीटर लगाने के बारे में किसानों को गुमराह करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की।तेलंगाना विधानसभा के बजट सत्र में सोमवार को बिजली आवंटन पर बहस के दौरान विधायक रेड्डी ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक हरीश राव ने शनिवार को सदन में कहा था कि 30 हजार करोड़ रुपये के घाटे का अनुमान है लेकिन अभी तक कुओं पर मीटर नहीं लगाये गये।फिलहाल, मुख्यमंत्री ने श्री राव के सदन में दिये भाषण को गलत बताया और पलटवार किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हस्ताक्षरित एक दस्तावेज पेश किया, जिसमें कुछ शब्द हटा दिये गये थे। विधायक ने बताया कि श्री राव ने केवल उदय योजना पर चर्चा की, जिसे डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए लागू किया गया था।उन्होंने कहा कि तेलंगाना से पहले कांग्रेस शासित राज्यों सहित 27 राज्य इस योजना में शामिल हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने लोगों और किसानों को गुमराह करने की कोशिश की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.